शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

शुक्रवार 08 मार्च 2024 ● फाल्गुन कृष्ण पक्ष 13 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 320

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

चुनावी समर

कश्मीर, नौकरी, पेपर लीक, परिवारवाद...मुद्दों पर वादे-आरोप

सरकार में आए तो 30 लाख नौकरियां देंगे: राहुल गांधी

जयपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को केंद्र में पार्टी की सरकार बनने पर युवाओं को 30 लाख सरकारी नौकरियां देने की घोषणा की. कहा कि सरकार में आने के बाद पहला काम होगा कि 30 लाख सरकारी नौकरियां हम देंगे. वे भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत बांसवाड़ा में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा, युवाओं के लिए कांग्रेस पार्टी क्या करने जा रही है? सबसे पहला कदम, हमने गिनती की है- हिंदुस्तान में 30 लाख सरकारी पद खाली हैं ... मोदी जी इनको भरवाते नहीं हैं. भाजपा इन्हें भरवाती नहीं है. ये भी कि कांग्रेस पार्टी युवाओं को 5 ऐतिहासिक गारंटी दे रही है. ये पांच ऐतिहासिक काम हैं : युवाओं के लिए भर्ती भरोसा, 30 लाख खाली पद भरना, पहली नौकरी पक्की करना, पेपर लीक से मुक्ति, गिग कर्मियों के लिए सामाजिक सुरक्षा व 'युवा रोशनी' के तहत स्टार्ट अप के लिए 5,000 करोड़ रुपये... ये ह आपके लिए करने जा रहे हैं. सरकार में आते ही ये सारे कार्य हमारी प्राथमिकता रहेगी. - शेष पेज 7 पर

कांग्रेस की युवाओं की 5 ऐतिहासिक गारंटियां

अनुच्छेद 370 पर कांग्रेस ने देश को गुमराह किया : मोदी

श्रीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के बाद जम्मू-कश्मीर विकास की नयी ऊंचाइयों को छू रहा है और स्वतंत्र रूप से सांस ले रहा है. मोदी ने गुरुवार यहां बख्शी स्टेडियम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर अनुच्छेद 370 पर न केवल जम्मू-कश्मीर के लोगों को बल्कि पूरे देश को गुमराह करने का आरोप लगाया. प्रधानमंत्री ने आगामी रमजान के पवित्र महीने और महाशिवरात्रि के पर्व के लिए अपनी अग्रिम शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर विकास की नयी ऊंचाइयों को छू रहा है. ये वो नया जम्मू कश्मीर है, जिसके लिए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने बलिदान दिया था. मोदी ने एक बार फिर से परिवारवाद पर भी जमकर हमला बोला और कहा कि मेरा परिवार तो देश की जनता है. अनुच्छेद 370 नहीं हटने से किस परिवार का फायदा हो रहा था. आज इसके हटने से कश्मीर को फायदा हो रहा है.

श्रीनगर की रैली में कांग्रेस पार्टी को निशाने पर लिया

संदेशखाली पर गलत सूचना दे रहे लोग : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल को महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित राज्य बताते हुए कहा कि कुछ लोग संदेशखाली को लेकर गलत सूचना फैला रहे हैं. लोकसभा चुनाव की आधिकारिक घोषणा से पहले महिलाओं के अधिकार को लेकर यहां आयोजित रैली व पैदल मार्च का नेतृत्व करते हुए ममता बनर्जी ने यह बात कही. भाजपा पर निशाना साधते हुए ममता बनर्जी ने कहा, भाजपा नेता संदेशखाली को लेकर झूठी अफवाह फैला रहे हैं, लेकिन उनकी पार्टी द्वारा शासित राज्यों में महिलाओं पर होने वाले अत्याचारों को लेकर खामोश हैं. ममता बनर्जी ने पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि हम आपको चुनाव में हराएंगे, इससे फर्क नहीं पड़ता कि आप कहां से चुनाव लड़ेंगे. वे जहां से लड़ेंगे हमारी पार्टी उन्हें हराएगी. उन्होंने यह भी कहा पश्चिम बंगाल में महिलाएं सबसे अधिक सुरक्षित हैं.

महिला सम्मान को लेकर सीएम ममता ने किया पैदल मार्च

भाजपा 'वॉशिंग मशीन' सभी दाग मिटा लें : पवार

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने गुरुवार को भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह एक 'वॉशिंग मशीन' बन गई है, जिसमें भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे लोग अपने दाग मिटाने के लिए शामिल हो सकते हैं. उन्होंने झारखंड में हेमंत सोरेन और दिल्ली में अरविंद केजरीवाल समेत गैर-भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को निशाना बनाने के लिए केंद्र की आलोचना की. पवार ने देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की आलोचना समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी निशाना साधा. पुणे जिले के लोनावाला में राकांपा (शरद) के कार्यकर्ताओं के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए पवार ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भ्रष्टाचार की चर्चा करते हुए अविभाजित राकांपा की आलोचना करते थे, पर अब साथ हैं. पवार ने उप-मुख्यमंत्री अजित पवार का नाम लिए बिना कहा, उन्होंने महाराष्ट्र में 70,000 करोड़ रुपये के सिंचाई घोटाले का जिक्र किया.

कहा- हेमंत सोरेन व केजरीवाल को निशाना बनाया गया है

सर्राफा

सोना (बिक्री)	60,900
चांदी (किलो)	77,000

ब्रीफ खबरें

पूर्व जस्टिस गंगोपाध्याय भाजपा में शामिल हुए

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद से इस्तीफा देने के दो दिन बाद अभिजीत गंगोपाध्याय आज गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गये. अभिजीत गंगोपाध्याय ने कोलकाता स्थित मित्र इंस्टीट्यूशन (मेन) से अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी की. इस क्रम में उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय के हाजरा लॉ कॉलेज से उच्च शिक्षा पायी.

यूपी में 13 हजार मदरसों को अवैध करार दिया गया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एसआईटी ने 13 हजार मदरसों को अवैध करार देते हुए बंद करने की सिफारिश की है. खबरों के अनुसार अवैध मदरसों के मामले में एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट यूपी सरकार के हवाले कर दी है. एसआईटी की रिपोर्ट के बाद मदरसा बोर्ड इन अवैध मदरसों पर कार्रवाई की कवायद में जुट गया है. एसआईटी ने जिन मदरसों को अवैध बताया है, उनमें अधिकतर नेपाल की सीमा पर हैं.

केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 4% बढ़ा

नयी दिल्ली। होली से पहले केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनधारकों के महंगाई भत्ते और महंगाई राहत को 46 फीसदी से बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया गया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में महंगाई भत्ते को बढ़ाने का फैसला लिया गया है. 1 जनवरी से लेकर 30 जून 2024 तक के लिए महंगाई भत्ता को बढ़ाया गया है.

के. करुणाकरण की बेटी भाजपा में शामिल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के दिग्गज दिवंगत नेता और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री के. करुणाकरन की बेटी पद्मजा वेणुगोपाल गुरुवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गईं. पद्मजा के भाई के. मुरलीधरन वडकरा से कांग्रेस के सांसद हैं. इससे पहले, केरल के पूर्व मुख्यमंत्री एके एंटनी के बेटे अनिल एंटनी भाजपा में शामिल हुए थे. अनिल को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए केरल की पत्तनमतिट्टा सीट से उम्मीदवार बनाया है.

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	33.0	19.7
जमशेदपुर	31.8	19.2
डालटनगंज	30.7	14.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

ऋतिक कंपनी का कारनामा, मामले को दबाने की कोशिश

एक बिरहोर बच्ची की मौत की कीमत 40 हजार

प्रवीण कुमार। रांची/हजारीबाग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आदिम जनजातियों को उत्थान के लिए झारखंड से बड़ी योजनाओं की घोषणा करते हैं. वहीं झारखंड के केरेडारी प्रखंड में बिरहोर परिवारों को बिना पुनर्वासित किये एनटीपीसी के एमडीओ ऋतिक कंपनी द्वारा कोयला खनन किया जा रहा है, जहां मानव आधिकार और बाल अधिकार का उल्लंघन कर ऋतिक कंपनी कोयला खनन कर रहा है. यह खनन कार्य पराग गाव के बिरहोर टोला के 38 कदम की दूरी पर की जा रही है. पिछले 3 साल से चल रहे खनन के कारण बिरहोर परिवार बीमार हो रहे हैं.

चट्टी बरियातू पंचायत के पगार गांव के बिरहोर टोला निवासी किरनी बिरहोर (10 वर्ष), पिता बीरु बिरहोर की मौत 28 फरवरी की रात में हो गई थी. एनटीपीसी ने बच्ची की मौत के मामले को अपने परियोजना क्षेत्र से बाहर का बताकर पल्ला झाड़ लिया था, लेकिन कोयला खनन कार्य कर रही एनटीपीसी के एमडीओ ऋतिक कंपनी ने बिरहोर बच्ची की मौत पर परिवार को 40 हजार मुआवजा दे दिया है. इसमें 5 हजार नगद और 35 हजार पिता बिरु बिरहोर के बैंक खाते में दिया है.

28 फरवरी को हुई थी मौत : चट्टी बरियातू पंचायत के पगार गांव के बिरहोर टोला निवासी किरनी बिरहोर(10 वर्षीय) की मौत 28 फरवरी की रात में हो गई थी.एनटीपीसी ने बच्ची की मौत के मामले को अपने परियोजना क्षेत्र से बाहर का बता पल्ला झाड़ लिया था. मामले को दबाने के लिए खनन कर रही एनटीपीसी के एमडीओ ऋतिक कंपनी ने बच्ची के परिजनों को 40 हजार मुआवजा दे दिया, जिसमें 5 हजार कैश व 35 हजार पिता को दिए गए.

पिता बीरु ने कहा- खून की उलटी करते मर गयी किरणी

बच्ची की मौत के बाद शव जल्द दफनाने का जोर

किरणी के पिता बिरू बिरहोर ने बताया कि बच्ची की मौत के बाद शव जल्दी दफनाने के लिए कंपनी ने जोर भी दिया. इस बात को लेकर भी कंपनी वाले जोर दे रहे थे. बिरहोर टोला के वार्ड सदस्य ने कहा किरणी की मौत प्रदूषण के कारण हुई है. वह कुछ दिन से बीमार थी. उसे इलाज के लिए केरेडारी स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां उचित इलाज का व्यवस्था नहीं होने से वापस लौट गए. फिर किरणी की मौत हो गई. कंपनी के लोग आपने प्रभाव और पैसे के बल पर यहां कुछ भी कर ले रहे है.

खदान से होकर इसी रास्ते से बिरहोर परिवार बाजार आते-जाते हैं.

क्या कहते हैं टोला के बच्चे

- बैजू बिरहोर (12) ने कहा कि यहां रहने में डर लगता है.
- अंकित बिरहोर(12) का कहना है कि ब्लास्टिंग से घर हिल जाता है रात दिन शोर होता है, धूल उड़कर हमलोगों के भोजन में मिल जाता है. इसे खाकर हम बीमार हो रहे हैं.
- अशु बिरहोर (11)ने भी कहा कि हमलोगों की कोई मदद नहीं कर रहा है.

बैजू बिरहोर

अशु बिरहोर व अंकित बिरहोर

बच्ची की मौत के मामले की होगी जांच : डीसी

हजारीबाग डीसी नैंसी सहाय ने कहा कि मामले की जांच के लिए जिला में उच्च स्तरीय कमेटी गठित की गई है, रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी. डीसी ने कहा है कि मामला गंभीर है.

किस घटना-दुर्घटना में कितना मिलता है मुआवजा

- मनरेगा मजदूरों की किसी भी दुर्घटनाओं में मौत होने दो लाख और सामान्य मौत पर एक लाख रुपए मुआवजा दिया जाता है
- हाथी के हमले में मौत होने पर 6.5 लाख है मुआवजा राशि वन विभाग देता है

पीएम मोदी ने क्या की थी घोषणा

15 नवंबर 2023 को झारखंड के खूंटी से पीएम मोदी ने पीवीटीजी डेवलपमेंट मिशन की घोषणा की थी. इसका मकसद कमजोर आदिवासी समूहों (पीवीटीजी) की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है. मिशन में पिछड़ी अनुसूचित जनजातियों के लिए बस्तियों में सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल व स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य व पोषण, सड़क तक बेहतर पहुंच जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना शामिल है.

सीएम ने 2454 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया

30 हजार रिक्त पद भरेंगे: सीएम

संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि आने वाले 3 से 4 महीनों में 30 हजार रिक्त पदों को भरा जाएगा. यह घोषणा गुरुवार को सीएम चंपाई सोरेन ने 2454 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देने के दौरान किया. मौके पर सीएम द्वारा स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षक (पीजीटी) बायोलॉजी के 253, केमिस्ट्री के 259, फिजिक्स के 313 और भूगोल के 195 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र मिले. वहीं, नगर विकास और आवास विभाग के पाइपलाइन इंस्पेक्टर के लिए 15, स्ट्रीट लाइट इंसपेक्टर के 55 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया गया. कृषि विभाग के कनीय अभियंता के 9 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया गया है. खान निरीक्षक के 34 अभ्यर्थी हैं. विद्युत विभाग के कनीय अभियंता के 53 और पथ निर्माण विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग के 1268 सिविल अभियंता को नियुक्ति पत्र दिया गया. राज्यसभा सांसद महुआ माजी, प्रधान सचिव सुनील कुमार, सचिव प्रशांत कुमार, राजेश शर्मा, सचिव अबू बकर सिद्दीकी, सचिव अरवा राजकमल, सचिव उमाशंकर सिंह, निदेशक शशि रंजन समेत अन्य शामिल रहे.

जनजातीय भाषाओं के शिक्षकों की भी बहाली : सीएम ने कहा जल्द जनजातीय भाषाओं के शिक्षकों की भी बहाली होगी. प्राथमिक विद्यालयों में जनजातीय भाषा की पढ़ाई शुरू होगी.

रांची में आयोजित कार्यक्रम में नियुक्ति पत्र देते सीएम चंपाई सोरेन.

सीएम ने मेधा डेयरी प्लांट का किया शिलान्यास

किसानों को मिलेगा सीधा लाभ

जमशेदपुर। जमशेदपुर के मानगो बालीगुमा में गुरुवार को मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने मेधा डेयरा प्लांट का शिलान्यास किया. 68 करोड़ की लागत से बनने वाले इस डेयरी प्लांट से प्रतिदिन 50 हजार लीटर दूध का उत्पादन हो सकेगा, जिससे शहर और आस-पास में दूध की कमी पूरी होगी. शिलान्यास के दौरान कृषि मंत्री बादल पत्रलेख, स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी, बहरागोड़ा विधायक समीर महंती पोटका विधायक संजीव सरदार समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे. मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि इस डेयरी प्लांट के शुरु होने से शहर में दूध की समस्या खत्म हो जाएगी.

मुख्यमंत्री ने रखी मानगो फ्लाईओवर की आधारशिला

जमशेदपुर। जमशेदपुर के मानगो को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए गुरुवार को मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने मानगो फ्लाईओवर की आधारशिला रखी. यह फ्लाईओवर मानगो में स्वर्णरेखा नदी के ऊपर से बनेगा, जिसके लिए कुल लागत 252 करोड़ रुपये आएगी. मानगो के डिमना रोड और न्यू पुरुलिया रोड की तरफ से कंपनी के कर्मचारियों और अधिकारियों ने लेवलिंग का काम शुरू कर दिया है पथ निर्माण विभाग के इंजीनियरों ने बताया कि 18 महीने के अंदर फ्लाईओवर का निर्माण कार्य पूरा कर लेना है.

गाजिया में खरकई व संजय तट पर बांध का शिलान्यास

आदित्यपुर। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने गुरुवार को अपने ही विधानसभा सभा क्षेत्र के गम्हरिया प्रखंड अंतर्गत गाजिया बराज में मुख्य रूप से खरकई और संजय नदी तट पर उज्जैनपुर से अवलाटांड़ चमारू तक एफलेक्स बांध और भीमखांदा माइक्रो लिफ्ट पाइप लाइन सिंचाई योजना समेत 356 करोड़ रुपये की 84 छोटी बड़ी योजनाओं का शिलान्यास किया. स्वागत भाषण सुवर्णरेखा परियोजना के अभियंता प्रमुख नागेश मिश्रा ने किया. उन्होंने कहा कि आज गजिया बराज से 3 हजार हेक्टेयर जमीन को सालों भर पानी देने की योजना का शिलान्यास हो रहा है.- शेष 7 पर देखें

वे दिन हवा हुए जब पसीना गुलाब था

प्रसंगवश

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

राजनीति में आलाकमान कल्चर कांग्रेस की ही देन है. कांग्रेस में आलाकमान की नजर से ही सब कुछ होता था.

इस समय प्रकृति और राजनीति दोनों अठखेलियां खेल रही हैं. प्रकृति वसंत के आगोश में समायी हुई है. लेकिन राजनीति में अभी पतझड़ ही चल रहा है. समुद्र तट से लेकर पहाड़ों तक उत्तर-दक्षिण, पूरब-पश्चिम चारों तरफ तकरार जारी है. खास तौर से विपक्षी दलों में. आये दिन पत्ते झड़ रहे हैं. कांग्रेस को ही देख लीजिए. लगता है पेड़ ही ठूठ हो जायेगा. एक समय था, आलाकमान हवाई अड्डे से मुख्यमंत्री बदल देता था और कोई चूं नहीं करता था. गजब की हनक थी. आलाकमान नेताओं को ताश की गड्डी की तरह फेंटता रहता था और जिसे चाहता था जोकर बना देता था. राजनीति में आलाकमान कल्चर कांग्रेस की ही देन है. कांग्रेस के इसी चमत्कारिक स्वभाव के कारण एक बार अटल बिहारी वाजपेयी ने कह दिया था कि कांग्रेस अपने मुख्यमंत्रियों को चपरासियों की तरह हटा रही है. अगली जनसभा में उन्हें चपरासियों ने घेर लिया. उन्होंने कहा कि आप हमारा अपमान कर रहे हैं. माफी मांगिए. हमें हटाने के लिए नोटिस देना पड़ता है. कांग्रेस में आलाकमान की नजर से ही सब कुछ होता था, क्या समय था. खुर्शीद अकबर की मानें तो-

सरों पर ताज रखे थे, कदम पर तख्त रखा था
वो कैसा वक्त था, मुट्ठी में सारा वक्त रखा था

कोई नजर में चढ़ जाता था, कोई नजर से गिर जाता था. किसी पर नजर टेढ़ी हो जाती थी तो कोई नजर की सीध में आ जाता था. उसके नजर उठाने और गिराने से ही सियासी मौसम बदल जाता था. बड़े-बड़े तुर्रम खां भीगी बिल्ली बने रहते थे. दरबार में कोर्निश बजाते भी थे तो चेहरे पर झिल्ली ही पड़ी रहती थी. पता नहीं आलाकमान किस पर रीझ जाये और किस पर खीझ जाये. सियासत में चर्चा-ए-कयामत आलाकमान के जलवे से ही शुरू होती थी और उसी के इशारे पर खत्म हो जाती थी. लेकिन अब बेदर्द सियासत ने बेहाल कर दिया है. वे दिन हवा हुए जब पसीना गुलाब था.

कवि भूषण ने शिवाजी के हमलों से खौफ में जी रही बेगमों की दुर्दशा के बारे में लिखा है कि तीन बेर खाती थी, वे तीन बेर खाती हैं. यानी जो तीन बार खाना खाती थीं, वे तीन बेर (फल) खाकर ही गुजारा कर रही हैं. संभव है कि यह किसी को अतिश्योक्तिपूर्ण लगे, लेकिन कांग्रेस महज दस वर्षों में निहत्था हो जायेगी, यह कल्पनातीत है. हालत यह है कि उसके सबसे बड़े नेता अपनी पुश्तैनी सीट अमेठी, रायबरेली से लड़ने से घबरा रहे हैं. नेहरू जी की फूलपुर सीट पर कांग्रेस दावा तक नहीं कर रही है. जो उत्तर प्रदेश कांग्रेसी दिग्गजों का गढ़ रहा है, वहां यह पार्टी सपा की कृपापात्र बन कर रह गयी है. गोविंद बल्लभ पंत, सुचेता कृपलानी, संपूर्णानंद, चंद्रभानु गुप्त, कमलापति त्रिपाठी, वीर बहादुर सिंह, नारायण दत्त तिवारी जैसे दिग्गजों की ही नहीं, मोतीलाल नेहरू, जवाहरलाल, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी, राहुल की कर्मभूमि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस हताश है, निराश है. उसे सपा से मिली डेढ़ दर्जन सीटों पर भी कायदे के उम्मीदवार नहीं मिल रहे हैं. - शेष पेज 7 पर देखें

स्पैनिश महिला से गैंगरेप मामला

झारखंड हाईकोर्ट ने सरकार से मांगी विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट

संवाददाता। रांची

झारखंड के दुमका जिले में स्पैनिश मूल की महिला के साथ गैंगरेप की घटना पर स्वतः संज्ञान से दर्ज मामले की सुनवाई हाईकोर्ट में हुई. हाईकोर्ट के कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एस चंद्रशेखर एवं जस्टिस नवनीत कुमार की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार को विस्तृत आंकड़े के साथ-साथ इस मामले में की गयी कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करने का दिया निर्देश दिया है. अदालत ने पूछा है कि विदेशी पर्यटकों के राज्य की सीमा में प्रवेश की जांच के साथ उनके सुरक्षा व सहायता के लिए राज्य सरकार ने किस प्रकार का एसओपी जारी की है. सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को यह बताया गया कि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है.

दुमका में हुई थी घटना

पिछले शुक्रवार को दुमका जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र के कुरुमाहाट में बाइक टूर पर निकली स्पैनिश मूल की महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था. स्पैनिश महिला अपने पति के साथ बाइक पर निकली थी. रात में जंगल में रुक गई थी, तभी घटना घटी.

पलामू राजद और कोडरमा माले को देने पर बनी सहमति, चाईबासा गया झामुमो के खाते में, लोहरदगा से दावा छोड़ा झामुमो

मिशन लोस चुनाव : इंडी गठबंधन के सीट शेयरिंग का खाका तैयार

कौशल आनंद । रांची

इंडिया गठबंधन का लोकसभा चुनाव में सीट शेयरिंग का खाका दलों ने तैयार कर लिया है. सीट शेयरिंग को लेकर मिली जानकारी के अनुसार नए समीकरण के तहत राजद को पलामू और कोडरमा माले को दिया जा सकता है. जबकि चाईबासा सीट पर झामुमो का दावा रंग ले आया है.

गीता कोड़ा के भाजपा में चले जाने के बाद यह सीट कांग्रेस झामुमो को देने पर सहमति प्रदान कर दी है. इसके बदले पूर्व में झामुमो का दावा वाली सीट लोहरदगा छोड़ने को राजी हो गया है. हालांकि अभी एक पेंच बना हुआ है. राजद केवल पलामू सीट पर राजी नहीं हो रहा है. इसलिए कांग्रेस और झामुमो एक और राजद नेता तेजस्वी यादव से बात करेंगे. इसके बाद सहमति बनने की उम्मीद है. इंडिया गठबंधन चुनाव की घोषणा होने के बाद सीट शेयरिंग और प्रत्याशियों का एलान करेगी.

खास बातें

- प्रत्याशियों का ऐलान चुनाव घोषणा के बाद करेंगे दल
- राजद केवल पलामू सीट पर तैयार नहीं हो रहा है

झामुमो बिहार की सीटों को लेकर राजद पर बना रहा है दबाव

झामुमो राजद को इस बात को लेकर दबाव बना रहा है कि अगर चतरा सीट पर वह दावा नहीं छोड़ता है तो इसके बाद बिहार में झामुमो सीट का दावा करेगी. ऐसे पूर्व में ही दिल्ली की बैठक के दौरान झामुमो ने बिहार की जमुई सीट पर अपने दावेदारी की है. अगर राजद केवल पलामू पर राजी नहीं होता है तो वह राजद से जमुई सीट पर अड़ सकता है. इसलिए जमुई पर ही राजद के लिए चतरा सीट की दावेदारी टिकी है.

झामुमो ने बंगाल और ओडिशा में भी किया है एक-एक सीट पर दावा

इसके अतिरिक्त झामुमो ओडिशा के मयूरभंज और बंगाल की झारग्राम सीट पर भी कांग्रेस से दावेदारी प्रस्तुत कर चुका है. मगर कांग्रेस की ओर से अभी तक हरी झंडी नहीं मिल रही है. क्योंकि अभी बंगाल को लेकर टीएमसी से सीट शेयरिंग पर बात पटरी पर नहीं आयी है. वैसे मिल रही जानकारी के अनुसार टीएमसी बंगाल में कांग्रेस को छह से सात सीट देने पर राजी हो गया है, जबकि वामदल अकेले ही बंगाल में चुनाव लड़ेंगे. यह सहमति पूर्व में ही बन चुकी है. इसके पीछे की वजह टीएमसी और वामदल बंगाल में एक दूसरे के कट्टर विरोधी हैं, इसलिए दोनों का वोट एक दूसरे में कन्वर्ट होने की संभावना नहीं है. अगर वामदल इंडी गठबंधन के तहत चुनाव लड़ते हैं तो इसका फायदा भाजपा को होगा. इसलिए अंततः वामदल अकेले चुनाव लड़े, इस पर सहमति बन चुकी है.

माले से विनोद सिंह या राजकुमार यादव हो सकते हैं कोडरमा से प्रत्याशी

कोडरमा से विनोद सिंह या पार्टी के पुराने प्रत्याशी राजकुमार यादव भाजपा के अन्नपूर्णा देवी के खिलाफ उतारा जा सकता है. झामुमो और कांग्रेस कोडरमा के अलावा और कोई सीट वामदल को देने के मूड में नहीं है. वामदल पहले से ही हजारीबाग, कोडरमा, धनबाद, राजमहल सीट पर दावेदारी करते आया है.

हजारीबाग से वैश्य के खिलाफ वैश्य प्रत्याशी ही देने का प्लान

हजारीबाग से चूंकि भाजपा ने एक वैश्य समुदाय के प्रत्याशी मनीष जायसवाल को उतार दिया है. इसलिए कांग्रेस इस सीट से अब किसी वैश्य प्रत्याशी को उतारने की तैयारी कर रही है. जिसमें बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद का नाम सबसे उपर चल रहा है. वैसे गोपाल साहू भी रेस में हैं.

धनबाद में कांग्रेस पूर्णिमा नीरज सिंह को मैदान में उतार सकती है

वैसे तो धनबाद से कई टिकट के दावेदार हैं, जिसमें ददई दूबे, अजय दूबे मन्नान मल्लिक प्रमुख हैं. मगर इस सीट से कांग्रेस किसी नए चेहरे को उतारना चाहती है. इसमें झरिया से कांग्रेस विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह को उतार सकती है. हलांकि पूर्णिमा नीरज सिंह पर भाजपा भी डोरे डाल रही है

इंडिया गठबंधन सीट शेयरिंग का नया समीकरण

कांग्रेस : गोड्डा, धनबाद, रांची, खूंटी, चतरा, हजारीबाग.

झामुमो : चाईबासा, दुमका, राजमहल, गिरिडीह, लोहरदगा.

राजद : पलामू

माले : कोडरमा

नोट : जमशेदपुर पर अभी सस्पेंस कायम है, इस सीट पर झामुमो-कांग्रेस दोनों की नजर है.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने चुनाव को लेकर राज्यस्तरीय समीक्षा की

फेक न्यूज व भ्रामक पोस्ट पर निगरानी रखें : के. रवि कुमार

प्रमुख संवाददाता । रांची

लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर राज्य के मतदान केंद्रों पर आवश्यक बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित होने से बेहतर परिणाम सामने आएंगे. मतदाता मतदान केंद्र पर ज्यादा से ज्यादा पहुंचेंगे. इससे मतदान प्रतिशत बेहतर हो सकेगा. इसके लिए सभी को सकारात्मक सोच के साथ आपसी समन्वय से काम करने की आवश्यकता है. निर्वाचन कार्य में सभी ईमानदारी पूर्वक कर्तव्य निर्वहन करें. सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी अपने-अपने जिले में चल रहे निर्वाचन से संबंधित कार्यों को ससमय पूर्ण करें. निर्वाचन के कार्य में किसी प्रकार की कोताही अक्षम्य है. ये बातें झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के.रवि कुमार ने कही. वे गुरुवार को लोकसभा चुनाव 2024 के अंतर्गत अबतक की गई तैयारियों को लेकर रांची के होटल बीएनआर चाणक्य में आयोजित राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे. बैठक में जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह- उपायुक्त, आईजी, डीआईजी, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, वरीय पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक आदि निर्वाचन कार्य से जुड़े वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे.

मतदान केंद्रों को मॉडल बूथ के रूप में तैयार करें : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में राज्य के सभी मतदान केंद्रों को आदर्श मतदान केंद्र के रूप में तैयार किया जाना है. उन्होंने सभी बूथों पर दिव्यांग मतदाता, महिला एवं पर्दानशी मतदाता, वरिष्ठ मतदाता की सहायता के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निदेश दिया. उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य गर्मी के मौसम में हो रहा है, ऐसे में सभी मतदान केन्द्रों पर शेड एवं पेयजल की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाएं, ताकि मतदाताओं को कोई असुविधा नहीं हो. शहरी मतदाता के लिए मतदान केंद्रों के समीप ही पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चत करें. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बीएलओ द्वारा उनके मतदान केंद्रों पर की गई बेहतर व्यवस्था के लिए सम्मानित कर प्रेरित करने का निदेश दिया.

मतदान दिवस को महापर्व के रूप में मनाएं

- बूथ पर आवश्यक बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित कराने से बेहतर रिजल्ट आएंगे
- **निर्वाचन से संबंधित कार्यों को ससमय पूर्ण करें जिला निर्वाचन पदाधिकारी**
- लोकसभा चुनाव में राज्य के सभी मतदान केंद्रों को मॉडल बूथ के रूप में करें तैयार
- **गर्मी के मद्देनजर मतदान केन्द्रों पर शेड एवं पेयजल की व्यवस्था करें सुनिश्चित**
- मतदान केंद्रों पर की गई बेहतर व्यवस्था के लिए बीएलओ होंगे सम्मानित

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदान दिवस के दिन को सभी मतदाता लोकतंत्र के महापर्व के रूप में मनायें. सभी मतदाता महापर्व में भागीदार बनें, इसके लिए लोगों के बीच संदेश प्रसारित एवं प्रचारित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर ऐसी व्यवस्था व माहौल तैयार करें, जैसे कि जिस खुशी व उल्लास के साथ लोग पर्व त्योहार मनाते हैं, उसी प्रकार मतदाता उत्साहपूर्वक मतदान दिवस के दिन मतदान केन्द्रों पर पहुंचे और मतदान करें.

पुलिस पदाधिकारी विधि व्यवस्था रखें सख्त

मुख्य निर्वाचन पदा. ने निर्वाचन कार्य के दौरान विधि-व्यवस्था सख्त रखने का निर्देश सभी पुलिस पदाधिकारियों को दिया. उन्होंने शराब व नगदी अवैध आवागमन पर कड़ी निगरानी रखते हुए सख्ती से रोक लगाने का निदेश दिया. साथ ही सोशल मीडिया पर फेक न्यूज व असामाजिक तत्वों द्वारा किये जा रहे भ्रामक पोस्ट पर निगरानी रखते हुए प्रावधान अनुरूप सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया.

प्रतिबंधित सामग्रियों के आवागमन पर रोक

आईजी ऑपरेशन सह झारखंड पुलिस के राज्य नोडल पदाधिकारी एवी होमकर ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सभी जिले में पुलिस पदाधिकारियों द्वारा की गई तैयारियों एवं कार्रवाई की भी समीक्षा की गई. विधि व्यवस्था संधारण तथा निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव कराने को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण करने का निर्देश पुलिस पदाधिकारियों को दिया गया है. उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में की जाने वाली कार्रवाई एवं अर्धसैनिक बल से कार्रवाई की अपेक्षाएं, सीमावर्ती राज्यों के साथ समन्वय, बॉर्डर चेक पोस्ट पर अबतक की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई. साथ ही नगदी, नकली एवं अवैध शराब, नशीले एवं अन्य प्रतिबंधित सामग्री की तस्करी व आवागमन पर पूर्ण रोक के लिए विशेष कार्य योजना तैयार की जा रही है। इसके लिए सभी पुलिस पदाधिकारी को निदेशित किया गया है. भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश के आलोक में सभी पुलिस पदाधिकारी को निर्देशित किया गया है. उन्होंने कहा कि पुराने वारंटी, अपराधियों एवं निर्वाचन कार्य को प्रभावित करनेवालों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध की गई कार्रवाई की भी समीक्षा की गई. बैठक में पावर प्रजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा अपने जिले में चल रहे निर्वाचन कार्य से संबंधित अबतक की गई तैयारियों के बारे में जानकारी दी.

15 जिलों के एसपी को चुनाव कराने का अनुभव नहीं है

संवाददाता । रांची

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर झारखंड में समीक्षा बैठक का दौर जारी है. एक तरफ जहां पुलिस मुख्यालय द्वारा सभी जिलों के एसपी को चुनाव से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया, वहीं दूसरी तरफ झारखंड निर्वाचन आयोग भी अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गया है. लेकिन झारखंड के कुल 24 जिलों में से 15 जिलों के पास एसपी के रूप में चुनाव कराने का अनुभव नहीं है. ऐसे में राज्य में भयमुक्त माहौल में चुनाव संपन्न कराने को लेकर जिलों के एसपी, एसएसपी के साथ लगातार समीक्षा बैठक की जा रही है.

होटल बीएनआर में हुई समीक्षा बैठक : चुनाव आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन को लेकर कितनी तैयारियां हुई है और उनकी स्थित क्या है, ये जानने के लिए रांची के बीएनआर होटल में आज गुरुवार को एक हाई लेवल समीक्षा बैठक आयोजित की गयी. इस बैठक निर्वाचन आयोग के अधिकारियों के साथ-साथ चुनाव कार्यों में लगे राज्य के सभी आईजी, डीआईजी, डीसी, एसएसपी, एसपी सहित डीईओ और नोडल अधिकारी मौजूद रहे. बीएनआर में आयोजित इस बैठक में पुलिस मुख्यालय के कई अधिकारी और आईजी ऑपरेशन भी मौजूद है. बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य में भयमुक्त माहौल में चुनाव संपन्न कराना था. साथ ही सुरक्षा, मतदान केंद्रों, संवेदनशील इलाकों और नक्सल प्रभावित इलाकों में शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव कराने को लेकर तैयारियों पर था.

नोडल पदाधिकारी ने दिया प्रशिक्षण

बीते तीन मार्च को राज्य के सभी रेंज आईजी, डीआइजी, एसएसपी/एसपी और डीएसपी को भी लोकसभा चुनाव को लेकर नोडल पदाधिकारी ने प्रशिक्षण दिया था. लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस को कई तरह की तैयारी करनी है. पुलिस पर सुरक्षा बलों की तैनाती, नकल अभियान, बूथ प्रबंधन के साथ-साथ प्रधान मंत्री सहित विभिन्न स्टार प्रचारकों की सुरक्षा की जिम्मेवारी है.

चुनाव आयोग ने जारी किये हैं निर्देश

लोकसभा चुनाव के दौरान लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति, खासकर नक्सली इलाकों में मतदान कैसे कराया जाये, पिछले दिनों चुनाव के दौरान किस तरह की गड़बड़ी का सामना करना पड़ा, किन इलाकों में कौन से नक्सली ग्रुप सक्रिय हैं और उनसे कैसे निपटना है, चुनाव आयोग ने इस संबंध में निर्देश जारी किये हैं.

पदस्थापन को लेकर चुनाव आयोग ने जारी की सूची

रांची । लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा 10 मार्च के बाद कभी भी हो सकती है. वहीं प्रशासनिक अधिकारी चुनाव की तैयारी में युद्ध स्तर पर लगे हैं. हालांकि जिन अधिकारियों पर चुनाव कार्यों को संपन्न कराने की जिम्मेवारी होती है, उसमें से कई का तबादला चुनाव आयोग के नए निर्देश पर किया जाता है. जानकारी के अनुसार, इसकी तैयारी भी विभाग और कार्मिक के स्तर पर की जा रही है.

जानें किस संसदीय क्षेत्र में कौन-कौन से जिले आते हैं

- **रांची** : रांची और सरायकेला.
- **हजारीबाग** : हजारीबाग, कोडरमा और रामगढ़
- **चतरा** : चतरा, लातेहार और पलामू
- **पलामू** : पलामू और गढ़वा
- **लोहरदगा** : लोहरदगा, रांची और गुमला
- **खूंटी** : खूंटी, चाईबासा, रांची, सरायकेला, सिमडेगा और गुमला
- **सिंहभूम** : चाईबासा और सरायकेला
- **जमशेदपुर** : जमशेदपुर
- **धनबाद** : धनबाद और बोकारो
- **गिरिडीह** : गिरिडीह, बोकारो और धनबाद
- **कोडरमा** : कोडरमा, हजारीबाग और गिरिडीह
- **गोड्डा** : गोड्डा, देवघर और दुमका
- **दुमका** : दुमका, जामताड़ा और देवघर
- **राजमहल** : साहिबगंज, पाकुड, दुमका और गोड्डा

बजट से 12 हजार करोड़ रुपये हो सकता है सरेंडर

रवि भारती । रांची

चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 के समाप्त होने में 23 दिन ही शेष बचे हैं. ऐसे में राज्य सरकार के लिए बजट की राशि खर्च करना बड़ी चुनौती है. 2023-24 के लिए 116418.00 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान है. इसमें से अब तक 69070 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं. जानकारी के अनुसार इस बार भी 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि सरेंडर होने की संभावना जताई जा रही है. वहीं सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष के दौरान विकास योजनाओं के लिए बजट में निर्धारित राशि अनुपूरक के माध्यम से बढ़ायी. हालांकि जनवरी तक सिर्फ 54 फीसदी राशि ही खर्च हो पायी है. इस स्थिति को देखते हुए वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन विकास मद में खर्च की जानेवाली निर्धारित राशि में से 16500.00 करोड़ रुपये के सरेंडर होने का अनुमान है.

गृह और ऊर्जा विभाग खर्च करने में आगे

वर्तमान में गृह और ऊर्जा विभाग खर्च करने में आगे हैं. गृह विभाग के लिए 7553.86 करोड़ रुपये बजट का प्रावधान था, जिसमें से 6183.51 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जा चुकी है. वहीं ऊर्जा विभाग ने 15635 करोड़ रुपये में 14344.38 करोड़ रुपये खर्च किए हैं. प्राथमिक शिक्षा में 7244.5 करोड़ में से 5600 करोड़ और माध्यमिक शिक्षा के 3672.71 करोड़ में से 2723.78 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं. महिला बाल विकास विभाग ने 5896.47 करोड़ में से 4905.98 करोड़ रुपये खर्च किए हैं.

विभाग	बजट (करोड़ में)	खर्च (करोड़ में)
तकनीकी शिक्षा	455.94	255.29
परिवहन	224.36	129.90
नगर विकास	1717.03	792.90
जलसंसाधन	1664.51	1268.64
लघु सिंचाई	313.60	236.16
ग्रामीण कार्य	3414.20	2377.59
पंचायती राज	640.50	355.11
माध्यमिक शिक्षा	3672.71	2723.78
प्राथमिक शिक्षा	7244.15	5600.00
महिला बाल विकास	5896.47	4905.98
कृषि	2007.91	963.19
पशुपालन	407.34	258.11
भवन निर्माण	655.91	437.09
कैबिनेट	91.25	64.33
राज्यपाल सचिवालय	16.35	11.11
मंत्रिमंडल निर्वाचन	268.78	207.50
सहकारिता	650.31	532.71
ऊर्जा	15635.47	14344.38
वित्त	160.54	74.22
खाद्य आपूर्ति	1897.48	1067.89
वन पर्यावरण	1354.94	698.01
स्वास्थ्य	4898	3408.81
उच्च शिक्षा	1595.58	1378.12
गृह	7553.86	6183.51
उद्योग	603.65	217.51
सूचना जनसंपर्क	383.71	263.24
श्रम	937.19	706.48
खान	60.39	33.73
जेपीएससी	37.67	11.71
पेयजल	3836	3438.39
निबंधन	33.35	20.20
पथ	5627.66	3807.68
ग्रामीण विकास	3651.53	2919.74

झारखंड में ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर अब आवाज भी उठने लगी

सौरभ सिंह । रांची

लोकसभा चुनाव से पहले झारखंड में जमकर तबादले किये जा रहे हैं. इन ट्रांसफर-पोस्टिंग में नियमों को ताक पर भी रखा जा रहा है, जिसके खिलाफ अब आवाज भी उठने लगी है. गिरिडीह के खोरी महुआ डीएसपी साजिद जफर ने स्थानांतरण को अन्यायपूर्ण निर्णय बताकर इस्तीफा देने की बात तक कह दी है. उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि तबादले का अन्याय पूर्ण फैसला देखकर मैंने नौकरी से इस्तीफा देने के फैसला लिया है. यह पहला मामला नहीं है, जब किसी डीएसपी रैंक के अधिकारी ने तबादले के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकाली थी. इससे पहले भी डीएसपी रैंक के अधिकारी सोशल मीडिया पर तबादले के खिलाफ अपनी आवाज उठायी थी.

डीएसपी किशोर रजक ने भी सोशल मीडिया पर निकाली थी भड़ास : डीएसपी किशोर कुमार रजक ने भी 20 फरवरी 2019 को ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर फेसबुक पर अपनी भड़ास निकाली थी. डीएसपी किशोर रजक ने अपने फेसबुक वॉल पर लिखा था कि वे मानसिक तनाव में हैं, उनका जीवन अस्थायी हो चुका है जिस वजह से वे काम नहीं कर पा रहे हैं. लिखा था कि बचपन से जातीय भेदभाव का शिकार नहीं हुआ था. अब पढ़ लिखकर कुछ बना हूं तो धीरे-धीरे अपनी सदियों से वंचित जाति के होने का एहसास कर रहा हूं. जोश, ऊर्जा, ईमानदारी, मेहनत, मेरिट ये सब बकवास लगने लगा है. यदि पैसा, पैरवी और किसी खास जाति का होना ही मेरिट है तो इसे कहां से लाऊं. विशिष्ट इंडिया रिजर्व बटालियन (एसआईआरबी)-2 खूंटी में दो डीएसपी की एक महीने पहले ही पोस्टिंग हुई थी. उनलोगों का कल ट्रांसफर हो गया. एसआईआरबी में अभी मैं ही हूं सिर्फ. असम, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान ड्यूटी के लिए भेजा जा चुका हूं. झारखंड के भी कई जिलों में ड्यूटी कर चुका हूं. अब कब कहां ड्यूटी के लिए भेजा जायेगा पता नहीं. बाकी मित्र की तरह स्थायी रूप से काम नहीं कर पा रहा हूं. मानसिक रूप से परेशान हूं. जय हिंद! जय भारत. उनके ऊपर लगे आरोपों को प्रमाणित मानते हुए राज्य सरकार ने उनकी दो वेतन वृद्धि असंचयात्मक प्रभाव से रोकने का आदेश दिया था. साथ ही 27 सितंबर 2019 को शुरू की गयी विभागीय कार्यवाही को निस्तार भी कर दिया गया था.

तबादले से कई पुलिस अधिकारियों में नाराजगी

सरकार ने बीते दिनों सैकड़ों की संख्या में पुलिस अधिकारियों का तबादला किया. इनमें से कई ऐसे पुलिस अधिकारी हैं, जिन्होंने ट्रांसफर पोस्टिंग को लेकर नाराजगी जतायी है. नाम नहीं छापने के शर्त पर कई अधिकारियों ने बताया कि लंबे समय से सेटिंग में थे, इस बार भी सेटिंग पोस्टिंग मिली है.

कई ऐसे जिले जहां 5 से 8 माह में बदल दिये एसपी

झारखंड के कुछ जिलों में बीते दिनों एसपी का तबादला किया जा गया है. लेकिन राज्य के कई ऐसे जिले हैं, जहां पांच से आठ माह के अंदर ही एसपी बदल दिये गये हैं. इनमें बोकारो, गुमला और देवघर जिला शामिल है. हालांकि देवघर में सुभाष चंद्र जाट के बाद से तुरंत-तुरंत एसपी बदलने का सिलसिला रुका है.

जमीन हस्तांतरण मामले में कोर्ट ने मांगा जवाब

रांची । एनटीपीसी द्वारा फर्जी ग्राम सभा कर फॉरेस्ट क्लीयरेंस का एनओसी लेने के मामले की जांच के लिए दायर जनहित याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने तीन सप्ताह में केंद्र सरकार, राज्य सरकार और एनटीपीसी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस अरुण राय की बेंच में हुई. इस पूरे मामले को लेकर हजारीबाग के रहने वाले मंटू सोनी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है.

राष्ट्रपति से मिलेगा इंडिया गठबंधन का प्रतिनिधिमंडल

रांची । इंडिया गठबंधन के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने के लिए समय मांगा है. इसको लेकर झामुमो के महासचिव विनोद कुमार पांडे ने राष्ट्रपति के सचिव को पत्र लिखा है. पत्र में लिखा गया है कि झारखंड के मंत्री, सांसद, विधायक और वरिष्ठ नेता राष्ट्रपति से मिलना चाहते हैं. अतः प्रतिनिधिमंडल को मिलने के लिए समय निर्धारित किया जाये. इसकी जानकारी खुद विनोद कुमार पांडे ने दी है.

कोर्ट की सुरक्षा को लेकर रेंज के डीआईजी मुख्यालय को देंगे रिपोर्ट

संवाददाता । रांची

कोर्ट की सुरक्षा को लेकर रेंज के डीआईजी पुलिस मुख्यालय को रिपोर्ट देंगे. कोर्ट सुरक्षा को लेकर यह निर्देश पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी हुआ है. सभी कोर्ट परिसर और आवासीय परिसर में सीसीटीवी लगाने का काम किया जा रहा है. पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वह जैप आईटी से संपर्क स्थापित कर हर हाल में 31 मार्च तक सीसीटीवी लगाने का कार्य पूरा कर लें. रेंज डीआईजी को निर्देश दिया गया है कि वे अगले 10 दिनों के भीतर सभी न्यायालय में सुरक्षा व्यवस्था का औचक निरीक्षण करेंगे. इस दौरान अगर कोई कमी पाई जाती है, तो उसकी विस्तृत रिपोर्ट बनाकर पुलिस मुख्यालय को समर्पित करेंगे.

CLASSIFIED

तापमान
28.6° | 15.6°
अधिकतम | न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | शुक्रवार 08 मार्च 2024 ● फाल्गुन कृष्ण पक्ष 13 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~2~~ ● वर्ष : 1, अंक : 320 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

पूर्व सीएम हेमंत की न्यायिक हिरासत बढ़ी

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी गई है. अब वे 21 मार्च तक बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में ही रहेंगे. ईडी कोर्ट में न्यायिक हिरासत की अवधि पूरी होने पर गुरुवार को उनकी पेशी हुई. बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पीएमएलए की विशेष अदालत में उन्हें पेश किया गया. इसके साथ ही कोर्ट ने राजस्व कर्मचारी भानु प्रताप की भी न्यायिक हिरासत बढ़ायी है.

रांची-बनारस वंदे भारत 12 से चलेगी

रांची। झारखंड को एक और रांची से बनारस वंदे भारत की सौगात मिलनेवाली है. इस ट्रेन से रांची से बनारस का सफर साढ़े छह घंटे में तय होगा। पीएम नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे. इस ट्रेन की शुरुआत 12 मार्च को होगी. पीएम ट्रेन का उद्घाटन वर्चुअली करेंगे. रांची रेल मंडल ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है. इससे पहले दो वंदे भारत ट्रेन रांची से हावड़ा व पटना के लिए संचालित हैं. रांची-बनारस वंदे भारत ट्रेन रांची से सुबह 5.50 में खुलेगी और दोपहर 12.10 में बनारस पहुंचेगी. वहीं, दोपहर में 1.30 बजे बनारस से चलेगी.

अमित महतो सहित अन्य चार हुए बरी

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने सिल्ली के पूर्व विधायक और खतियानी पार्टी के अध्यक्ष अमित महतो, विशाल महतो, मधुसूदन महतो और हेमंत कुमार महतो को सड़क निर्माण कार्य में लगी कंपनी से रंगदारी मांगने के केस में साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है. इस मामले की सुनवाई अपर न्यायायुक्त दिनेश कुमार के कोर्ट में हुई. राज्य सरकार ने न्यायिक दंडाधिकारी के उस आदेश को चुनौती दी थी.

गौशाला न्यास समिति के सदस्यों को ट्रस्टी के फैसले का इंतजार

डेडलाइन : 15 दिन 10 दिन बीते

अब सदस्यों को चाहिए **जवाब..**

प्रवीण कुमार। रांची

रांची गौशाला न्यास समिति के सदस्यों को ट्रस्टी और पदाधिकारियों के फैसले का इंतजार है. मान्या पैलेस, मोरहाबादी में हुई आमसभा में चेयरमैन रतन जालान ने सदस्यों से वादा किया था कि 15 दिनों के अंदर सब कुछ ठीक-ठाक कर देंगे. 110 सदस्यों की सदस्यता का मामला भी हर हाल में सुलझा देंगे. लेकिन आमसभा हुए दस दिन गुजर गये और अभी तक कोई सार्थक पहल नहीं की गयी है. जैसे-जैसे दिन गुजरता जा रहा, सदस्यों का शक गहराता जा रहा है कि आखिर सदस्यता का मामला सुलझेगा या नहीं. समिति के सदस्य गौशाला की जमीन बेचे जाने को लेकर भी सवाल उठा रहे हैं. उनका कहना है कि बिना आम सभा की सहमति के आखिर औने-पौने दाम में करोड़ों की जमीन क्यों बेच दी गयी है. आम सदस्यों का कहना है कि गौशाला की जमीन हर हाल में वापस होनी ही चाहिए. समिति के पदाधिकारी, खास कर चेयरमैन रतन जालान कह रहे हैं कि गलत नहीं हुआ है, तो आमसभा में स्थिति क्यों नहीं स्पष्ट की गयी. सदस्यों द्वारा सोशल मीडिया ग्रुप में उठाये जा रहे सवालों का जवाब दिया जाना चाहिए. सदस्य अपने हर सवाल का जवाब चाहते हैं.

ज्यों-ज्यों दिन बीत रहा है, त्यों-त्यों सदस्य हो रहे बेताब : सदस्यों का कहना है कि देखते ही देखते ही 10 दिन बीत गये हैं, लेकिन 110 सदस्यों की सदस्यता के मामले को लेकर कोई ठोस पहल अब तक नहीं गयी है. इससे सदस्यों के मन में शंका है कि पदाधिकारी कही धोखा न दे दें और सदस्यता का मामला पेंडिंग न रह जाए. सदस्य मन मार कर 15 दिन बीतने का इंतजार कर रहे हैं. सदस्यों को साफ-साफ कहना है कि बिना आम सदस्यों को सहमित के जमीन बेचने का निर्णय कतई सही नहीं है. सदस्यों का कहना है कि देखना है कि आखिरकार गौशाला न्यास समिति के ट्रस्टी और पदाधिकारी पूर्व में बनाये गये 110 सदस्यों की सदस्यता को मान्यता देते हैं या नहीं और मात्र 7174 रुपये प्रति डिसमिल की दर से गौशाला की जमीन बिक्री पर क्या फैसला लेते हैं. जमीन औने-पौने दाम पर बेचे जाने के मामले में सभी का मानना है कि किसी न किसी तरह की चूक हुई है. पूर्व में जाने-अनजाने हुई गलतियों को सुधारते हुए गौशाला की जमीन हर हाल में पुनः गौशाला को वापस होनी चाहिए. इस मामले में कई सदस्यों ने शुभम संदेश से अपनी राय साझा करते हुए कहा कि अभी हम चुप बैठे हैं, पर यदि मुनासिब फैसला नहीं लिया जाता, तो कोर्ट का दरवाजा खटखटाने से भी नहीं चूकेंगे. हालांकि ट्रस्ट के चेयरमैन रतन जालान बार-बार सफाई दे रहे हैं कि किसी तरह की गड़बड़ी नहीं की गयी है. कुछ लोग बेवजह इस बात को तूल दे रहे हैं. जल्द ही वे सारे संशय दूर कर देंगे.

सदस्यों को हर हाल में चाहिए इन सवालों के जवाब

1. बाढ़ू गांव स्थित गौशाला की जमीन का सौदा संविधान में उल्लेखित नियमों व तथ्यों को ताक पर रख कर क्यों किया गया ?
2. गौशाला की जमीन बेचनी ही थी, तो पादर्शिता क्यों नहीं बरती गयी, गुपचुप तरीके से सौदा क्यों कर दिया गया?
3. जब संविधान में स्पष्ट है कि गौशाला न्यास से जुड़ा कोई भी व्यक्ति गौशाला की जमीन या संपत्ति हीं खरीद सकता, तो फिर कैसे जिसे जमीन बेची गयी, उसे ही ट्रस्टी भी बना दिया गया?
4. पुराने लेटर पैड पर सचिव प्रदीप राजगढ़िया को सिग्नेचर ऑफ एक्सीक्यूटेंट कैसे दिया गया और किसने दिया?
5. सीएनटी नेचर की गौशाला की गोचर भूमि की आखिर कैसे राजकुमार केडिया के नाम रजिस्ट्री करायी गयी?
6. गौशाला न्यास समिति के सचिव प्रदीप राजगढ़िया को जमीन बेचने के लिए ऑथोराइजेशन लेटर किसने और कैसे दिया?
7. गौशाला की जिस जमीन की रजिस्ट्री दूसरों को की गयी है, उस डीड में कहीं भी जमीन के इतिहास का उल्लेख क्यों नहीं है?-
8. गौशाला समिति व अफसरों के गंठजोड़ ने बेशकीमती जमीन को कब्जियाने या बेचने की नियत से अफसरों के साथ मिलकर खेल तो नहीं किया ? किन परिस्थितियों में गौशाला की जमीन राजकुमार केडिया और संजीव खीरवाल के नाम पर मात्र 7174 रुपये प्रति डिसमिल की दर से रजिस्ट्री कर दी गयी?
9. सदस्य और मारवाड़ी समाज की यह मांग कि गौशाला की जमीन हर हाल में फिर से गौशाला को वापस लौटायी जानी चाहिए. सदस्यों को इंतजार है कि आखिर इस पर ट्रस्टी और पदाधिकारी क्या फैसला लेंगे?

सदस्यता पर बात नहीं मानी, तो कोर्ट का रुख करेंगे

हालांकि गौशाला के जिन पूर्व पदाधिकारियों ने 110 सदस्यों की सदस्यता व बिना आम सदस्यों की सहमति से जमीन बेचे जाने का मामला उठाया था, उनका साफ कहना है कि वे पदाधिकारियों के फैसले का इंतजार कर रहे हैं. 15 दिनों के अंदर यदि सदस्यता का मामला नहीं सुलझाया गया, तो वे कोर्ट का रुख तो करेंगे ही, समाज में गौशाला न्यास के पदाधिकारियों व ट्रस्टियों की करगुजारियों का पर्दाफाश करेंगे.

॥ महाशिवरात्रि आज ॥

शिवालयों में उमड़ेगा जनसैलाब

शिवालयों में डमरू की डम-डम से शब्दों के बिंब सजेंगे

- महाशिवरात्रि पर शिवालयों में महिला श्रद्धालु महादेव के चरणों में खुद को समर्पित कर अक्षय वर मांगेंगे

संवाददाता। रांची

महाशिवरात्रि पर शिवालयों में आस्था का सैलाब उमड़ेगा. देवालयों से होती हुई शिव आराधना की स्वर लहरी से कूचा-कूचा पवित्र, मादक और शिवमय हो जाएगा. शुक्रवार को महाशिवरात्रि के महापावन मौके पर महिलाएं पार्वती को रिझाएंगी, तो पुरुष श्रद्धालु महादेव के चरणों में खुद को समर्पित कर अक्षय वर मांगेंगे. यह तय है कि शहर के समस्त शिवालयों में प्रकृति का अनहद नाद गूंजेगा, डमरू की डम-डम से शब्दों के बिंब सजेंगे, बिल्वपत्र की उलटी साधना और धतूरा पुष्प के साथ शिव को अत्यंत प्रिय चंदन की गंध से गली-गली महकेगी.

सजकर तैयार हैं देवालय

सिरमौर पहाड़ी मंदिर सहित शहर के सभी देवालय सजकर तैयार हैं. महाशिवरात्रि पर यहां सुबह से देर रात तक भक्तो का तांता लगेगा. कई मंदिरों से शिव बारात निकलेगी. अवढड़दानी संग माता पार्वती का विवाह रचाया जाएगा. पाठ और भजन-कीर्तन भी होंगे. पहाड़ी मंदिर सहित पिस्का मोड़ का विश्वनाथ शिव मंदिर, कमड़े मंदिर, चुटिया का महादेव मंडा, राम मंदिर, बूटी मोड़ स्थित शिवालय, हरमू रोड व कोकर स्थित शिवालय सहित अशोकनगर, कडरू, अरगोड़ा, डोरंडा, धुर्वा, सिंह मोड़, नामकुम, कांटाटोली, बूटी मोड़, बरियातू, कांके रोड देवालयों में भी शिवरात्रि मनेगी.

अहले सुबह खुल जाएगा पहाड़ी मंदिर का पट

पहाड़ी मंदिर का पट सुबह साढ़े तीन बजे दैनिक पूजन-आरती के बाद आम भक्तों के लिए पट खोल दिया जायेगा. सुरक्षा और सुविधा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं. दर्शनार्थी मुख्य द्वार के बगल से होकर मुख्य मंदिर तक जा सकेंगे. जल चढ़ाने के बाद श्रद्धालु विश्वनाथ शिव मंदिर का दर्शन करते हुए मुख्य द्वार से लौटेंगे. रातू रोड और बाला जी मंदिर के पास बैरिकेडिंग कर बड़े-छोटे वाहनों का प्रवेश रोक दिया जायेगा.

मजदूर संघों ने की एचईसी प्रबंधन से मुलाकात

अब कुछ तो दया कीजिए हुजूर..

होली से पहले वेतन देने का मांग रखी

शुभम किशोर। रांची

एचईसी बचाओ मजदूर जन संघर्ष समिति का आंदोलन 51वें दिन भी जारी रहा. पांच यूनियनें, एचईसी लिमिटेड श्रमिक कर्मचारी यूनियन, हटिया मजदूर लोक मंच, हटिया कामगार यूनियन (एटक), जनता मजदूर यूनियन, एचईसी श्रमिक संघ के प्रतिनिधियों ने प्रबंधन के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की. यूनियन के नेताओं ने निदेशक कार्मिक से मिलकर होली से पहले बकाया वेतन का भुगतान करने की मांग की. यूनियन नेताओं ने निदेशक से कहा- हुजूर इंतजार करते-करते थक गया. अब तो न तो उधार में राशन मिल रहा है, न बच्चों की फीस भर पा रहे हैं. मजदूर किसी तरह अपना व परिवार का पेट पाल रहे हैं. कुछ तो दया कीजिए हुजूर. कम से होली जैसे पर्व के मौके पर बकाया वेतन तो दिला दीजिए, ताकि हम अपने बच्चों का लालन-पालन ढंग से कर सकें. इस पर निदेशक कार्मिक ने आश्वासन दिया कि होली से पहले वेतन भुगतान करने की कोशिश करेंगे.

टेंडर प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने का दबाव बनाया

मजदूर नेताओं ने एचईसी के निदेशक प्रोडक्शन से मिलकर सप्लाई वालों की टेंडर प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने का दबाव बनाया. इस पर उन्होंने आश्वाशन दिया कि तीनों प्लांट की एडीएम बिडिंग खुल गई और टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. जल्द ही मजदूरों को उनका हक मिलेगा. बैठक में मुख्य रूप से प्रकाश सिंह, शनि सिंह, बिमल महली, एसजे मुखर्जी, एम पी रामचंद्रनन, केपी साहू, चिराग बारला, तरुण कुमार उपस्थित थे.

विस्थापित आश्रित श्रमिक संघ ने दिया समर्थन

उधर हटिया विस्थापित आश्रित श्रमिक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने हटिया मजदूर यूनियन (सीटू) कार्यालय में भवन सिंह के साथ बैठक की, जिसमें एचईसी कर्मियों के आंदोलन का समर्थन करने का निर्णय लिया गया. बैठक में प्रेम प्रकाश शाहदेव, मैजुल हक, राजेंद्रकांत महतो,ज यनाथ नायक, रमेश उरांव, विकास शाहदेव एवं सतीश कुमार महतो उपस्थित थे. बैठक में कहा गया कि प्रबंधन को मजदूरो के बकाया वेतन के भुगतान की दिशा में पहल करनी चाहिए. प्रबंधन होली से पहले हर हाल में बकाया वेतन का भुगतान कर दे.

झारखंड में पांच स्थानों पर जल्द लगेगा इथेनॉल प्लांट

सरकार व इनलैंड ग्रीन एनर्जी के बीच एमओयू

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में भी जल्द लगेगा इथेनॉल प्लांट लगेगा. इसे लेकर झारखंड सरकार और इनलैंड ग्रीन एनर्जी कंपनी के बीच गुरुवार को प्रोजेक्ट भवन में एमओयू हुआ. एमओयू के दौरान उद्योग विभाग के मंत्री सत्यानंद भोक्ता मौजूद रहे. उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में पांच स्थानों पर इथेनॉल प्लांट लगाने का प्रस्ताव है, जिसमें पहला प्लांट सितंबर 2024 से उत्पादन कर शुरू कर देगी. सभी प्लांटों के लगने से राज्य में लगभग पांच हजार लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा. इथेनॉल एक ग्रीन एनर्जी का स्वरूप है. इसके उपयोग से कार्बन का उत्सर्जन कम होगा. इसे पेट्रोलियम ईंधन में मिलाकर उपयोग होगा.

पांच हजार लोगों को मिलेगा रोजगार : राज्य के किसानों को इससे सीधा लाभ मिलेगा. उद्योग विभाग इसे लेकर गंभीर है. राज्य में औद्योगिक विकास का वातावरण तैयार किया जा रहा है. मौके पर उद्योग विभाग के सचिव जितेंद्र सिंह, आकांक्षा रंजन, मनमोहन प्रसाद, कीर्तिश्री व अन्य मौजूद रहे.

जल संकट से निपटने के लिए नगर निगम प्रशासक ने कसी कमर

समर एक्शन प्लान तैयार करने का निर्देश

संवाददाता।रांची

आगामी ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए संभावित जल संकट से निपटने के लिए निगम की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं. इस क्रम में गुरुवार को प्रशासक अमित कुमार की अध्यक्षता में जलापूर्ति योजना से संबंधित कार्यों की समीक्षा व विभिन्न विभागों के साथ समन्वय बैठक निगम कार्यालय में की गई. जिसमें उप प्रशासक मो. अनवर हुसैन, कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता, जुडको के प्रतिनिधि, पीएचईडी के प्रतिनिधि इत्यादि सम्मिलित हुए. बैठक में प्रशासक ने ग्रीष्म ऋतु के पूर्व समर एक्शन प्लान तैयार करने का निर्देश दिया, जिसमें जलापूर्ति कार्य से संबंधित सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर कार्य करने एवं जल संकट से बचने के लिए बेहतर समाधान की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया.

वाटर बॉटलिंग प्लांट के एनओसी की जांच होगी

प्रशासक ने निगम के मोबाइल टैंकरों में पेयजल भरने के लिए निगम क्षेत्र के अंतर्गत अलग-अलग जल स्रोतों के स्थान की पहचान करने का निर्देश दिया गया, जिससे कम समय में आमजनों को पेयजल की आपूर्ति की जा सके. प्रशासक ने पूर्व की भांति उन मोहल्लों को चिह्नित करने का निर्देश दिया, जो ड्राई जोन की श्रेणी में आते हैं, ताकि मोबाइल टैंकर के माध्यम से जलापूर्ति के रोस्टर में इन्हें प्राथमिकता दी जा सके.

जलाशयों की सफाई में तेजी लाने का निर्देश

बैठक में शहरी क्षेत्र के अंतर्गत सभी जलाशयों में जलकुंभी की सफाई तथा गाद निकालने के कार्य में तीव्रता लाने का भी निर्देश दिया गया. आगामी गर्मी को देखते हुए पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल के कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिया गया कि जिस भी क्षेत्र में पानी सप्लाई नहीं मिल रहा है, उसका क्षेत्र भ्रमण करते हुए जलापूर्ति बहाल कराना सुनिश्चित किया जाए तथा ग्रीष्म ऋतु में सभी क्षेत्रों में जल की आपूर्ति तय समय में करना सुनिश्चित करने को कहा गया.

अपने देश को स्वर्ण पदक दिलाने वाली महिला खिलाड़ी सड़क पर सब्जी बेचने को मजबूर

गोल्ड मेडलिस्ट खिलाड़ी अब सब्जी बेच खींच रही परिवार की गाड़ी

सैयद रमीज जावेद ।रांची

आठ मार्च यानि महिला दिवस. इस दिन सरकार से लेकर राजनेता, सामाजिक संगठन के लोग महिलाओं के सम्मान और बढ़ावा देने के लाख दावे करते हैं, लेकिन यह दावा सिर्फ एक दिन के लिए रहता है.

फिर साल भर बाद फिर से यही रिपीट होता है, लेकिन ये दावे कभी हकीकत में नहीं बदलते. महिलाएं हर क्षेत्र में अपने दम-खम पर आगे बढ़ती है. लाखों-करोड़ों लड़कियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन चुकी झारखंड की बेटी पुष्पा मिंज की कहानी कुछ अलग है. देश को गोल्ड मेडल दिलाने वाली पुष्पा आज सड़क पर सब्जी बेच रही है. उसकी ओर अब तक न सरकार की नजर गई, न ही महिलाओं के विकास का दंभ भरने वाले सामाजिक संगठन आगे आए. हालांकि इस काम से उसे कोई परेशानी नहीं है, मगर उसका मन तो खेल के मैदान में ही रहता है, जहां उसके सपने साकार होते हैं. उसकी प्रतिभा निखर कर आती है. उसके खाते में कई मेडल हैं. आज सारे मेडल बेकार साबित हो रहे हैं.

वॉलीबॉल खिलाड़ी है दिव्यांग पुष्पा मिंज 2023 में अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप में गोल्ड दिलाया था, मगर सरकारी उपेक्षा के कारण अब झेल रही है आर्थिक तंगी, सड़क पर कर रही काम

आर्थिक तंगी से मजबूर है यह अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी

रांची के रेलवे ट्रैक के पास किराये के मकान में रहने वाली अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पुष्पा मिंज आर्थिक तंगी झेल रही है. पुष्पा कडरू ब्रिज के नीचे सब्जी बेचने को मजबूर है. दिव्यांग पुष्पा मिंज ने अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीता. नरकोपी की रहने वाली पुष्पा ने देश और राज्य का नाम रोशन किया. छोटे से गांव से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना पुष्पा के आसान नहीं था. लेकिन ये होनहार खिलाड़ी सब्जी बेच अपने परिवार का पालन पोषण करने पर मजबूर है.

प्रैक्टिस का खर्च जुगाड़ने के लिए बेचती है सब्जी

पुष्पा मिंज परिवार की गाड़ी खींचने के साथ अपनी प्रैक्टिस का खर्च भी सब्जी बेच कर निकाल रही है. कहती भी हैं कि हौसला कभी नहीं हारना चाहिए. पुष्पा ने अप्रैल 2023 में नेपाल में हुए अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप में भारत के दिव्यांग टीम ने गोल्ड जीतकर देश का नाम ऊंचा किया था. इसी टीम की पुष्पा मिंज को भी गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया था, लेकिन प्रैक्टिस का खर्च उठाने के लिए पुष्पा रांची कडरू ब्रिज के नीचे सुबह पांच बजे से नौ बजे तक सब्जियां बेच रही है.

भाजपा से हरिहर व झामुमो से सरफराज होंगे रास के कैंडिटेट!

दोनों से विधानसभा से खरीदा नामांकन पत्र, जमानत की राशि भी की जमा करा दी

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड से राज्यसभा की उम्मीदवारी का पिक्चर लगभग क्लीयर हो गया है. राजनीति के गलियारों में चल रहे तमाम कयासों को भी विराम लग गया है. झामुमो की ओर से डॉ सरफराज अहमद ने और भाजपा की ओर से बड़े व्यवसायी हरिहर महापात्रा ने विधानसभा से नामांकन पत्र खरीदा है. साथ ही 10 हजार रुपये जमानत की राशि भी जमा की है. बताते चलें कि सरफराज अहमद ने कुछ महीने पहले गांडेय विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया था.

कौन हैं हरिहर महापात्रा : हरिहर महापात्रा नाहर विमानन कंपनी स्पाइजेट से जुड़े हैं. उन्होंने स्पाइसजेट में 1,100 करोड़ का निवेश करके उसे आर्थिक संकट से उबारने में अहम भूमिका निभाई थी. इसके बाद हरिहर महापात्रा स्पाइसजेट में 19 फीसदी हिस्सेदार बन गए हैं.

दो सीटों के लिए चुनाव 21 मार्च को

झारखंड में दो सीटों के लिए राज्यसभा चुनाव 21 मार्च को है. नामांकन की अंतिम तिथि 11 मार्च है. नामांकन के लिए सिर्फ चार दिन बजे हैं. इसमें तीन दिन शुक्रवार, शनिवार और रविवार को छुट्टी ही है. इसके हिसाब से अब सिर्फ एक दिन 11 मार्च ही बचा है.

रिम्स ओपीडी

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिनः	डॉ संजय कुमार सिंह
आर्थोपेडिकः	डॉ जीके गुप्ता
कार्डियोलॉजीः	डॉ पीजी सरकार
टीबी एवं चेस्टः	डॉ ब्रजेश मिश्रा
नेत्रः	डॉ सुनील कुमार
ऑब्स गायनीः	डॉ किरण त्रिवेदी
ईएनटीः	डॉ आरके चौधरी
सीटीवीएसः	डॉ विनीत महाजन
नेफ्रोलॉजीः	डॉ प्रज्ञा घोष पंत
सायकेट्रीः	डॉ अजय बाखला
न्यूरोलॉजीः	डॉ सुरेंद्र कुमार और डॉ रूपेश प्रसाद

सदर अस्पताल

- मेडिसिनः डॉ बीएन पोद्दार, डॉ लक्ष्मीकांता सोय
- ऑब्स एंड गायनीः डॉ रश्मि प्रसाद, डॉ रानी सिंह
- पीडियाट्रिक (शिशु रोग): डॉ दयानंद
- हेमाटोलॉजीःडॉ अभिषेक रंजन
- यूरोलॉजीः डॉ शैलेंद्र शुक्ला

शहर में आज

1. संत मरिया महागिरजाघर में आत्माभिषेक कार्यक्रम, फादर बुल्के पथ, सुबह नौ बजे
2. महाशिवरात्रि पर श्रीशिव बारात, पहाड़ी मंदिर से दिन के 03 बजे
3. महाशिवरात्रि पर श्रीशिव बारात, पहाड़ी मंदिर, दिन के 01 बजे
4. महिला स्पेशल ट्रेन संचालित, रांची रेलवे स्टेशन, सुबह 08 बजे
5. महिला दिवस पर कार्यक्रम, आरजेडी ऑफिस, दोपहर 2 बजे
6. महिला दिवस पर कार्यक्रम, प्रेस क्लब में दिन के 11 बजे
7. ट्रेड फेयर, मोरहाबादी मैदान में सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक

सूचनाः शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

खतियान आधारित नियोजन नीति का क्या हुआ : षाड़ंगी

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता कुणाल षाडंगी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री चंपई सोरेन द्वारा बांटे गये नियुक्ति पत्र को लेकर सवाल उठाया है. कहा कि झामुमो के 1932के खतियान आधारित नियोजन नीति का क्या हुआ? राज्य सरकार जनता को बताए कि आखिर साढ़े चार वर्षों तक खतियान आधारित नियोजन नीति का छलावा बेरोजगारों को क्यों दिखाया गया. षाडंगी ने कहा कि आज जो नियुक्ति पत्र बांटे गए, उस परीक्षा का संचालन भी उसी एजेंसी ने किया है, जिसके द्वारा ली गयी परीक्षा में बीते दिनों पेपर लीक जैसा भ्रष्टाचार उजागर हुआ और जेएसएससी की परीक्षाएं रद्द की गईं.

श्रीश्री ठाकुर अनुकूलचंद्र जयंती समारोह की तैयारी

रांची। कांके स्थित सत्संग विहार श्री मंदिर में 10 मार्च को परम दयाल श्री श्री ठाकुर अनुकूलचंद्र की 136वीं जयंती मनायी जाएगी. जयंती समारोह की तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं. यह जानकारी आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी शैलेश कुमार सिन्हा ने दी. उन्होंने बताया कि उत्सव एवं प्रचार-प्रसार व्यवस्था से जुड़े अमल डे के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री से मुलाकात करेगा एवं उन्हें जयंती समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित करेगा. समारोह में केंद्रिय मंत्री, सांसद, विधायक एवं जिला प्रशासन के अधिकारी भी आमंत्रित किये जाएंगे.

एसबीआई के सुप्रीम कोर्ट से 30 जून तक समय मांगने पर कांग्रेस ने क्षेत्रीय कार्यालय के समक्ष किया प्रदर्शन

एसबीआई के जरिये अपने कारनामों पर पर्दा डालना चाहती है मोदी सरकार : कांग्रेस

विशेष संवाददाता। रांची

सुप्रीम कोर्ट से कड़ी फटकार लगने के बाद प्रधानमंत्री मोदी विचलित हो गए हैं. अब वे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के जरिए अपने कारनामों से पर्दा डालना चाहते हैं. सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को निर्देश दिया था कि 6 मार्च तक इलेक्ट्रोल बॉन्ड के जरिए विभिन्न पार्टी फंड में आए पैसे का हिसाब दे और चुनाव आयोग अपनी वेबसाइट में इसे सार्वजनिक करे. मगर अब पीएम मोदी के इशारे पर एसबीआई ने सुप्रीम कोर्ट जाकर 30 जून का समय मांगा है. यह केंद्र सरकार को मदद करने का एक रास्ता है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. यह बातें कांग्रेस नेताओं ने गुरुवार को रांची एसबीआई क्षेत्रीय कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन के दौरान कही. प्रदर्शन रांची जिला राकेश किरण और महानगर कांग्रेस अध्यक्ष कुमार राजा के संयुक्त बैनर तले किया गया.

चुनावी बॉन्ड के जरिए भाजपा के खाते में आया काला धन

नेताओं ने कहा कि चुनावी बॉन्ड योजना के प्राथमिक लाभार्थी होने के नाते सत्तारुढ़ भाजपा को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद असुविधा का सामना करना पड़ रहा है. 2017 में चुनावी बॉन्ड योजना की शुरुआत के बाद से राजनीतिक दलों को सामूहिक रूप से 12,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि प्राप्त हुई. अकेले भाजपा को 6,566.11 करोड़ प्राप्त हुए, जो कि कुल राशि का 55 प्रतिशत है. जो काला धन है. कार्यक्रम में कमल ठाकुर, प्रिंस भट्ट, जितेंद्र त्रिवेदी, अरुण कुमार मिश्रा, हैदर अली, अख्तर अली, गुलाम रब्बानी, दिलावर खान, अजय मंडल, राहुल वर्मा, छोटू सिंह, रोहित सिंह, डीके सिंह, मोहित गौरव सिंह, मिथिलेश तिवारी, रमेश चंद्र पांडेय मोहम्मद यूसुफ, मोहम्मद दानिश, अजय चौधरी, शिव शंकर सिंह, शिवा कच्छप, विनिता पाठक, सोनी नायक, राखी कौर सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस नेता शामिल हुए.

आजसू पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में मिलन समारोह का आयोजन

झारखंड को बेहतर बनाने के लिए अच्छे विचार व सोच जरूरी : सुदेश

प्रमुख संवाददाता। रांची

आजसू पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में गुरुवार को मिलन समारोह का आयोजन किया गया. समारोह में पूर्व डीआईजी संजय रंजन समेत कई लोग आजसू पार्टी में हुए शामिल हुए. मिलन समारोह को संबोधित करते हुए पार्टी सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो ने कहा कि झारखंड को बेहतर बनाने के लिए अच्छे विचार और सोच जरूरी हैं. ऐसे लोगों को एक मंच पर लाने की हमारी कोशिशें लगातार आगे बढ़ रही हैं. हमें सभी के विश्वास पर खरा उतरना है. सुदेश कुमार महतो ने संजय रंजन का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी ने हमेशा से युवाओं, महिलाओं और बुद्धिजीवियों की कद्र की है. संजय रंजन पुलिस सेवा में रहते हुए राज्य की अपेक्षाओं और समस्याओं को समझा है. आजसू पार्टी आप सभी को सार्वजनिक जीवन में जनता की सेवा करने का सशक्त मंच देगी. उन्होंने कहा कि झारखंड में सरकार ने जनता को छला है.

इस दौरान पूर्व डीआईजी संजय रंजन, उद्यमी कपिल कपूर, अधिवक्ता मेघा कपूर, डॉ. प्रतीक वर्मा समेत रांची के कई उद्यमियों व समाजसेवियों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. मौके पर अखिल झारखंड बुद्धिजीवी मंच के अध्यक्ष डोमन सिंह मुंडा, महासचिव मुकुंद चंद्र मेहता, केंद्रीय उपाध्यक्ष हसन अंसारी, मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत, केंद्रीय महासचिव राजेन्द्र मेहता, सुबोध प्रसाद, डॉ. सुधीर यादव, मनोज सिंह, जितेन्द्र सिंह, सतेंद्र सिंह, डॉ. यू.सी मेहता, सीमा सिंह, एस अली, डॉ.अशोक नाग, ब्रज मोहन कुमार, परवाज़ खान मुख्य रूप से उपस्थित रहे.

इन्होंने सदस्यता ग्रहण की : डॉ. पाठक वर्मा, अजय पासवान, करण पासवान,मनीष पासवान ,कुनाल पासवान, आशीष पासवान, नितेश पासवान, अनिकेत पासवान, अंकित कुमार, पिंटू यादव, गुड्डू कुमार, डॉ. कुंदन तिवारी, रवि कुमार, मुकेश कुमार महतो, रिंकी नायक ने थामा पार्टी का दामन. साथ ही अखिल झारखंड छात्र संघ के सचिव सचिन भगत और वरीय उपाध्यक्ष रोशन सेठ के नेतृत्व में नवनीत शंकर भगत, राजेश उरांव, निर्मल सोरेंग, सुकरा उरांव, प्रकाश कुजूर, अजय टोप्पो, आशीष भगत, शंकर उरांव, श्याम उरांव, बिनोद उरांव जागेश्वर साहू, रमेश उरांव, कुलदीप भगत, रोहित कुजूर, बीरचंद उरांव ने सदयस्ता ग्रहण की.

भारतीय जनतंत्र मोर्चा का सम्मेलन 10 को

रांची । भारतीय जनतंत्र मोर्चा की झारखंड प्रदेश इकाई के तत्वावधान में 10 मार्च को सिदगोड़ा टाउन हॉल में कार्यकर्ता सम्मेलन होगा. सम्मेलन में राज्य के सभी जिलों से जिला के अध्यक्ष, महामंत्री, उपाध्यक्ष व 10-15 की संख्या में संगठन में सक्रिय कार्यकर्ता शामिल होंगे. पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी ने प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी. झारखंड के सभी जिलों में संगठन की बैठकों का दौर लगातार जारी है और संगठन के वरीय पदाधिकारी दो-तीन टोली में कार्यकर्ताओं व आमजनता से रूबरू हो रहे हैं.

मातृत्व अवकाश संबंधी फैसले का कल्पना सोरेन ने किया स्वागत

रांची। चंपाई सरकार ने विभिन्न विभागों में कार्यरत महिला कर्मियों को दो साल का मातृत्व अवकाश दिये जाने का फैसला किया है. इसे लेकर बुधवार को कैबिनेट ने प्रस्ताव पर सहमति प्रदान की है. इस फैसले का पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी और झामुमो नेत्री कल्पना सोरेन ने स्वागत किया है. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का यह फैसला स्वागत योग्य है. ये सीएम चंपाई सोरेन ने महिलाओं को एक खास उपहार दिया है. उन्होंने कहा कि "मैं मानती हूं कि अन्य क्षेत्रों में काम कर रही महिलाओं के संबंध में भी इस ढंग का निर्णय होना चाहिए.

नड्डा को भेजा गया भाजपा के घोषणा पत्र के लिए सुझाव

संवाददाता। रांची

रांची के सामाजिक, आर्थिक एवं संसदीय अध्ययन केंद्र की ओर से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को ई-मेल भेजा गया है. इस मेल के जरिये उन्हें लोकसभा चुनाव के लिए तैयार होने वाले भाजपा के घोषणापत्र के लिए सुझाव दिया गया है. इससे पहले 2 मार्च को सामाजिक, आर्थिक एवं संसदीय अध्ययन केंद्र के अध्यक्ष ओपी लाल की अध्यक्षता में चंद्रकांत शुक्ल, अयोध्यानाथ मिश्र, संतोष कीड़ो, अमरनाथ झा समेत केंद्र के कई सदस्यों की मौजदूगी में हुई बैठक में भाजपा के घोषणापत्र के लिए सुझाव तैयार करने का निर्णय हुआ था. 7 मार्च को सुझावों को जेपी नड्डा को मेल किया गया.

भाजपा के घोषणापत्र के लिए दिये गये सुझाव

- 26.21 फीसदी जनजातीय आबादी के देखते हुए झारखंड को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाए.
- देश के सभी प्रवासी और अप्रवासी मजदूरों का बीमा सरकार कराये.
- प्रत्येक राज्य के देशज उत्पादों के प्रसंस्करण और वैल्यू एडिशन की व्यवस्था की जाए.
- सभी प्रकार के पलायन पर रोक लगायी जाए.
- प्रत्येक गरीब किसान को एक दुधारू गाय उपलब्ध करायी जाए.
- कोयला, आयरन, जैसे खनिजों के उत्खनन अवशिष्ट का प्रबंधन किया जाए.
- सभी वर्ग के मेधावी लोगों को बिना भेदभाव के प्रोत्साहित करें.
- झारखंड में रेशम और अन्य वनोत्पाद के विकास के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधान केंद्र बने.
- झारखंड की नदियों के जल को सिंचाई के लिए संग्रहित करने की विशेष योजना बने.
- खनिज एवं वन्य क्षेत्र के गरीबों के लिए विशेष गरीबी उन्मूलन अभियान चलाया जाए.
- एचईसी को लोकहित में सक्षम और स्वावलंबी संस्थान बनाने के लिए मदद की जाए.
- वन नेशन–वन एजुकेशन की व्यवस्था हो.
- सरकार व्यापक चुनाव सुधार की दिशा में लोकमत आधारित नीति बनाये.
- संतुलित क्षेत्रीय विकास के लिए पिछड़े राज्यों के समग्र विकास के लिए ठोस नीति बने.

सिटी पैलेस में आयोजित कार्यशाला में कई गंभीर मुद्दों पर हुई चर्चा

आंगनबाड़ी में बदलाव जरूरी : राज कुमार

संवाददाता। रांची

रांची के लालपुर रोड स्थित सिटी पैलेस में गुरुवार को झारखंड आत्मशक्ति ट्रस्ट, नेशनल कंसोर्टियम टू कॉम्बैट कुपोषण (एनसीसीएम), अपना अधिकार संगठन और जन अधिकार मंच द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला में आंगनबाड़ी, शौचालय, कुपोषण एवं स्वच्छ पेयजल जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा की गई. कार्यशाला का प्रारंभ आत्मशक्ति ट्रस्ट की वीरा केरकेट्टा ने उपस्थित सभी लोगों का अभिवादन कर किया. अध्ययन से पता चला है कि 40.68% आंगनबाड़ियों में शौचालयों की कमी है, और 35.03% में ऐसे शौचालय हैं, जो

काम नहीं कर रहे हैं. 22% से अधिक आंगनबाड़ियों में सुरक्षित पेयजल की पहुंच नहीं है. यह समस्या शहर से दूर दराज के गांवों एवं छोटे गांवों में हैं. राज्य में आंगनबाड़ियों को मजबूत करने के लिए भाग लेने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं, तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा सुझाई गई सिफारिशों में पर्याप्त वित्तीय आवंटन और आंगनबाड़ी केंद्रों के सुचारू कामकाज के लिए इसका पूर्ण उपयोग सुनिश्चित करना शामिल था.

फिया फाउंडेशन की एसोसिएट स्टेट लीड अर्चना टोप्पो ने पोषण संबंधी हस्तक्षेप और कुपोषण मुक्त गांव बनाने में ग्राम सभाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला. प्रीम कोर्ट के भोजन के अधिकार के पूर्व सलाहकार बलराम ने एडब्ल्यूसीएस में आने वाले बच्चों को अंडे परोसने पर टोप्पो से सहमति जताते हुए कहा कि आंगनबाड़ियों का प्रबंधन समुदाय को सौंप दिया जाना चाहिए.

आईएचएम में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

रांची। इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम) में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन हुआ. इस अवसर पर छात्रों ने महिलाओं के महत्व को दर्शाते हुए भाषण व कविता की प्रस्तुति दी. संस्थान के प्राचार्य डॉ. भूपेश कुमार ने कहा कि महिला दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के प्रति सम्मान और उनको समाज में बराबरी का दर्जा दिलाने के साथ-साथ महिलाओं को लेकर समाज में लोगों को जागरूक करना है. महिलाओं को उनके अपने खुद के अधिकारों के प्रति जागरूक होना होगा. साल में एक दिन नहीं बल्कि महिलाओं के उत्कृष्ट कार्यों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिदिन महिला दिवस के रूप में मनाना चाहिए. प्राचार्य ने कहा कि भावुकता को अपनी कमजोरी नहीं, इसे ताकत के रूप में इस्तेमाल करें.

राज्य सरकार ने दो दिनों के भीतर ही अपने फैसले से लिया यू टर्न

अबुबकर को फिर सौंपी कृषि विभाग की कमान

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य सरकार ने दो दिन के अंदर अबुबकर सिद्दीकी को फिर से कृषि विभाग की कमान सौंप दी है. पांच मार्च को अबुबकर सिद्दीकी को खान विभाग का सचिव बनाया गया था. साथ ही जेएसएमडीसी का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया था. राज्य सरकार ने इस आदेश को विलोपित करते हुए फिर से अबुबकर को सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के पद पर यथावत बने रहने का आदेश जारी कर दिया है.

खास बातें

- पांच मार्च को दिया था खान विभाग, सात को फिर मिल गया कृषि विभाग
- जीतेंद्र सिंह को दो दिन पहले मिला कृषि, अब खान विभाग की जिम्मेवारी

जीतेंद्र सिंह को खान विभाग की जिम्मेवारी : जितेन्द्र कुमार सिंह सचिव, उद्योग विभाग, को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक सचिव, खान एवं भूतत्व विभाग के पद पर पदस्थापित किया गया है. वे अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ अध्यक्ष, झारखंड राज्य खनिज विकास निगम लिमिटेड तथा खान आयुक्त के भी अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे. इससे पहले पांच मार्च को जारी आदेश के अनुसार उन्हें कृषि विभाग की जिम्मेवारी सौंपी गई थी. अब राज्य सरकार ने इसे विलोपित कर दिया है.

किरण पासी को उत्पाद आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार : निदेशक, पशुपालन के पद पर पदस्थापित किरण कुमारी पासी को उत्पाद आयुक्त, का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. उपायुक्त, बोकारो के पद पर पदस्थापित जाधव विजया नारायण राव को क्षेत्रीय निदेशक, जियाडा, बोकारो प्रक्षेत्र का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. निदेशक, सूचना प्रौद्योगिकी, उत्कर्ष गुप्ता को निदेशक, माध्यमिक शिक्षा का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है.

रांची वीमेंस कॉलेज में निबंध व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

संवाददाता। रांची

रांची वीमेंस कॉलेज के एनएसएस इकाई ने आर्ट्स ब्लॉक में निबंध और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया. ये आयोजन राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर किया गया. इसका नेतृत्व प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. कुमारी उर्वशी, इकाई दो प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. कुमारी बारती सिंह तथा इकाई तीन प्रोग्राम ऑफिसर हर्षिता सिंह ने किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता दर्शनशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. गीता सिंह ने की. उन्होंने कहा कि नारी ममतामयी है, त्यागमयी है. महिलाएं त्याग के बलबूते समाज के हर पहलू से जुडी हुई हैं. वें आत्मनिर्भर और

पढ़ी लिखी हैं एवं अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक हैं. उनके लिए शिक्षा व्यवस्था होने के कारण आज नौकरी पेशा महिलाओं की संख्या में वृद्धि हुई है. इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता कि विकास और सामाजिक स्तर की दृष्टि से महिलाएं अभी भी पुरुषों से काफी पीछे हैं.

दिहाड़ी मजदूरी करनेवाली महिला बन रही है रानी मिस्त्री

संवाददाता। रांची

महिला हाउसिंग ट्रस्ट एमएचटी रांची और खूंटी शहर के विभिन्न क्षेत्रों के बिल्डर/कांट्रेक्टर, महिला मिस्त्री और एमएचटी के सदस्यों के साथ गुरुवार को एक दिवसीय स्नेह मिलन का आयोजन होटल रासो, बिरसा चौक रांची में किया गया. जिसमें निर्माण उद्योग में रानी मिस्त्री का योगदान और आगे का रास्ता के विषय पर परिचर्चा की गई. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रम, रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग के उप श्रमायुक्त प्रदीप रॉबर्ट लकड़ा शामिल हुए. उन्होंने महिला निर्माण श्रमिकों के कौशल विकास की आवश्यकता के बारे में बताया, कहा कि बढ़ती

महंगाई में महिला मिस्त्री बनने से घर की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और अधिक पैसा अर्जित करने में भी मदद मिलेगी. उन्होंने निर्माण श्रमिकों के लिए विभिन्न योजनाओं और अधिकारों के बारे में बताया और अधिक से अधिक लोगों को श्रमिक कार्ड बनवाकर लाभ उठाने को कहा. बिल्डरों/कांट्रेक्टरों ने कहा कि एमएचटी के द्वारा रानी मिस्त्री का प्रशिक्षण काफी सराहनीय है.

सत्याग्रह

मोरहाबादी की बापू वाटिका में झामुमो के उपवास का 21वां दिन

हेमंत को न्याय मिलने तक डटे रहेंगे : झामुमो

विशेष संवाददाता। रांची

हेमंत सोरेन को न्याय दिलाने की मांग को लेकर झामुमो का उपवास कार्यक्रम 21 वें दिन भी जारी रहा. रांची के मोरहाबादी मैदान के निकट बापू वाटिका के समक्ष आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद ने की, जिसमें खूंटी जिला समिति के साथ रांची जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम के नेतृत्व में कार्यकर्ता शामिल थे. जुबैर अहमद ने कहा कि हम लोग उपवास कार्यक्रम में यहां बैठे हुए हैं. पंचायत में भी न्याय यात्रा हमारे कार्यकर्ता निकाल रहे हैं. हमें लोगों का भी समर्थन मिल रहा है.सभी का कहना है कि हेमंत सोरेन को केंद्र सरकार के इशारे पर प्रताड़ित कर जेल भेजा गया है. जिसका हम लोग विरोध करते हैं. विशेष कर आदिवासी मूलवासी एवं सभी झारखंडी इसका विरोध करते हैं.

रांची जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम ने कहा कि हम गुरुजी के आंदोलन के सिपाही हैं और हमें पुलिस द्वारा लाठियां भी पड़ती थीं तो हम डटे रहते थे. उसी तरह हम हेमंत सोरेन के न्याय के लिए उपवास कार्यक्रम उसी जज्बे के साथ हमारे सभी कार्यकर्ता आज भी डटे हुए हैं. जब तक हेमंत सोरेन को न्याय नहीं मिलता है, हमारा सत्याग्रह जारी रहेगा. कार्यक्रम में मकसूद अंसारी, सुशील पाहन, हेमंत टोपनो, स्नेहलता कंडुलना, उषा धान, सुदीप गुड़िया, समनूर मंसूरी, गुलशन सिंह मुंडा, डॉ. हेमलाल मेहता, बीरू तिर्की, अश्विनी शर्मा, बीरु साहू, कलाम आजाद, जनक नायक, सनिका बोदरा सहित कई शामिल थे.

संथाल की तीनों सीटों पर अल्पसंख्यकों को ही मिले उम्मीदवारी : इरफान अंसारी

प्रमुख संवाददाता। रांची

कांग्रेस विधायक डॉ इरफान अंसारी ने अपने पिता का नाम लिए बिना गोड्डा में अप्रत्यक्ष तौर पर अल्पसंख्यक (फुरकान अंसारी) को टिकट देने की मांग की. उन्होंने न केवल गोड्डा ही नहीं बल्कि संथाल परगना की दो अन्य सीटों राजमहल और दुमका में भी अल्पसंख्यक प्रत्याशी देने की मांग इंडिया गठबंधन से की है. उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक का हक बनाता है कि उन्हें कम से कम एक सीट मिले. लेकिन अगर संथाल परगना में अल्पसंख्यक को टिकट नहीं मिलता है तो इंडिया गठबंधन को जीत में मुश्किल होगी. यहां बीजेपी जीत जाएगी. उसे क्षेत्र में सम्मान मिलने लगेगा. मगर उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि आखिरी फैसला आलाकमान का होगा.

जामताड़ा के नकली कांग्रेसी गए भाजपा में

इरफान ने जामताड़ा कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हरिमोहन मिश्रा व उसकी टीम का भाजपा में शामिल होने पर कहा कि व्यवहार संगठन के प्रति उदासीन एवं नकारात्मक रहा है. इस पर प्रतिक्रिया देते हुए इरफान अंसारी ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों का खंडन किया है. जामताड़ा विधायक ने कहा कि जो नकली है, वो भाजपा में गए हैं.

बड़े इरादों वाली हैं नेहा

महिला दिवस

मैक्लुस्कीगंज में जन्म लेने वाली नेहा प्रसाद अपने शिक्षक पिता की परवरिश को धन्यवाद देती हैं जिन्होंने उनके व्यक्तित्व को विस्तृत आयाम दिया. नब्बे के दशक में जब स्कूल लड़कियों का गांव में साइकिल चलाना भी कम ही दिखता था, नेहा के पिता ने उन्हें बुलेट, बाइक और फोर व्हीलर चलाना सिखाया. सही को सही और गलत को गलत कहने का साहस दिलाया. नन्हीं सी उम्र में वॉलीबॉल के प्रति दिल में ऐसा प्रेम और माहौल दिया कि वे इस फील्ड में राष्ट्रीय स्तर तक पहुंची. ख्वाहिश तो थी कि खेल में ही अपना करियर बनाए पर नियति ने कुछ और सोचा था. वर्ष 2003 में उनके पिता की अचानक मृत्यु हो गई और वे अनुकंपा के आधार पर सरकारी स्कूल में शिक्षिका बन गईं. जल्दी ही पिता के स्थान पर प्रिंसिपल भी बनीं. नेहा स्कूल की नौकरी के अलावा सोशल सर्विस में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेती हैं. आसपास जहां जिसे खाने-पहनने ओढ़ने की तकलीफ देखी, उसे पूरा करने खुद पहुंची. बकौल नेहा, मन में समृद्ध घर से हूं और जरूरतमंद को कंबल, कपड़े, खाना आदि दे सकती हूं, तो देना मेरा कर्तव्य है. आसपास जहां कहीं भी घरेलू हिंसा देखती, इसके विरुद्ध आवाज बुलंद करती हैं. अपने सरकारी स्कूल को पठन-पाठन और साज-सज्जा की दृष्टि से निजी स्कूल से कहीं बेहतर बनाने की कोशिश की है जिसकी तारीफ भी संबद्ध लोगों से मिलती रहती है.

विज्ञापन

शिव बारात की सतरंगी छटा से गुलजार रहेगी राजधानी

संवाददाता। रांची

राजधानी शुक्रवार को भक्ति की सतरंगी छटा से गुलजार रहेगी. ब्रह्मांड की सबसे सुंदर कन्या पार्वती के पति, शाश्वत पौरुष और उर्वरता के प्रतीक नंदी के वाहक देवाधिदेव महादेव शिव के विवाहोत्सव में शामिल होने के लिए नगर जन तैयार हैं. शिव शंकर के पारलौकिक विवाह में शरीक होने को उद्दत हैं. दोपहर बाद गाजे-बाजे और मनोहारी झांकी के साथ जब झूम कर बारात निकलेगी तो पूरा शहर हर हर महादेव ... के उद्‌घोष से गूंज उठेगा. यूं तो शहर के विभिन्न इलाकों से भव्य शिव बारात निकाली जायेगी, लेकिन पहाड़ी मंदिर और इंद्रपुरी शिव मंदिर से निकाली जाने वाली शिव बारात की भव्यता देखते ही बनेगी.

पहाड़ी मंदिर से निकलेगी गाजे-बाजे के साथ भव्य शिव बारात : पहाड़ी मंदिर से तीन के तीन बजे श्रीशिव बारात आयोजन महासमिति की ओर से भव्य शिव बारात निकाली जाएगी. सीएम चंपाई सोरेन आरती उतार बारात विदा करेंगे. विधायक सीपी सिंह, पूर्व सांसद सुबोधकांत सहाय, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो सहित गणमान्य इसमें खास तौर से भागीदारी निभायेंगे. ढोल-बाजा और मनोहारी झांकी संग बड़ी संख्या में श्रद्धालु सराती बन शोभायात्रा में शिरकत करेंगे. बारात हरमू रोड, गाड़ी खाना, कार्टसराय रोड, जेजे रोड होते हुए शहीद चौक से घूमकर पुस्तक पथ , गांधी चौक महावीर चौक होते हुए रातू रोड के रास्ते विश्वनाथ शिव मंदिर आयेगी. यहां भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह रचाया जायेगा.

31 कन्याएं देंगी शिव तांडव की मनमोहक प्रस्तुति

उज्जैन से महाकाल, कोलकाता से शिव-पार्वती, बंगाल से ढांक और काशी की भूत-पिशाच की टोली धमाल मचाएगी. 10 फीट के बाहुबली अपने मनमोहक अंदाज से लुभाएंगे. रामगढ़ की ताशा पार्टी के कलाकार भी खूब रंग जमाएंगे. रामदरबार की जीवंत झांकी और छऊ नृत्य का भी खास आकर्षण रहेगा. विश्व महिला दिवस पर नारी शक्ति द्वारा अर्द्धनारीश्वर रूप में 31 कन्याओं की टोली शिव तांडव की मनमोहक प्रस्तुति देगी. यात्रा में शामिल वाहनों को बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ थीम पर सजाया जाएगा.

ऐतिहासिक होगी इंद्रपुरी मंदिर से निकली शिव बारात

इंद्रपुरी शिव मंदिर से निकली शिव बारात की भव्यता इस बार ऐतिहासिक होगी. श्रीश्री शिव बारात आयोजन समिति ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है. दिन के दो बजे गाजे-बाजे, मनोहारी झांकी और भजन मंडली के साथ झूम कर बारात निकलेगी तो बारात की भव्यता देखते ही बनेगी. अध्यक्ष रमेश सिंह संग पूर्व सीएम बाबू लाल मरांडी, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, आशा लकड़ा, आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो. हरविंदर सिंह बेदी ,बिंदु भूषण दुबे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाराती बन बारात की अगुवाई करेंगे.

सीना चीर कर श्रीराम का दर्शन करायेंगे हनुमान

शिव बारात में पौराणिक प्रसंगों को जीवंत करती देवी-देवताओं की मनोहारी झांकियां मन मोहेंगी. कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भगवान शिव और माता महाकाली का महातांडव देखते ही बनेगा. सात फुट के हनुमान जी सीना फाड़ कर प्रभु श्रीराम का दर्शन करायेंगे. नंदी पर सवार पंचमुखी भोले बाबा के क्या कहने, अपने मनमोहक अंदाज से सब को लुभायेंगे. डम-डम डमरू बजाते महादेव की जीवंत झांकी का अलग आकर्षण रहेगा. कई वाहनों में सजे राम दरबार, ज्ञानवापी महादेव, केदारनाथ मंदिर के प्रारूप से बारात गुलजार रहेगा. स्थानीय और बाहर से आये भजन गायक रास्ते भर भक्ति गीतों की धारा प्रवाहित करते हुए साथ चलेंगे. रथ और सुसज्जित घोड़े पर सवार बाराती बने श्रद्धालु , छऊ नर्तक के साथ-साथ बैंड बाजा, खड़गपुर के प्रसिद्ध सिंधी ढोल की टोली, ताशा पार्टी के कलाकार श्रद्धालुओं को नचाते-झुमाते हुए साथ चलेंगे.

पहाड़ी मंदिर से एक और शिव बारात बढ़ायेगी शोभा

पहाड़ी मंदिर से निकली एक और शिव बारात शोभा बढ़ायेगी. श्रीशिव बारात आयोजन केंद्रीय महासमिति, पहाड़ी मंदिर मुख्य द्वार की ओर से भी गाजे-बाजे और मनोहारी झांकी संग भव्य बारात निकाली जा रही है. नन्द किशोर सिंह चंदेल ने बताया कि दिन के एक बजे बारात निकलेगी. इसमें सीएम चंपाई सोरेन मुख्य और राज्यसभा सांसद महुआ माजी विशिष्ट अतिथि के रूप में हिस्सा लेंगे. पहाड़ी मंदिर मुख्य द्वार के पास बनाये गये मंच पर श्रीशिव और माता पार्वती के जीवंत स्वरूप की महाआरती उतारी जायेगी. इसके बाद बाराती बने श्रद्धालु बानो मंजिल रोड, शनि मंदिर हरमू, गाड़ीखाना रोड, जेजे रोड, कार्ट सराय रोड, जेजे रोड, शहीद चौक, अल्बर्ट एक्का चौक से घुमकर वापस शहीद चौक, पुस्तक पथ, गांधी चौक के रास्ते महावीर चौक, प्यादा टोली से गुजर कर रातू रोड होते हुए पिस्का मोड़ स्थित श्री विश्वनाथ मंदिर पहुंचेगी, जहां शैलेश्वर दयाल सिंह द्वारा बारात का स्वागत किया जायेगा.

श्रीराम दरबार की झांकी का रहेगा पूरा आकर्षण

श्रीशिव बारात आयोजन केंद्रीय महासमिति, पहाड़ी मंदिर मुख्य द्वार की बारात में भोलेनाथ और माता पार्वती,श्रीकृष्ण-राधाऔर मां काली के तांडव की मनोरम जीवंत झांकियां लुभायेगी. श्रीराम दरबार की मनमोहक झांकी का अलग आकर्षण रहेगा. धनबाद से विशेष रूप से बुलाए गए भजन गायक पिंटू शर्मा रास्ते भर भक्ति गीतों की धारा प्रवाहित करते हुए साथ चलेंगे. रामगढ़ की प्रसिद्ध ताशा पार्टी, बैंड बाजा वाले और बड़ी संख्या में सराती बने भोले भक्तों का नाचना-झूमना देखते ही बनेगा. भूत-बेतालों की टोली खूब धमाल मचायेगी. पौराणिक प्रसंगों को जीवंत करते छऊ नर्तक भी अपनी भाव-भंगिमा से मन मोहेंगे.

विश्वनाथ शिव मंदिर में होगा श्रीशिव-पार्वती विवाह

विश्वनाथ शिव मंदिर, पिस्का मोड़ में भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह पूरे रश्मो-रिवाज से रचाया जायेगा. मंदिर समिति के अध्यक्ष शैलेश्वर दयाल सिंह ने बताया कि शुक्रवार की रात बारात पहुंचने पर पुष्प वर्षा कर बारातियों का स्वागत किया जायेगा. भक्तों के बीच खाने-पीने के समान बांटे जायेंगे. इसके बाद जयमाला से लेकर विवाह के सारे रश्म अदा किये जायेंगे. उन्होंने बताया कि मंदिर में श्रीशिव बारात आयोजन महासमिति और श्रीशिव बारात आयोजन केंद्रीय महासमिति, पहाड़ी मंदिर मुख्य द्वार की बारात आयेगी. विजय सिंह, राकेश कुमार, राकेश साहू, अजय गुप्ता, मोहन पांडे, नमित लाल, खुबलाल कुमार, कुशल सिंह, विमलेश्वर दयाल सिंह, अमन दयाल, शंभू षाडंगी आदि इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दे रहे हैं. शैलेश्वर दयाल सिंह ने श्रद्धालुओं से इसमें बढ़-चढ़ कर भाग लेने की अपील की है.

श्रीराम मंदिर सर्जना चौक पर रचाया जाएगा विवाह

श्रीराम मंदिर, सर्जना चौक पहुंचने पर श्रीश्री शिव बारात आयोजन समिति के शिव बारात में शामिल श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत किया जायेगा. सराती बन चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति के सदस्य इसमें खास तौर से हिस्सा लेंगे. बाद में विद्वान पुरोहितों द्वारा विवाह के रश्म अदा किये जायेंगे. अध्यक्ष रमेश सिंह ने बताया कि इस मौके पर भजन संध्या और नृत्य नाटिका का खास मंचन भी प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा किया जायेगा. मुम्बई और बिहार से आए भजन गायक विनय तिवारी, सोना सिंह और प्रिया सिंह भक्ति गीतों की लड़िया लगायेंगी. दिल्ली के बंटी और सोनिया ग्रुप के कलाकार मनमोहक नाट्य मंचन करेंगे. सचिव शैलेंद्र कुमार, वरीय उपाध्यक्ष गौरव बजाज, सुमित बजाज, नवीन पपनेजा, सत्येंद्र तिवारी, हीरालाल पपनेजा, अशोक बजाज, हरजीत सिंह, कौशल कुमार चौधरी, गिरधारी लाल वर्मा, विकास राज गुप्ता, राकेश अरोड़ा, नीरज जायसवाल, रवि अरोड़ा, शंकर किंगर, संजय अग्रवाल, अनिल गुप्ता, चंदन, बच्चन चौधरी, गौरव गिरधर, राजू, बंटी, विवेक राज गुप्ता, नमन भरतीया, तन्नू, सतीश आदि इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दे रहे हैं.

नंदी पर सवार होकर शिव-पार्वती देंगे आशीर्वाद

रांची । प्रत्येक वर्ष की भांति प्राचीन श्री राम मंदिर शिव बारात समिति के तत्वावधान में रांची आरपीएफ शिव मंदिर से हर्षोल्लास के साथ बारात निकलेगी, जो चुटिया थाना, इंदिरा गांधी चौक, राम मंदिर, पावर हाउस चौक, अमर चौक होते हुए ऐतिहासिक महादेव मंडा प्रांगण पहुंचेगी. प्रांगण में स्थित देवी मंदिर में विधि विधान के साथ रात्रि में शिव विवाह संपन्न होगा. बारात में झारखंडी संस्कृति को प्रदर्शित करते हुए चुटिया के लोक कलाकार शामिल रहेंगे. साथ ही रामगढ़ से आयी ताशा पार्टी भी बारात को झूमने को विवश कर देगी. बारात में कोलकाता से शिव पार्वती, भगवान विष्णु, भगवान ब्रह्म आदि जीवंत झांकी प्रस्तुत करते हुए बारात में शामिल होंगे. साथ ही मुख्य आकर्षण होंगे. महाकाल से आये महाकाल अपना, 7-8 अघोरियों संग अपना जीवंत झांकी प्रस्तुत करते हुए जाएंगे. रास्ते में महाकाल अपनी जटा से आग निकालते और सांपों संग करतब दिखाते हुए जाएंगे. विदित हो कि श्री राम मंदिर समिति पिछले 12 वर्षों से शिव बारात का आयोजन करती आ रही है रास्ते में चुटिया के नागरिकों द्वारा भव्य स्वागत जगह -जगह पर किया जाता है ,साथ ही महादेव मंडा में बारातियों के लिए प्रसाद वितरण और भव्य स्वागत किया जाएगा. इस बारात के सफल आयोजन में मुकुंद नायक, मुनचुन राय, छात्रधारी महतो, राधेश्यम केशरी, मानपूरण नायक, शिवम केशरी और कौशल चौधरी सहित सैकड़ों लोग आयोजन को सफल बनाने में लगे हुए हैं.

अखंड श्रीशिव नाम संकीर्तन होगा आज

रांची। पुराना विधानसभा मैदान, एचइसी में शुक्रवार को महाशिवरात्रि के पावन मौके पर 24 घंटे का अखंड श्रीशिव नाम संकीर्तन किया जायेगा. इसकी तैयारी जोर-शोर से चल रही है. अर्चित आनंद ने बताया कि बड़ी संख्या में श्रीशिव शिष्य इसमें हिस्सा लेंगे. दोपहर 12 बजे से कीर्तन शुरू होगा, जो दूसरे दिन शनिवार को दोपहर तक चलेगा. उन्होंने बताया कि इस मौके पर सुबह नौ से शाम पांच बजे तक चिकित्सा शिविर भी लगाया जायेगा. उन्होंने श्रद्धालुओं से इसमें भाग लेने का आग्रह किया.

ब्रीफ खबरें

वसंत मेला आज से शुरू, लगे 37 स्टॉल

रांची । रांची के करमटोली स्थित प्रेस क्लब में शुक्रवार दोपहर 12 बजे से तीन दिवसीय वसंत मेला प्रारंभ किया जाएगा. बसंत मेले में फ्री इंट्री होगी. मेले में 37 स्टॉल लगाए गए हैं. जिसमें फैशनेबल कपड़े, बुटिक, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, चादर, सोलर लाइट, हेल्थ क्लिनिक, बच्चों के खिलौने व चश्मे के अलावा विभिन्न प्रकार के व्यंजन एवं अन्य होंगे. खास तौर पर मेले में फ्री आई चेकअप व ब्लड डोनेशन कैंप भी लगाया जाएगा. साथ ही विभिन्न प्रकार के गेम्स व मनोरंजन की व्यवस्था भी की गई है. वहीं शुक्रवार को शाम 6 बजे से कवयित्री सम्मेलन होगा. मेला में इंट्री सुबह 11 बजे से शाम 8 बजे तक होगी.

मेगा ट्रेड फेयर बना शॉपिंग का नया केंद्र

रांची । मोरहाबादी मैदान में चल रहे इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर के छठे दिन अच्छी खासी भीड़ रही. दोपहर होते ही लोगों का आना प्रारंभ हो गया. बता दें कि झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं जीएस मार्केटिंग की ओर से आयोजित ट्रेड फेयर में देश और विदेश के व्यापारियों के करीब 375 से अधिक स्टॉल सजाए गए हैं. लोगों ने कई उत्पादों को देखा और खरीदारी की. फेयर में हैंडीक्राफ्ट के सामान, कार्पेट, सोफा, फर्नीचर, मसाला, आचार, ड्राई फ्रूट, शेक, जड़ी-बूटी, परफ्यूम, गेम, किताब, नेकलेस, पापड़, शहद, लगेज, लैंप, कुर्ती, सूट, पैंट, शर्ट, सिल्क व इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम के अलावा भी तमाम अन्य चीज़ें उपलब्ध हैं. साथ ही चॉकलेट के एक खास स्टॉल पर बच्चों की भीड़ लगी रहती है. यहां होममेड चॉकलेट की 100 वैरायटियां मौजूद हैं. लोगों के बीच खट्टी इमली, मीठी इमली, मीठा आम पापड़ फ्लेवर की खासा डिमांड है.

महाशिवरात्रि में चतुर्थ प्रहर करें पूजा-अर्चना

संवाददाता। रांची

महाशिवरात्रि पर वैसे तो किसी भी समय पूजा-अर्चना की जा सकती है, लेकिन चतुर्थ प्रहर पूजन का विशेष महत्व होगा. आचार्य श्यामसुंदर भारद्वाज, अजय कुमार मिश्र और बाबा रामदेव पांडेय के अनुसार ब्रह्ममुहूर्त सुबह चार बजे, शाम साढ़े पांच बजे, मध्य रात्रि 12 बजे और रात दो बजे भोले शंकर की आराधना करने वालों को धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति होगी. आचार्य श्रीकृष्ण ने बताया कि शिवरात्रि के दिन तड़के स्नान-ध्यान कर शिव की पूजा-अर्चना विधि-विधान से करना चाहिए. पंचोपचार (पांच प्रकार) और षोड़शोपचार (16 प्रकार) से पूजन करने से शिव अति प्रसन्न होते हैं. वहीं शिवरात्रि के दिन श्रद्धाभाव से भगवान भोले शंकर की पूजा-अर्चना और आराधना करने पर अशुभ ग्रह-बाधाओं से मुक्ति मिलती है. पंडित अजय कुमार मिश्र के अनुसार शिवरात्रि के दिन शिव पूजन करने से गंभीर संकट टल जाता है. कालसर्प योग और अन्य अशुभ ग्रह-बाधाओं से छुटकारा मिलता है. सपत्नीक पूजा-अर्चना, रूद्राभिषेक और शिव-पार्वती विवाह कराएं. रात्रि जागरण और पंचाक्षर मंत्र का जाप करें.

तीन, पांच या 11 बेलपत्र ही चढ़ाएं : भगवान शिव अत्यल्प भक्ति से ही प्रसन्न हो जाते हैं. भोले बाबा को खुश करने के लिए लोग सैकड़ों बेलपत्र चढ़ा देते हैं. भगवान तीन, पांच और 11 बेलपत्र चढ़ाने से भी उतने ही प्रसन्न होंगे. बेलपत्र के लिए पूरा वृक्ष ही उजाड़ देना गलत है. वृक्ष भी भगवान का ही बनाया हुआ है. अतः इसे नष्ट न करें.

लाखों के बिकेंगे भांग और धतुरे : महाशिवरात्रि पर शुक्रवार को लाखों रुपए के भांग और धतुरे की बिक्री होगी. भांग बिहार से मंगाया जाता है, जबकि धतुरा रांची और आस-पास के इलाके से आता है. साथ ही नारियल, बेलपत्र आदि का बाजार भी गरम रहेगा. वहीं भोले बाबा को खुश करने के लिए श्रद्धालु हजारों लीटर दूध से अभिषेक करेंगे. मांग के अनुरूप दूध की आपूर्ति नहीं हो पाती. लोगों को पाउडर मिला दूध उपलब्ध कराया जाता है. जबकि भगवान शिव को खांटी गाय का दूध चढ़ाना चाहिए. वैसे भोले बाबा को जल अति प्रिय है. लेकिन भांग, धतुरा, बेलपत्र, दूध, दही, पंचामृत, मधु और फलों का रस भी खूब भाता है. शिव शंकर को मदार, जरिमल, गुमा और सफेद फूल पसंद हैं.

विभिन्न शिवलिंग की पूजा का है महत्व

- पारे से बने शिवलिंग का पूजन करने से महाऐश्वर्य मिलता है
- स्वर्ण की धातु से बने शिवलिंग की पूजा से महामुक्ति मिलती है
- अष्टधातु से निर्मित शिवलिंग का पूजन करने से सर्वसिद्धि प्राप्त होती है
- रजत शिवलिंग की पूजा करने से प्रसिद्धि मिलती है
- सेंधा नमक से बने शिवलिंग की पूजा करने से सुख-सौभाग्य बढ़ता है
- मिट्टी से बने शिवलिंग की पूजा करने से समस्त कार्यों की सिद्धि होती है
- भस्म से निर्मित शिवलिंग की पूजा की जाए तो सभी फलों की प्राप्ति होती है
- गाय के गोबर से बने शिवलिंग की पूजा करने से ऐश्वर्य लाभ होता है
- बांस के वृक्ष पर निकले हुए अंकुर से निर्मित शिवलिंग की पूजा से पुत्र प्राप्त होता है

सुरेश्वर महादेव मंदिर में मेहंदी की रस्म अदा हुई

रांची। गुरुवार को सुरेश्वर महादेव मंदिर में बाबा भोलेनाथ को मेहंदी रस्म अदा की गयी. इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिवभक्त मंदिर परिसर में आये और मेहंदी कार्यक्रम में हिस्सा लिया. सभी शिव भक्ति में लीन थे. सभी भक्त उत्साहित होकर मेंहदी रस्म में शामिल हुए. सभी शिवभक्त भक्त गीत गाकर खूब झूमने लगे. उस दौरान उनका उत्साह देखने लायक था. शुक्रवार की संध्या 5 बजे सुरेश्वर महादेव मंदिर से महाशिवरात्रि की बारात निकलेगी, जो ऊपर चुटिया स्थित प्राचीन राम मंदिर जायेगा. वहां विधि विधान से शिव- पार्वती विवाह संपन्न होगा. इंदौर मध्यप्रदेश से कलाकारों का एक टीम आ रही है. मंदिर कमेटी के सदस्य द्वारा भी एक स्पेशल झांकी निकाली जायेगी, जो आकर्षण का केंद्र रहेगा. पारंपरिक बाजा के साथ स्थानीय कलाकार जलवा बिखरेंगे. स्वर्णरेखा धाम से केतरीबागान, महादेव मंडा होते हुए जाएगी. मंदिर का द्वार सुबह 4 बजे भक्तों के लिए खोल दिया जायेगा. युवा दस्ता के टीम भक्तों के सेवा में लगे रहेंगे.

महामृत्युंजय महादेव मंदिर हिनू से निकलेगी शिव बारात

संवाददाता। रांची

महामृत्युंजय महादेव मंदिर, शिवपूरी कॉलोनी हिनू से भव्य शिव बारात निकाली जायेगी. इसकी तैयारी मंरि समिति की ओर से पूरी करली गयी है. समिति के अरविंद उपाध्याय ने बताया कि अहले सुबह जलाभिषेक-पूजन के लिए मंदिर के पट खोल दिए जायेंगे. दोपहर बाद तक भक्तों के बीच प्रसाद बांटा जायेगा. इसके बाद गाजे-बाजे के साथ बारात निकलेगी. इसमें बाराती बन श्रद्धालु नाचते-झूमते क्षेत्र का भ्रमण कर वापस लौटेंगे. इसके बाद भोले बाबा और माता पार्वती का विवाह रचाया जायेगा.

थैलेसीमिया पर जागरूकता अभियान

संवाददाता। रांची

जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटेक्निक एंड टेकनोलोजी नामकुम में रक्तदान, थैलेसीमिया सिकल सेल को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया. इसमें विद्यार्थियों को थैलेसीमिया और सिकल सेल रोगों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देकर उन्हें जागरूक किया गया. बताया गया कि लोग रक्तदान के लिए आगे आएं. बताया कि रांची सदर में थैलेसीमिया सिकल सेल के 1100 से ऊपर बच्चे हैं, जो इस बीमारी से जूझ रहे हैं. इससे उनको सहयोग मिलेगा. यह एक बहुत ही नेक कार्य होगा. झारखंड थैलेसीमिया फाउंडेशन के सचिव अतुल गेरा ने विद्यार्थियों को रक्तदान की आवश्यकता और महत्व के बारे में बताया. जिसमें शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया एवं अपनी भागीदारी दिखाई. इस मौके पर जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ पोलेटेक्निक एंड टेकनोलोजी के असिस्टेंट उपनिदेशक फादर स्वर्ण तिग्गा और पिंसिपल श्रीराज कुमार एवं अन्य शिक्षकों ने अपनी विशेष भूमिका निभाई. मौके पर फा. स्वर्ण तिग्गा ने 12 मार्च को रक्तदान शिविर के आयोजन करने का निर्देश दिया.

बोले गेरा

- रांची सदर में थैलेसीमिया के 1100 से अधिक बच्चे हैं
- 12 मार्च को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा

महिला सशक्तीकरण एक आंदोलन है: वीसी

रांची । डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची की महिला सेल के द्वारा भारतीय महिला अध्ययन संघ (आईएडब्लूएस) रांची सेंटर के संयुक्त रुप से विश्व महिला दिवस की पूर्व संध्या पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया. इससे पूर्व विश्वविद्यालय में 5 मार्च को लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था. जिसका थीम संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2024 के लिए निर्धारित थीम इन्वेस्ट इन वुमन एक्सेलरेट प्रोग्रेस' पर केंद्रित था. इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से कुल 73 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया. अतिथि और वक्ता के तौर पर निशा कुमारी, डीपीआरओ, रामगढ़ और रश्मि लाल अधिवक्ता उच्च न्यायालय शामिल थी.

संत मरिया महागिरजाघर में आज से होगा आत्माभिषेक

संवाददाता। रांची

संत मरिया महागिरजाघर के पल्ली पुरोहित आनंद डेविड खलखो की अगुवाई में संत मरिया महागिरजाघर चर्च में शुक्रवार से तीन दिवसीय आत्माभिषेक शुरू हो रहा है. इस कार्यक्रम में रांची पेरिस के हजारों मसीही शामिल होंगे. कार्यक्रम 8-10 मार्च तक सुबह 9 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक चलेगा.

फादर यस्वीर मिंज, ब्रदर संतोष जेसी, सिस्टर सायनी धर्म बहनें और ब्रदर को उपदेश देंगे. वहीं मसीही विश्वासियों को ईश्वरीय प्रेम, पाप से मुक्ति और यीशु राजा के बारे में बताया जाएगा. धर्म बहन सीमा खोया ने बताया कि संत मरिया महागिरजाघर चर्च में पहली बार शाम 5 बजे नोविना होगा. शाम 5.30 बजे चालीसाकाल का क्रुस रास्ता कार्यक्रम होगा. इस दौरान एक्शन सांग, परमेश्वर की स्तुति, आराधना, मिस्सा बलिदान, यीशु मसीह से जुडे. प्रवचन और पाप स्वीकार कार्यक्रम होगा.

पीजीटी के अभ्यर्थियों ने निकाला कैंडल मार्च

रांची । पीजीटी के 7 विषयों का रिजल्ट जारी नहीं होने से नाराज अभ्यर्थियों ने गुरुवार को कैंडल मार्च निकाला. बता दें कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने पीजीटी की परीक्षा अगस्त से सितंबर के बीच परीक्षा ली थी और इसका रिजल्ट जारी नहीं किया था. वहीं 4 विषयों का रिजल्ट जारी कर दिया गया. जबकि बाकी का परिणाम जारी नहीं किया गया है. इसमें 7 विषयों के अभ्यर्थी अपने मांगो को लेकर राजभवन के सामने तीन दिनों से धरने पर बैठे हैं. इसमें गणित, हिंदी, संस्कृत, इकोनॉमिक्स, हिस्ट्री और कॉमर्स का रिजल्ट जारी नहीं किया गया है. वहीं गुरुवार को केमेस्ट्री, फिजिक्स, बायोलॉजी और जोग्राफी नियुक्ति पत्र दे दिया गया है. इसे लेकर छात्र नाराज हैं.

रिम्स कार्यशाला में रक्तचाप प्रबंधन के साथ-साथ निगलने व बहु-विषयक टीम के महत्व पर हुई चर्चा

जीवनशैली में जरूरी बदलाव की जरूरत: रिम्स निदेशक

संवाददाता। रांची

आईसीएमआर द्वारा वित्त फंड प्राप्त परियोजना 'बुखार, हाइपरग्लेसेमिया, निगलने और तीव्र स्ट्रोक में उच्च रक्तचाप प्रबंधनः क्रॉस-सेक्शनल डेटा संग्रह के साथ चरणबद्ध क्लस्टर यादृच्छिक परीक्षण' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया. रिम्स में आयोजित कार्यशाला में बुखार, शुगर और रक्तचाप प्रबंधन के साथ-साथ निगलने और बहु-विषयक टीम के महत्व पर चर्चा की गई. इस परियोजना के अध्ययन का उद्देश्य तीव्र स्ट्रोक के बाद रोगियों में बुखार, हाइपरग्लाइसीमिया और निगलने में कठिनाई के प्रबंधन में सुधार के लिए क्रॉस-सेक्शनल डेटा संग्रह के साथ चरणबद्ध क्लस्टर यादृच्छिक परीक्षण करना है. कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए निदेशक रिम्स राजकुमार ने कहा की आज के समय में स्ट्रोक और अन्य न्यूरोलॉजिकल बीमारियों से बचने के लिए स्वस्थ आदतें अपनाते हुए जीवनशैली में जरूरी बदलाव करने की जरूरत है. साथ ही उन्होंने कहा कि ध्यान और योग से भी इन बीमारियों से बचा जा सकता है. बौद्ध धर्म में वर्णित मैत्री के अभ्यास का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पारस्परिक संबंधों में सुधार से जीवन में तनाव कम होगा और बीमारियों से बचा जा सकता है.

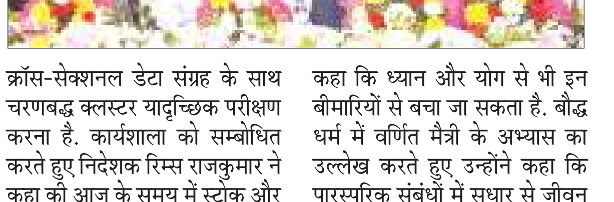

न्यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ सुरेंद्र कुमार ने तीव्र स्ट्रोक में समय प्रबंधन के महत्व के बारे में बताया और कहा कि स्ट्रोक के 4 घंटे के अंदर थ्रंबोलाइसिस किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि पिछले साल रिम्स में 3 थ्रंबोलाइसिस की गयी थी. तीव्र स्ट्रोक के प्रवेश चरण में हाइपरग्लेसीमिया, बुखार और निगलने की समस्या को खराब तरीके से प्रबंधित किया जाता है, और रोगी के परिणामों से समझौता किया जाता है. साक्ष्य-आधारित दिशानिर्देशों के उपयोग से देखभाल में सुधार हो सकता है. कार्यशाला में डीन डॉ विद्यापति, न्यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ सुरेंद्र कुमार, माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ मनोज कुमार और निश्चेतना विभाग से डॉ शिवप्रिय मौजूद थे.

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में की गई भैंस में बांझपन की जांच

संवाददाता। रांची

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय 2000 डेयरी पशुओं में बांझपन की जांच की गई. झारखंड के 19 जिलों के पशुओं का जांच हुआ. जांच करने के बाद पशुओं का इलाज किया गया. इन पहलुओं पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में लगभग 5000 किसानों ने भाग लिया. सभी 19 जिलों में ऐसे दो जागरूकता शिविर आयोजित किये गये और प्रत्येक शिविर में लगभग 250 किसानों ने भाग लिया और क़रीब 100 पशुओं का ईलाज किया गया. कार्यक्रम का आयोजन भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय और पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा प्रायोजित पशुधन जागृति अभियान के तहत झारखंड सरकार के पशुपालन विभाग के सहयोग से किया गया. कृषि विज्ञान केंद्रों के पशु वैज्ञानिक भी इसमें सहयोगी रहे. झारखंड के 19 आकांक्षी जिलों में साहिबगंज, पाकुड़, गोड्डा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, चतरा, पलामू, बोकारो, गढ़वा, दुमका, रामगढ़, गिरिडीह, हजारीबाग, लातेहार, रांची, लोहरदगा, सिमडेगा, खुंटी एवं गुमला शामिल हैं. पशुचिकित्सा संकाय के डीन डॉ सुशील प्रसाद ने गाय एवं भैंस में बांझपन के प्रमुख कारणों के बारे में बताते हुएं कहा कि भारत सरकार प्रायोजित इस परियोजना के तहत लगाए गए शिविरों का मुख्य उद्देश्य डेयरी व्यवसाय को प्रोत्साहित करना तथा मिल्क उत्पादन बढ़ाना है. संकाय के सहायक प्राध्यापक डॉ. बसंत कुमार, डॉ. थानेश उरांव, डॉ. उमेश कुमार तथा डॉ. मधुरेंद्र कुमार बच्चन ने आजीविका संवर्धन में दुग्ध उत्पादन और डेयरी सेक्टर के बारे में बताया.

सिल्ली विस स्तरीय सम्मलेन : नारी शक्ति के सम्मान के बिना प्रगतिशील समाज की कल्पना अधूरी है

सामाजिक क्षेत्र में बेहतर काम करनेवाली महिलाएं हुईं सम्मानित

संवाददाता। सिल्ली/मुरी

महिलाओं को सम्मान, समान अधिकार और अवसर मिले, यह हमारी प्राथमिकता है. नारी शक्ति के सम्मान के बिना सभ्य और प्रगतिशील समाज की कल्पना अधूरी है. भारतीय संस्कृति में भी महिला सम्मान सर्वोपरि है. उक्त बातें सिल्ली विधायक सह पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने कही. वे नवनिर्मित कला एवं सांस्कृतिक भवन, सिल्ली में आयोजित सिल्ली विधानसभा स्तरीय महिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे.

इस दौरान उन्होंने सामाजिक क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित भी किया. उन्होंने कहा कि सिल्ली विधानसभा क्षेत्र को विकसित, शिक्षित और सशक्त बनाने में यहां की महिलाओं की भूमिका अतुलनीय है. उनके योगदान और साथ से हम राज्य के नवनिर्माण की भी पटकथा लिखेंगे. सुदेश महतो ने यह भी कहा कि पिछले साढ़े चार में राज्य के अंदर इस सरकार की गलत नीतियों और दिशाहीन नेतृत्व के चलते महिलाओं के खिलाफ हुए अपराध और हिंसा में बढ़ोतरी हुई है. महिलाओं को पीएचडी तक की निःशुल्क शिक्षा का वादा कर सत्ता में आई महागठबंधन सरकार अपने वादे को भूल गई है.

साथ ही हर अनुमंडल मुख्यालय में महिला महाविद्यालय की स्थापना की बात, शायद इन्हें याद भी नहीं है. शिक्षकों की कमी से शिक्षा का स्तर गिरा है, जिसका सबसे अधिक नुकसान गरीबों और वंचितों को हुआ है.

बोले सुदेश

- भारतीय संस्कृति में महिला का सम्मान सर्वोपरि है
- राज्य सरकार अपने किये वादों को भूलती जा रही है

नवनिर्मित कला एवं सांस्कृतिक भवन का उद्घाटन

सिल्ली में नवनिर्मित कला एवं सांस्कृतिक भवन का उद्घाटन पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार ने किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कला-संस्कृति समाज में सहयोग, सहभागिता, समानता, समृद्धि और समरसता को बढ़ावा देती है. हमें अपनी संस्कृति पर गर्व है और इसे वैश्विक पटल पर स्थापित करना और अधिक से अधिक युवाओं को इस क्षेत्र से जोड़ना हमारा मुख्य उद्देश्य है. इसी उद्देश्य को धरातल पर उतारते हुए आज सिल्ली में बने विश्वस्तरीय कला एवं सांस्कृतिक भवन का उद्घाटन किया गया है. यह भवन राज्य की कला संस्कृति को बढ़ावा देने और लोक कलाकारों को उचित सम्मान देने का एक सशक्त मंच बनेगा. अधिक से अधिक युवा कला संस्कृति के क्षेत्र से जुड़े और अपने राज्य के स्वर्णिम विरासत को अपना कर आने वाली पीढ़ी के लिए महत्वपूर्ण योगदान दें. मौके पर कई स्थानीय कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया.

न्यूज अपडेट

जेपीएससी पर अचल प्रियदर्शी की पुस्तक का विमोचन

रांची। जेपीएससी परीक्षा को ध्यान में रखते हुए क्राउन पब्लिकेशन की ओर से नवीनतम पुस्तक ऑब्जेक्टिव झारखंड का विमोचन अमित आर्या द्वारा किया गया. इसे युवा लेखक अचल प्रियदर्शी के मार्गदर्शन में तैयार किया गया है. इसमें 7500 से भी ज्यादा नवीनतम एमसीक्यूएस है. यह जेपीएससी परीक्षा की तैयारी के लिए बाजार में अपने-आप में पहली पुस्तक है, जिसमें झारखंड ऑन मैप, चैप्टर-समरी और व्याख्या दी गयी है. बकौल अचल, यह उनकी इस साल की तीसरी और झारखंड पर दूसरी पुस्तक है, जिसमें अजय कुमार मंडल का भी सराहनीय योगदान है. अचल अभी जनजातीय अनुसंधान संस्थान, रांची से जुड़े हैं और विगत वर्षों में यह उनकी 11वीं पुस्तक है.

झामुमो युवा मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष बने साकिर

ओरमांझी। झारखंड मुक्ति मोर्चा के युवा मोर्चा का प्रखंड सतीय कार्यकर्ता सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को इरबा में साकिर अंसारी के कार्यालय के समीप किया गया. अध्यक्षता सह संचालन प्रखंड अध्यक्ष नागेश्वर महतो ने की. सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, विशिष्ट अतिथि पूर्व केंद्रीय उपाध्यक्ष अब्दुल कुद्दुस अंसारी, जिला सचिव सोनू मुंडा व जिला संयुक्त सचिव साजिद कौसर उपस्थित हुए. इस दौरान झामुमो युवा मोर्चा की प्रखंड कमेटी घोषणा की गई. इसमें युवा मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष साकिर अंसारी, उपाध्यक्ष आदिल अनवर, सज्जाद अंसारी, दिगंबर मुंडा, सचिव सुरेंद्र मुंडा, संगठन सचिव जितेंद्र करमाली को बनाया गया. मौके पर मुस्तफा अंसारी, साबीर अंसारी, राजु, एजाज अंसारी, सुनील, महावीर मुंडा, महताब आलम, तनवीर आलम, नौशाद अंसारी समेत दर्जनों कार्यकर्ता थे.

विधायक की पहल पर 4 घंटे बाद हटा सड़क जाम

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड की टुटकी नावाडीह निवासी सरला देवी की बीते बुधवार को सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई थी. मुआवजे की मांग को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने गुरुवार शाम 4 बजे सिल्ली-बुंडू मोड़ पर सड़क जाम कर दिया. ग्रामीणों ने महिला का शव लदे एंबुलेंस को सड़क पर खड़ा कर दिया. इस दौरान सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी. सूचना पाकर पहुंची सिल्ली बीडीओ रेणु बाला एवं स्थानीय पुलिस प्रशासन के द्वारा ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन ग्रामीण 5 लाख रुपये एवं एक सरकारी नौकरी की मांग पर अड़े थे. ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पुलिस मामले में लीपापोती कर रही है. वाहन पर प्राथमिकी दर्ज करने में भी आनाकानी कर रही है. सूचना पाकर विधायक सुदेश कुमार महतो जामस्थल पर पहुंचे और परिजन एवं ग्रामीणों को समझा-बुझाकर जाम हटवाया. शाम 7 बजे यातायात सामान्य हुआ. विधायक ने कहा कि मृतक के परिजनों को सरकारी प्रक्रिया के तहत सभी लाभ मुहैया कराया जाएगा.

कस्तूरबा में 12वीं की छात्राओं को दी गई विदाई

सोनाहातू/राहे। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, सोनाहातू ओर झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय, राहे में समारोह आयोजित कर 12वीं कक्षा की छात्राओं की सम्मान के साथ विदाई दी गई. इस अवसर पर वार्डन शशि बाड़ा और परमेश्वरी कुमारी ने कहा कि छात्राओं ने 6 साल तक स्कूल में रह कर जो शिक्षा ग्रहण की है, उसे समाज और अपने व्यक्तिगत जिंदगी में अमल करें. समाज में स्थान प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन करें. मौके पर स्कूल के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं अभिभावक मौजूद थे.

पुराने बीडीओ को दी विदाई और नये का स्वागत

ईटकी। प्रखंड सभागार में गुरुवार को समारोह आयोजित कर पूर्व बीडीओ गौतम प्रसाद साहू को विदाई दी गई. इस दौरान उन्हें अंग वस्त्र और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया. साथ ही उप निर्वाचन पदाधिकारी, सरायकेला खरसावां पद के लिए शुभकामनाएं दी गई. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्थानांतरण एक प्रक्रिया है. कभी भी अपने क्षेत्र के लोगों की समस्या से घबराना नहीं चाहिए. जहां तक हो सके, उनका कार्य करने का काम करना चाहिए. दूसरी तरफ नवपदस्थापित बीडीओ शशि नीलिमा डुंगडुंग को माला पहना स्वागत किया.

महाशिवरात्रि को लेकर शिवालय सज-धज कर तैयार

डकरा। महाशिवरात्रि को लेकर डकरा कोयलांचल क्षेत्र के बी टाइप, डकरा, सुभाष नगर, मोहन नगर, गायत्री शक्तिपीठ, मुंडा धौड़ा, चुरी आदि शिव मंदिरों में रंग-रोगन कर जगमगाती झालरों से सजाया गया है. गायत्री मंदिर और मोहन नगर से शिव बारात निकाली जाएगी. वहीं मुंडा धौड़ा शिव मंदिर का 15वां वर्षगांठ 8 मार्च को धूमधाम से मनाया जाएगा. शिवरात्रि के दिन रुद्राभिषेक,अधिवास पूजन, अखंड कीर्तन, शाम में शिव बारात का स्वागत और मध्य रात्रि महादीप का कार्यक्रम रखा गया है.

ब्रीफ खबरें

बंधुआ से गायब युवक का शव गुमला में मिला

नामकुम। प्रखंड के बंधुआ गांव से गायब युवक का शव गुमला जंगल से मिला. ज्ञात हो कि बख्तियारपुर (पटना) निवासी 23 वर्षीय युवक ज्ञानप्रकाश बंधुआ में ठेकेदारी कर रहा था. जानकारी के अनुसार, पैसे के लोभ में उसके दोस्त ने उसकी हत्या कर दी और फिर शव को गुमला ले जाकर फेंक दिया था. इधर ज्ञानप्रकाश के परिजन नामकुम थाने मे उसके दोस्त द्वारा ही अपहरण कर लेने की प्राथमिकी दर्ज कराई थी. प्राथमिकी के आधार पर पुलिस भी संभावित ठिकानो पर ज्ञानप्रकाश को तलाश रही थी. परिजनों के अनुसार ज्ञानप्रकाश अंतिम बार 7 फरवरी को बंधुआ में देखा गया था.

35 एकड़ में लगी पोस्ते की खेती को किया नष्ट

राहे। एसएसबी 26वीं बटालियन के कमांडेंट एसडी शेरखाने के निर्देशानुसार प्रखंड क्षेत्र के कानकट्टा गांव के भूसुरटोला जंगल आसपास में 26वीं बटालियन ए कंपनी सताकी कैंप और अनगड़ा पुलिस के संयुक्त अभियान में 35 एकड़ में लगी पोस्ते की खेती को नष्ट किया गया. इस दौरान ग्रामीणों के बीच नशे से दूर रहने को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया. लोगों को सिविक कार्यक्रम का लाभ लेने को कहा गया. अभियान में ए कंपनी के कमांडर जगन्नाथ उरांव, सहायक उपनिरीक्षक तिलक राज, अनगड़ा थाना के एएसआई सत्येंद्र कुमार सिंह सहित अन्य जवान शामिल थे.

इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों ने निकाली रैली

ओरमांझी। प्रखंड के आरटीसी इंजीनियरिंग कॉलेज आनंदी ओरमांझी के छात्र-छात्राओं ने गुरुवार को मतदाता जागरूकता को लेकर कॉलेज परिसर से रैली निकाली. इस क्रम में आनंदी गांव पहुंच कर छात्र-छात्राओं ने लोगों को मतदान करने के प्रति जागरूक किया. इस दौरान छात्र-छात्राएं हाथों में वोट देने की अपील की तख्तियां लेकर चल रहे थे, जिसमें पहले मतदान फिर जलपान, वोट डालने जाना है अपना फर्ज निभाना आदि नारे लिखे हुए थे. समन्वयक प्रो. महादेव प्रसाद ने कहा कि भारत एक मजबूत लोकतांत्रिक देश है. नागरिकों को शत-प्रतिशत मतदान कर एक सशक्त सरकार का निर्माण करने में अहम भूमिका निभानी चाहिए. देश के हर नागरिक, जिनकी उम्र 18 वर्ष या उससे अधिक है, वे मतदान जरूर करें. रैली में शुभम खन्ना, जयंत वाला, द्रोणाशीष नायक सहित सैकड़ों ग्रामीण शामिल थे.

लॉटरी के अवैध कारोबार में तीसरे नंबर पर है जामाडोबा का तनवीर

परचून दुकानदार तनवीर बन बैठा लॉटरी माफिया

अवैध लॉटरी का कारोबार 3

रिजवान शम्स। धनबाद

जामाडोबा का तनवीर, अवैध लॉटरी के कारोबार का ऐसा नाम जिसे चंद साल पहले शायद ही कोई जानता था, लेकिन आज की तारीख में यह नाम लॉटरी माफिया के तौर पर जाना जाने लगा है. धनबाद से लेकर पुरुलिया तक अपनी संपत्ति खड़ी करने वाला तनवीर कभी अपने मकान में ही एक परचून की दुकान चलाता था. चाय-पान की उक्त दुकान में बैठने वाले तनवीर ने आज से करीब छह साल पहले लॉटरी की दुनिया में कदम रखा और देखते ही देखते ठगी की इस दुनिया में बड़ा नाम हो गया. अब वो इस इलाके में सबसे बड़ा लॉटरी का डीलर है और अपना ब्रांड बेचकर लोगों को लाखों का चूना लगा रहा है. तनवीर की लॉटरी न सिर्फ जामाडोबा बल्कि भौंरा कोलियरी, डिगवाडीह, जोरापोखर, बरारी, लालबंगला, कालीमेला, फूसबंगला रमजानपुर आदि इलाकों में बेखौफ बेची जाती है. यहां दर्जनों लोग तनवीर के लिए हॉकर का काम करते हैं. जो प्रतिदिन लॉटरी लेकर निकलते हैं और फिर बेची गई लॉटरी की रकम जामाडोबा आवास पहुंच कर तनवीर को देते हैं.

तनवीर

तनवीर का चचेरा भाई अली का भी अपना ब्रांड : तनवीर के पड़ोस में रहने वाले उसके चचेरे भाई अली ने भी लॉटरी के कारोबार में मोटी कमाई देखी और उसमें कूद पड़ा. अब वो भी अच्छा खासा कारोबार कर रहा है. दोनों भाइयों का मकान एक दूसरे के ठीक अगल-बगल में है. अली के ब्रांड की लॉटरी भी इसी इलाके में खूब बिकने लगी है. अली के अलावा इस इलाके में एक बड़े चर्चित ठेकेदार के पोता शमसु ने भी लॉटरी के कारोबार को आत्मसात कर लिया है.

- 150 से अधिक हॉकर बेचते हैं तनवीर के ब्रांड की लॉटरी
- धनबाद, पुरुलिया समेत कई स्थानों पर है करोड़ों की प्रॉपर्टी
- तनवीर का चचेरा भाई अली भी लॉटरी कारोबार में कूदा
- चर्चित ठेकेदार का पोता शमसू भी निकाल चुका है अपने ब्रांड की लॉटरी

नाबालिगों का इस्तेमाल, महिलाएं निशाने पर

इस इलाके में लॉटरी के धंधेबाजों ने महिलाओं को भी टारगेट करना शुरू कर दिया है. खबर के मुताबिक कुछ नाबालिगों को लॉटरी बेचने के काम में लगा दिया गया है. जो घरों में जाकर महिलाओं को टिकट बेचने का काम करता है. महिलाओं को लाखों रुपये इनाम उठने का लालच दिया जाता है और अब उनके बक्से में पाई-पाई जोड़ जमा की गई पूंजी पर डाकेबाजी शुरू हो गई है.

एक-दो इनाम देने के बाद करते हैं धोखाबाजी

लॉटरी कारोबार के ये शातिर अपन ब्रांड की लॉटरी जब बाजार में उतारते हैं तो मोटी कमिशन पर हॉकर सेट करते हैं, फिर शुरूआत में ही कई छोटे-छोटे प्राइज भी उठवा देते हैं और उसका खूब प्रचार करवाते हैं कि उसके ब्रांड में खूब इनाम उठ रहा है. इसके बाद फिर धोखेबाजी का खेल शुरू हो जाता है. कई बार तो ऐसा भी हुआ है कि प्राइज उठने के बाद इनाम की रकम देने और लेने में विवाद हो गया है. हालांकि जिस ब्रांड में विवाद की खबर आ जाती है, उस लॉटरी की बिक्री घट जाती है. इस कारण ये कारोबारी विवाद को सतह पर आने से रोक देते हैं.

कांके में रेडिमेड कपड़ों के बाजार का उद्घाटन

कांके। लक्ष्मण चौक कांके स्थित रेडिमेड कपड़ों का बाजार ब्रांड बाजार का उद्घाटन कांके विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस नेता सह रांची जिला महासचिव महेश कुमार मनीष एवं रांची लोकसभा क्षेत्र के वरिष्ठ नेता मदन कुमार महतो ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया. ब्रांड बाजार के संचालक मनमोहन गुप्ता ने कहा कि इस बाजार में रेडिमेड जींस, कुर्ती, जैकेट, डबल बेड शीट, जूते, बच्चों के कपड़े सस्ते दामों पर कांके क्षेत्र की जनता को उपलब्ध कराया जा रहे हैं. यह बाजार एक माह तक यहां लगी रहेगी. लोगों को अच्छे कपड़े सस्ते दर पर मिलेंगे. उद्घाटन के मौके पर कई गणमान्य लोग उपस्थित थे.

सड़क दुर्घटना में दो भाइयों की दर्दनाक मौत

धनबाद/जामताड़ा। जामताड़ा जिले के फतेहपुर में मंगलवार की देर रात अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई. दोनों चचेरे भाइयों की इसी सप्ताह शादी होनी थी. अपनी ही शादी का कार्ड लेकर दोनों बहन के घर गए थे. वापस लौटने के क्रम में दोनों हादसे का शिकार हो गए और दोनों ने दम तोड़ दिया. दोनों मैथन के रहने वाले हैं. इस हादसे के बाद पूरे परिवार में शोक की लहर दौड़ पड़ी है. शादी वाले घरों में मातम पसर गया है. जानकारी के मुताबिक ताराजोरा निवासी नवल किशोर खिरहर और अजय खिरहर दोनों सगे भाई हैं. इन दोनों भाइयों का एक- बेटा है. नवल के पुत्र का नाम उदय कांत तो भूतपूर्व सैनिक अजय के पुत्र का नाम पिंटू कुमार है. 11 मार्च को उदय तो 12 मार्च को पिंटू की शादी होनी थी. दोनों की दर्दनाक मौत से शादी के घर में मातम पसर गया है.

सांसद की पहल पर सिल्ली वासियों को नई ट्रेन का तोहफा

संवाददाता। सिल्ली/मुरी

क्षेत्र वासियों को नई ट्रेन पुरी-दिल्ली आनंद विहार एक्सप्रेस (18427/18428) का तोहफा मिला है. आगामी 9 मार्च को इस ट्रेन का मुरी स्टेशन पर ठहराव होगा. यह ट्रेन चाईबासा व डोंगोपोसी रूट से होकर गंतव्य स्थान तक चलेगी. पुरी-दिल्ली आनंद विहार एक्सप्रेस ट्रेन साप्ताहिक होगी. यह ट्रेन पुरी से चल कर प्रत्येक शनिवार मुरी स्टेशन शाम 3:53 बजे पहुंचेगी तथा 3:55 में दिल्ली के आनंद विहार स्टेशन के लिए खुलेगी.

वहीं आनंद विहार से वापस रविवार को खुलेगी और सोमवार सुबह 11:08 बजे मुरी स्टेशन पहुंचेगी तथा 11:10 बजे पुरी के लिए रवाना होगी. इस ट्रेन की शुरुआत होने से सिल्ली समेत पुरूलिया एवं रांची वासियों को दिल्ली एवं पुरी जाने के लिए काफी सुविधा होगी. ज्ञात हो कि इस ट्रेन के परिचालन तथा मुरी एवं चांडिल स्टेशन में ठहराव को लेकर रांची सांसद संजय सेठ ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से पहल की थी. सांसद के प्रयास से रांची से बनारस के लिए एक और नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात मिली है. यह रांची की तीसरी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन होगी, जिसका उदघाटन 12 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे. उक्त जानकारी भाजपा ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष एवं सिल्ली रेलवे स्टेशन परामर्शदातृ सलाहकार समिति के सदस्य विनय महतो धीरज ने दी.

मिली सौगात

- पुरी-दिल्ली आनंद विहार एक्स. का मुरी स्टेशन पर ठहराव कल
- सिल्ली समेत पुरुलिया एवं रांचीवासियों को होगी सुविधा

झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ के प्रतिनिधिमंडल ने की सीएम से मुलाकात

रांची। झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने सीएम हाउस में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से मुलाकात की. संघ के पदाधिकारियों ने कैबिनेट से सरकारी महिला कर्मियों को शिशु देखभाल अवकाश देने के निर्णय पर हर्ष जताया तथा मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया. पदाधिकारियों ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा लिया गया यह एक ऐतिहासिक निर्णय है. विश्व महिला दिवस (8 मार्च) से ठीक पहले लिया गया यह निर्णय राज्य सरकार के विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत महिला कर्मियों के लिए एक बेहतरीन तोहफा है. मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि उनकी सरकार महिलाओं के सम्मान को लेकर कृतसंकल्पित है. सरकार के इस निर्णय से राज्य सरकार के विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत महिला कर्मियों को काफी सुविधा होगी. सीएम से मिलने वालों में संघ की अध्यक्ष रंजीता हेंब्रम, महासचिव राहुल कुमार, संयुक्त सचिव दिलीप तिर्की, मीना, सीमा सिंह, मनीषा तिर्की, संजय कुमार, मेरी मड़की और एनी रिंकू कुजूर शामिल थे.

राष्ट्रहित में समर्पित प्रत्याशियों का चयन जरूरी : सीपी सिंह

संवाददाता। नामकुम

सरला बिरला विश्वविद्यालय के तत्वावधान में गुरुवार को नेहरू युवा केंद्र, रांची द्वारा परिसर के सभागार में जिला स्तरीय आस-पड़ोस युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन व कुलगीत के साथ किया गया. इस अवसर पर 'माई भारत ऐप' के लोगो का भी शुभारंभ किया गया. मुख्य अतिथि रांची विधायक सीपी सिंह ने देश में सांसद और विधायक की भूमिका के साथ-साथ आम जनता से उनकी अपेक्षा की भी चर्चा की.

उन्होंने राष्ट्र हित में समर्पित प्रत्याशियों के चयन पर जोर दिया. चुनाव के दौरान पैसे के दुरुपयोग और जात-पात अथवा धर्म के नाम पर वोट को लोकतंत्र के हित में घातक करार दिया. वहीं, कुलपति प्रो. गोपाल पाठक ने अनुशासन और समय की मर्यादा को सभी नागरिकों के लिए आवश्यक बताया. युवा संसद में युवा नेताओं ने संसद में सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष की तरह सरकार की नीतियों ओर योजनाओं पर बहस में भाग लिया. संचालन डॉ. आरोही आनंद और स्वागत भाषण नेहरू युवा केंद्र के उप निदेशक एसपी सिंह ने दिया. वहीं प्रतिकुलाधिपति विजय कुमार दलान और मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने शुभकामनाएं दी.

मौके पर नेहरू युवा केंद्र के गौरव कुमार के अलावा डॉ. आनंद ठाकुर, डॉ. वासुदेव, विवि के कुलसचिव प्रो. विजय कुमार सिंह समेत विवि के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित थे.

रणनीति | दावेदारी के लिए कांग्रेस प्रभारी व प्रदेश अध्यक्ष ने रखी थी बैठक

कांग्रेस प्रभारी के सामने भिड़े मन्नान-ददई

चुनावी बैठक

- कोयलांचल के दो दिग्गज नेताओं में हुई नोंकझोंक
- लोस सीट के सारे दावेदारों ने रखी अपनी-अपनी बात

संवाददाता। धनबाद

लोकसभा चुनाव में उम्मीदवारी तय करने के लिए बुधवार को कांग्रेस के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर और झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर के सामने ही कोयलांचल के दो दिग्गज नेताओं में नोंकझोंक हो गई. अपने-अपने भाषण के दौरान दोनों नेताओं ने एक दूसरे के बारे में जमकर जहर उगला. मन्नान मल्लिक ने कहा कि जब कांग्रेस से चुनाव लड़ने का इच्छा रखते हैं, तो फिर बार-बार अन्य राजनीतिक पार्टियों में उछल कूद क्यों करते हैं. वहीं जवाब में ददई दुबे ने भी आरोप लगा दिया कि उनका बेटा जब चुनाव के मैदान में था, तब आपका बेटा वोट दिलाने के बहाने रकम की डिमांड कर रहा था. हालांकि विवाद बढ़ा नहीं. बाद में कांग्रेस के उम्मीदवारों ने अपवी-अपनी बात प्रदेश अध्यक्ष व प्रभारी के समक्ष रखी. अंत में दोनों वरीय नेताओं ने कहा कि उम्मीदवार तय करने की जिम्मेवारी आलाकमान पर है, जिस पर सभी उम्मीवारों ने हामी भर दी है.

इस दौरान जलेश्वर महतो, पूर्णिमा नीरज सिंह, अजय दुबे, अनूप सिंह ने भी अपनी-अपनी बात रखी. बता दें कि बुधवार को झारखंड प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर और प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर बुधवार को धनबद पहुंचे थे.

दोनों के धनबाद आने का मकसद यही था कि यहां के दावेदारों में कौन सबसे मजबूत है, यह तय कर आलाकमान को खबर देना. दावेदारों के साथ जिला के लगभग दो सौ से अधिक प्रतिनिधि भी मौजूद थे. कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि आलाकमान का निर्णय ही अंतिम होगा. ये एलान भी किया जिस-जिस बूथ से कांग्रेस के नेता को लीड मिलेगी, उस क्षेत्र के विकास के लिए एक करोड़ रुपये पार्टी फंड से दिया जाएगा. प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि इस चुनाव में भाजपा की आंतरिक सर्वे में यह खुलासा हो गया कि भाजपा पूरे देश 183 सीटों से नहीं बढ़ पा रही है.

राजनीति | हजारीबाग में पूर्व वित्त मंत्री के घर पर जुटे कांग्रेस के नेतागण

यशवंत बने कांग्रेस व भाजपा के विक्षुब्धों के केंद्र

रायशुमारी शुरू

- जयंत सिन्हा के टिकट कटने के बाद जुटने लगे विक्षुब्ध
- अंबा प्रसाद, शिवलाल महतो जैसे नेताओं ने किया मंथन

विशेष संवाददाता। रांची/हजारीबाग

हजारीबाग से केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा का टिकट कटने और विधायक मनीष जायसवाल को भाजपा का टिकट मिलने के बाद उनकी घेराबंदी में भाजपा के विक्षुब्ध और कांग्रेस नेता जुट गये हैं. गुरुवार को हजारीबाग लोकसभा चुनाव को लेकर समन्वय समिति की बैठक प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर की अध्यक्षता में हुई, जिसमें प्रत्याशी को लेकर रायशुमारी के साथ-साथ चुनावी रणनीति पर चर्चा हुई. इस सीट के कांग्रेस नेता जयशंकर पाठक, उमाशंकर अकेला यादव, अंबा प्रसाद, यशवंत सिन्हा, रामगढ़ से ममता देवी, सौरभ नारायण सिंह अपनी-अपनी दावेदारी पेश की है.

पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत के घर बन रही है रणनीति : मनीष जायसवाल की घेराबंदी को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा केंद्र बिंदु में हैं . बुधवार को सिन्हा के घर पर भाजपा के विक्षुब्ध , कांग्रेस सहित कई दलों के नेता पहुंचे. सबने मनीष जायसवाल के खिलाफ मजबूत प्रत्याशी देने पर चर्चा की. सिन्हा से कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद, शिवलाल महतो सहित रामगढ़ व हजारीबाग के कई विक्षुब्ध भाजपा नेता मिले. उनके आवास पर रणनीति मनीष की घेराबंदी की रणनीति बनायी गयी. यशंवत से भी चुनाव में उतरने का आग्रह किया गया.

कांग्रेस विधायक उमाशंकर अकेला व पूर्व मंत्री यशवंत सिन्हा के बीच अलग से मुलाकात और बातचीत हुई. विधायक अकेला ने कहा कि अगले दो दिनों में हजारीबाग सीट के लिए महागठबंधन की ओर से मजबूत उम्मीदवार दिया जाएगा. नेताओं ने यशवंत के आवास से भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल को दो लाख वोट से हराने की हुंकार भरी. इधर पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने भी हजारीबाग लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की घोषणा की है.

रांची में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में लाभार्थियों के साथ मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन व अन्य नेतागण.

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने रांची में 2,452 अभ्यर्थियों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण किया

काबिल बनो कामयाबी झक मार के मिलेगी: बादल पत्रलेख

संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने राजधानी रांची में गुरुवार को 2454 अभ्यार्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया. समारोह में मंत्री बादल पत्रलेख ने फिल्म थ्री इडियट्स के डायलॉग "काबिल बनो कामयाबी झक मार के मिलेगी" के साथ अपनी बातों का शुरुआत की और आगे उन्होंने कहा कि आप के हाथों में झारखंड के विकास का जिम्मा होगा. मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि आज के समय में जल, जंगल, जमीन, पहाड़ और पत्थर भगवान से भेंट में हो जाएगा लेकिन नौकरी नहीं मिलेगी, लेकिन आपको मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने नौकरी का नियुक्ति पत्र दिया. 2026 तक सभी रिक्त पदों को भर लिया जाएगा.

हगारीबाग के रहने वाले महेश कुमार यादव को पीजीटी शिक्षक की नियुक्ति पत्र मिली है. महेश को 2019 में उच्च विद्यालय के लिए शिक्षक के पद पर बहाली मिली थी. उसके बाद भी उन्होंने प्लस टू उच्च विद्यालय के शिक्षक बहाली में सफलता प्राप्त की.

साहिबगंज के रहने वाले मोहसेन अली को पथ निर्माण विभाग में कनिय अभियंता के लिए नियुक्ति पत्र दिया गया है. उन्होंने कहा कि आज मैं काफी खुश हूं. आज जो कुछ भी मिला है, मेरे माता पिता के कारण. वे दिव्यांग भी हैं.

दिव्या हांसदा को पेयजल विभाग में नियुक्ति मिली है. वे शादीशुदा है. उनका एक बच्चा भी है. इसे लेकर उनके परिवार के सदस्यों का कहना है कि आज उनके उपर उन्हें गर्व है. दिव्या ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने परिवार को दिया.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष किसी धार्मिक स्थल जाने का अवसर मिलेगा. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. भाग्य का साथ मिलेगा. निवेश शुभ रहेगा. काफी समय से लंबित कार्य पूर्ण होंगे. उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे. किसी धार्मिक अनुष्ठान का योग बन रहा है.

वृषभ बिना कारण विवाद को हो सकता है. दौड़धूप अधिक रहेगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. असमंजस की स्थिति बन सकती है. अन्न का दान करें. साथ ही मंदिर में झाड़ू का दान करें.

मिथुन जीवनसाथी के साथ आनंद का समय बीतेगा. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद मिलेगा. निवेश शुभ रहेगा. व्यापार ठीक चलेगा. लाभार्जन होगा. परिवार के सदस्यों के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा. घी का दीपक शिवमंदिर में जलाए.

कर्क भोजन सोच विचार कर ही करें. पेट रोग से बचे. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. कार्य बनेगा पर लेन-देन में जल्दबाजी न करें. कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. बेकार बातों पर ध्यान न दें.

सिंह आपके पराक्रम से शत्रु पस्त होंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड लाभ देंगे. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. जल्दबाजी न करें. हनुमान चालीसा का पाठ करें.

कन्या शिक्षा में खर्च होगा. माता का स्वाथ पर ध्यान दे. किसी भी तरह के विवाद में न पड़ें. बोलचाल में हल्केपन को न अपनाएं. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. परिवार में तनाव रह सकता है. यथासंभव यात्रा टालें.

तुला राजकीय सहयोग प्राप्त होगा. रुके कामों में गति आएगी. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें. कुसंगति से हानि होगी. किसी तीर्थयात्रा की योजना बनेगी. अंगभंग व्यक्ति को भोजन दें और वस्त्र भी दान करें.

वृश्चिक नई योजना फलीभूत होगी. मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त होगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. समय की अनुकूलता का लाभ लें. प्रमाद न करें. किसी से ज्यादा बहस से बचें. चीनी का दान करें.

धनु मन प्रसन्न होगा. व्यावसायिक कार्य मनोनुकूल रहेगी. बेरोजगारी दूर होगी. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. शेयर मार्केट तथा म्युचुअल फंड लाभदायक रहेंगे. दुष्टजन तथा ईष्यालु व्यक्तियों से सावधान रहें.

मकर मानसिक शांति मिलेगी. वाणी पर नियंत्रण रखें. स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. माता दुर्गा पर लाल फूल अर्पण करें.

कुंभ समय बहुत अच्छा नही है. बाधा का योग बन रहा है. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य के नजरअंदाज न करें. समय अनुकूल है. आय में वृद्धि होगी. उत्साह व प्रसन्नता से काम कर पाएंगे.

मीन किसी मांगलिक कार्य में शामिल होने का अवसर प्राप्त हो सकता है. आत्मसम्मान बना रहेगा. कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा. सुख के साधन जुटेंगे. प्रसन्नता रहेगी. गरीब को अन्न और पीला वस्त्र का दान करें.

राज्य में 2014 से चल रही है आईसीटी लैब स्थापित करने की योजना

एक भी सरकारी स्कूल में दो साल से नहीं बना लैब

सत्य शरण मिश्रा। रांची

छात्रों को स्कूल से ही डिजिटल शिक्षा देने के उद्देश्य से सभी सरकारी स्कूलों में आईसीटी लैब स्थापित करने की योजना 2014 से चल रही है. केंद्र प्रायोजित इस योजना तहत स्कूलों में कंप्यूटर और इंटरनेट से सुजज्जित लैब बनाया जा रहा है, लेकिन झारखंड में पिछले 2 साल में एक भी स्कूल में लैब की स्थापना नहीं हुई है. 2014 से 2022 तक राज्य के 2962 सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में आईसीटी लैब की स्थापना हुई. 2022-23 और 2023-24 में आईसीटी लैब स्थापित करने के लिए 2151 स्कूलों को स्वीकृति दी गई, लेकिन एक भी लैब नहीं बना. अब शिक्षा विभाग ने जून 2024 तक बचे हुए 1952 स्कूलों में मई 2024 तक आईसीटी लैब की स्थापना करने का निर्देश दिया है.

5036 स्कूलों में बनने थे आईसीटी लैब, सिर्फ 3036 में बने : इस योजना के तहत अबतक झारखंड के 5036 स्कूलों में आईसीटी लैब स्थापित करने की मंजूरी दी गई है, जबकि अबतक सिर्फ 3036 स्कूलों में ही लैब की स्थापना हो पाई है. अबतक 897 प्रारंभिक और 2166 माध्यमिक स्कूलों में लैब की स्थापना हुई है. मई 2024 तक 1495 प्रारंभिक और 457 माध्यमिक स्कूलों में आईसीटी लैब की स्थापना की जाएगी.

खास बातें

- 2022 से 24 तक स्वीकृत 2151 स्कूलों में लैब की स्थापना नहीं हुई
- शिक्षा विभाग ने मई तक 1952 स्कूलों में लैब बनाने का दिया निर्देश

प्रारंभिक विद्यालय

वर्ष	लैब के लिए स्वीकृत स्कूल	कितने स्कूलों में लैब बने
2021-21	375	375
2021-22	522	522
2022-23	221	0
2023-24	1274	0

माध्यमिक विद्यालय

वर्ष	लैब के लिए स्वीकृत स्कूल	कितने स्कूलों में लैब बने
2014-15	465	458
2017-18	449	435
2018-19	61	61
2019-20	488	488
2020-21	351	351
2021-22	374	373
2022-23	283	0
2023-24	173	0

कुएं में गिरने से बच्ची की मौत, पिता बोले- हत्या हुई

तोपचांची। तोपचांची थाना क्षेत्र के मानटांड़ में गुरुवार को 3 वर्षीय बच्ची की कुएं में गिरने से मौत हो गई. मृत बच्ची की शिनाख्त गांव के पंकज महतो की बेटी अंजना कुमारी के रूप में हुई. परिजनों ने बच्ची की हत्या की आशंका व्यक्त की है. ग्रामीणों ने बताया कि अचानक बच्ची के लापता हो जाने से परिजन परेशान होकर इधर-उधर खोजने लगे. जब कुएं में झग्गड़ डाला गया, तो बच्ची पानी के अंदर से निकली. उसे बाहर निकालकर परिजन साहोबहियार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए. जहां से धनबाद स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया. वहां डाक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया. बच्ची की नाक से झाग निकल रहा था. इसे देखकर पिता पंकज कुमार ने कहा कि उसकी बेटी की हत्या हुई है. पिता तोपचांची थाने में आवेदन देकर मामले की जांच कराने का आग्रह किया है. थाना प्रभारी संजय कुमार ने घटनास्थल पर पहुंच कर जांच-पड़ताल की.

रांची एयरपोर्ट पर ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास का स्वागत

संवाददाता। रांची

ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास गुरुवार को रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचे, जहां भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य संजय कुमार जायसवाल ने उनका स्वागत किया.

संजय जायसवाल ने रघुवर दास को भगवान श्रीराम की तस्वीर और अंग वस्त्र भेंट किया. स्वागत करने वालों में राकेश, संजीव कुमार, संजीव चौधरी, शुभम कुमार जायसवाल, जॉनी वॉकर खान समेत कई लोग शामिल थे. स्वागत के बाद रघुवर दास एयरपोर्ट से सड़क मार्ग से जमशेदपुर के लिए रवाना हो गये.

मार्च में 15 फीसदी से अधिक राशि निकासी पर लगी रोक

रांची। चालू वित्तीय वर्ष के लिए राज्य सरकार ने मार्च में कोषागार से राशि निकासी के लिए 15 फीसदी की सीमा तय कर दी गई. इसमें यह शर्त है की यह राशि कार्य के विरुद्ध के लिए हो. इसके अलावा अन्य योजना मध्य से वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्राप्त कुल आवंटन के 15 फीसदी की सीमा तक ही राशि की निकासी की जा सकेगी. पीएल खाते से भी 15 फीसदी की कीमत तक ही राशि की निकासी की जा सकेगी. वित्त विभाग ने इस संबंध में सभी विभागों को पत्र लिखकर दिशा-निर्देश दिया है और संबंधित निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी एवं कोषागार पदाधिकारी द्वारा विपत्र तैयार करने तथा पारित करने की कार्रवाई इसी दिशा-निर्देश के अनुसार करने को कहा है.

लोहरदगा में आदिवासी कला भवन का किया उद्घाटन

आदिवासी संस्कृति को बचाना जरूरी: रामेश्वर उरांव

संवाददाता। रांची

वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने गुरुवार को लोहरदगा में आदिवासी संस्कृति कला भवन का उद्घाटन किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमें देश की संस्कृति को बचाना है. हमें आदिवासी कहते हैं तो आदिवासी की संस्कृति को बचाना है. सांस्कृतिक कला केंद्र आज लोहरदगा जिला के लिए बना है. राज्य के दूसरे जिलों में भी जगह-जगह कला केंद्र का निर्माण हो रहा है. ऐसे ऐसे विशाल भवन हमारी संस्कृति की रक्षा करेंगे और इसका उत्थान भी होगा. इसके माध्यम से लोग यहां इकट्ठा होंगे, नृत्य संगीत का कार्यक्रम होगा, आदिवासियों के बीच में जो समस्याएं होंगी, यहां विमर्श किया जाएगा. सुलझाने एवं निदान का उपाय भी निकाला जाएगा. उन्होंने कहा कि आदिवासी एवं मूलवासी के लिए सांस्कृतिक कला केंद्र का बड़ा महत्व है. पहली बार कोई सरकार इस पर ध्यान दे रही है. 2019 में मैं और मेरे सहयोगी धीरज प्रसाद साहू ने लोहरदगा की जनता से जो वादा किया था कि लोहरदगा का नक्शा बदलेंगे.

घमासान लोबिन की अन्याय यात्रा में आपस में भिड़े झामुमो कार्यकर्ता, भोगनाडीह में धारा 144

विरोध के कारण लोबिन को बंद करनी पड़ी अपनी यात्रा

विशेष संवाददाता। साहिबगंज/रांची

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के विधानसभा क्षेत्र में झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम के अन्याय यात्रा के दौरान पार्टी कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए. पूरे भोगनाडीह में तनाव कायम है. मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने भोगनाडीह में धारा 144 लगा दी है. गुरुवार को झामुमो के बागी विधायक लोबिन हेंब्रम साहिबगंज में अन्याय यात्रा करने पहुंचे थे. जैसे ही यात्रा शुरू हुई झामुमो कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए. जमकर नारेबाजी हुई. जानकारी के अनुसार अन्याय यात्रा में शामिल होने के लिए बरहेट से भी झामुमो कार्यकर्ता पहुंचे थे.

बरहेट के कार्यकर्ता द्वारा लगातार लोबिन हेंब्रम मुर्दाबाद के नारे लगाए. इस दौरान दोनों ओर से जमकर नारेबाजी हुई. जिसके बाद कार्यकर्ता आपस में उलझ गए. इस कारण थोड़े ही समय में लोबिन हेंब्रम अपनी यात्रा को बंद करना पड़ा.

हेमंत के खिलाफ लगातार मुखर रहे हैं लोबिन

मालूम हो कि झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम सदन से लेकर सड़क तक पूर्व सीएम हेमंत सोरेन और अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा करते रहे हैं. हेमंत सोरेन की सरकार के दौरान कई बार उन्होंने तल्ख टिप्पणी भी की थी. 2019 में जनता से जो वादें कर हेमंत सरकार सत्ता में आई थी उसे पूरा नहीं करने, जल जंगल जमीन की लूट, भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे को लोबिन हेंब्रम लगातार उठाते रहे हैं.

सुरक्षाबलों ने किया नक्सली कैंप को ध्वस्त

चाईबासा। चाईबासा में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के कैंप को ध्वस्त कर दिया. गुरुवार को नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान टोन्टो थाना क्षेत्र के जिम्की और ईकीर के बीच जंगली,पहाड़ी क्षेत्र में एक पुराने अस्थायी नक्सली कैंप को ध्वस्त कर दिया गया. इस कैंप में 95 लोगों की रूकने की व्यवस्था थी. जिसे सुरक्षाबलों ने ध्वस्त कर दिया. साथ ही नक्सली कैंप से विस्फोटक समेत दैनिक उपयोग में आने वाले सामग्री को बरामद किया. नक्सलियों के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, चमन, कांडे, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील है, जिसको लेकर जिले के गोईलकेरा थाना क्षेत्र के कुईडा, छोटा कुईडा, मारादिरी, मेरालगड़ा, हाथीबुरू, तिलायबेड़ा बोयपाईससांग, कटम्बा, बायहातु, बोरोय गांव के सीमावर्ती क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान शुरू किया गया है.

पेज एक का शेष

वे दिन हवा हुए जब पसीना गुलाब था...

अपने झारखंड, बिहार की हालत भी ऐसी ही है. हिमाचल की ताजा तरीन घटना ने आलाकमान को बेनकाब कर दिया है. दिल बहलाने के ख्याल से कह रहे हैं कि ऑपरेशन लोटस फेल हो गया है. लेकिन वे अभिषेक मनु सिंघवी की दारुण पराजय से शर्मिंदा नहीं हैं. उसके पाले से भाजपा नौ विधायक खींच ले गयी. जैसे ही 25 विधायकों वाली भाजपा ने तीन निर्दलीय और 40 विधायकों वाली कांग्रेस के समक्ष उम्मीदवार उतारा, उसी समय आलाकमान के कान खड़े हो जाने चाहिए थे. लेकिन जब बाजी पलट गयी और सरकार बचाने के लिए अपने ही छह विधायकों को अयोग्य ठहराना पड़ा, तब ताली पीटनेवालों की जमात खड़ी हो गयी. लेकिन वह सरकार अभी स्थिर नहीं है. वीरभद्र सिंह के पुत्र विक्रमादित्य सिंह के हाथ में अब भी उसकी गर्दन है और कहा ही गया है कि बकरे की मां कब तक खैर मनाएगी?

उधर बंगाल में अधीर रंजन चौधरी अधीर हो उठे हैं. वह यह लो अपनी लकुटि कमरिया बहुतहि नाच नचायो कहते हुए कब खिसक जायें कहना मुश्किल है. ऐसा कोई राज्य नहीं है जहां कांग्रेस टूट नहीं रही हो, तिल-तिल कर नष्ट न हो रही हो. क्या यह भगदड़ केवल ईडी, सीबीआई, आयकर के भय के कारण मची है ? यदि हां तो क्या कांग्रेस में भ्रष्ट नेताओं की भारी जमात है ? इन्हें पुष्पित-पल्लवित किसने किया ? दरअसल कांग्रेसियों को यह विश्वास होने लगा है कि उनका राजनीतिक भविष्य अब कांग्रेस में सुरक्षित नहीं है. कांग्रेसी तभी तक एकजुट रहते हैं जब तक सत्ता का सीमेंट चाटने को मिलता रहता है. यह एक तथ्य है कि 1984 के बाद से कभी भी कांग्रेस को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है और यह भी कि कांग्रेस जब भी कमजोर पड़ती है या हारती है तो टूटती है चाहे समानांतर टूटे या फुटकर में. 1977 में सत्ता गंवाने के बाद भी कांग्रेसियों को इंदिरा गांधी पर भरोसा था. 1980 में वह पूरा भी हुआ. लेकिन अब वह भरोसा टूट गया है. अब गांधी नामधारी किसी भी नेता में यह क्षमता नहीं है कि वह कांग्रेस का पुनरुद्धार कर सके. बचा है तो सिर्फ उसका दावेदारी या इंटाइटलमेंट का अहंकार.

कांग्रेस का इस तरह कमजोर हो जाना हमारे लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है, लेकिन किया ही क्या जा सकता है. मल्लिकार्जुन खरगे पार्टी अध्यक्ष जरूर हैं, लेकिन उनकी चलती नहीं है, क्योंकि वह गांधी परिवार की कृपा से ही अध्यक्ष बने हैं और उनके कृपापर्यंत ही बने रहेंगे. जो पार्टी के व्यावहारिक नेता हैं वे अब भी रागदरबारी गानेवालों से घिरे हैं. उन्हें यह अहसास ही नहीं है कि केवल जातीय गणना की हुंकार से यह समर नहीं जीता जा सकता, क्योंकि यह एक कच्चा घड़ा है और इसके सहारे दरिया पार नहीं किया जा सकता. जब मंडल आयोग के मसीहा वीपी सिंह ही कहीं के न रहे और उनकी पार्टी खंड-खंड हो गयी तब भला कांग्रेस क्या कर लेगी जो शुरू से इसके खिलाफ रही है. अदम गोंडवी के शब्दों में कहें तो-

बह गये कितने सिकंदर वक्त के सैलाब में
अक्ल इस कच्चे घड़े से, कैसे दरिया पार हो

गाजिया में खरकई व संजय तट पर...

यह इस क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान साबित होगा. इससे वे सालों भर खेती कर सकेंगे. इससे पूर्व यहां डबल इंजन की भाजपा सरकार थी जिसने झूठा प्रचार किया. न तो किसानों के न तो मजदूरों के लिए न ही स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए कोई काम किया. सरकार राजनगर और गम्हरिया प्रखंड में डिग्री कॉलेज सरकार खोलेगी. जिसके लिए सरकार ने गुरुजी-शिष्य क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत की है. यह भी कहा कि भाजपा को लोकसभा की एक भी सीट जीतने नहीं दें. कार्यक्रम में कृषि एवं सहकारिता एवं पशुपालन मंत्री बादल पत्रलेख, खरसावां विधायक दशरथ गागराई, ईचागढ़ विधायक सविता महतो, सुवर्णरेखा परियोजना के प्रशासक मंजू नाथ मजंत्री, मुख्यमंत्री सचिव अरवा राजकमल, अभियंता प्रमुख जल संसाधन विभाग नागेश मिश्रा आदि मंचासीन रहे.आयोजन को सफल बनाने में जिले के डीसी रविशंकर शुक्ला, एसपी मनीष टोप्पो, एसडीएम पारुल सिंह, गम्हरिया बीडीओ प्रवीण कुमार सिंह, सीओ कमल किशोर सिंह समेत जिले के प्रशासनिक अधिकारी एवं कई थानों के प्रभारी एवं पुलिस बल का जवान तैनात रहे.

सरकार में आए तो 30 लाख नौकरियां...

कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र में किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी देने का वादा किया गया है. आदिवासियों की जल, जंगल की लड़ाई हमारी लड़ाई है.आपके साथ हम खड़े हैं. जनसभा को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी संबोधित किया.

समानता के लिए संघर्ष

सशक्त महिला के बगैर विकसित और उन्नत राष्ट्र की कल्पना नहीं की जा सकती है. इसी क्रम में अनेक शायरों ने महिला के आंचल को परचम बना लेने का आह्वान भी किया है. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 अपने सभी नागरिकों को समानता के अधिकार की गारंटी देता है, चाहे उनका लिंग कुछ भी हो. संविधान पुरुषों और महिलाओं को समान अवसर और अधिकार प्रदान करता है. इसके अतिरिक्त भारत में महिला अधिकारों से संबंधित कई सकारात्मक क़ानून हैं. जैसे शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009, जो 6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों (लड़कियों सहित) को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार की गारंटी देता है. परंतु फिर भी विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में देश की कुल महिला साक्षरता दर 69% है. समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976 यह सुनिश्चित करता है कि पुरुषों और महिलाओं को समान काम के लिए समान वेतन मिले. हालांकि, विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 के अनुसार, भारत में पुरुष श्रम आय का 82% कमाते हैं, जबकि महिलाएं 18% कमाती हैं. जुलाई 2022 और जून 2023 के बीच, एक औसत वेतन भोगी भारतीय पुरुष ने एक महीने में 20,666 रुपये कमाए. जबकि एक महिला ने 15,722 रुपये कमाए. घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005, महिलाओं को उनके पति या रिश्तेदारों द्वारा शारीरिक, भावनात्मक और मौखिक दुर्व्यवहार से कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है. लेकिन राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में दर्ज महिलाओं के खिलाफ अपराध के 4,45,256 मामलों (जो 2021 की तुलना में 4% अधिक थे) में से पति अथवा रिश्तेदारों द्वारा घरेलू दुर्व्यवहार या क्रूरता के अपराध सबसे अधिक (31.4%) थे. इसके बाद महिलाओं का अपहरण (19.2%), महिलाओं पर यौन हमला (18.7%), और बलात्कार (7.1%) है और ये तो वो आंकड़े हैं जो दर्ज किये गये थे. ऐसे बहुत से मामले तो सामने नहीं आते और अनसुने रह जाते हैं. अक्सर बताया जाता है कि समय बदल रहा है और महिलाएं तथा लड़कियां अधिक संख्या में समाज में अपना उचित स्थान पाने की जंग कर रही हैं और असमान सामाजिक बंधनों को तोड़ रही हैं. इस कथन में थोड़ी बहुत सच्चाई हो सकती है, लेकिन जिस धीमी गति से यह परिवर्तन हो रहा है, उसने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को भी चेतावनी देने के लिए मजबूर किया है कि "मौजूदा ट्रैक पर, लैंगिक समानता 300 साल दूर होने का अनुमान है." लैंगिक समानता का तात्पर्य यह है कि सभी वर्गों की महिलाओं, पुरुषों, लड़कों और लड़कियों को समान अधिकारों, संसाधनों और अवसरों तक समान पहुंच प्राप्त है. इसके विपरीत, पितृसत्ता एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था है, जिसमें सत्ता, प्रभुत्व और विशेषाधिकार के पद मुख्य रूप से पुरुषों के पास होते हैं. इसलिए पितृसत्तात्मक समाजों में पुरुषों और महिलाओं के लिए सामाजिक मानदंड अक्सर बहुत भिन्न होते हैं और लैंगिक असमानताओं को जन्म देते हैं. ऐसे पुरुष प्रधान समाज में पुरुषों को महिलाओं की तुलना में अधिक महत्व दिया जाता है और उनके पास महिलाओं की तुलना में कहीं अधिक शक्ति, संसाधन, अवसर, अधिकार, विशेषाधिकार होते हैं.

> हालांकि, विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 के अनुसार, भारत में पुरुष श्रम आय का 82% कमाते हैं, जबकि महिलाएं 18% कमाती हैं. जुलाई 2022 और जून 2023 के बीच, एक औसत वेतन भोगी भारतीय पुरुष ने एक महीने में 20,666 रुपये कमाए.

सुभाषित

न चौर्यहार्यं न च राजहार्यं न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि।
व्यये कृते वर्धत व नित्यं विद्याधनं सर्वधनप्रधानम।।

विद्या जैसा कोई धन नहीं हो सकता. विद्या एक ऐससा धन है, जिसे न चोर चुरा सकता है, न राजा ले सकता है, न भाई बांट सकता है, न कंधे पर बोझ है, खर्च करने पर यह हमेशा बढ़ता है, ऐसी शिक्षा सभी धन में प्रमुख है. इसलिए विद्या धन को प्राप्त करने का प्रयास किया जाना चाहिए.

पुरुषों से नहीं, पुरुषवादी सोच से चाहिए मुक्ति

महिलाएं समानता के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रही हैं, पर यह सच है कि नारी और समानता नदी के दो छोर की तरह रहे हैं. पुरुषों के बनाए मिथकों का अनंतजाल उन्हें समानता के पायदान पर खड़े होने से रोकता है. स्त्री ही स्त्री की दुश्मन है, त्रिया चरित्रं देवो न जानाति, माया महा ठगनी हम जानी, स्त्रियां सहनशीलता की देवी हैं, स्त्रियां ममता की मूर्ति हैं...ऐसे आधार वाक्य रच दिए गए हैं और इन्हें पुख्ता करने के लिए मिसालों की ढेर लगा दी गई है.

• देश-काल

चेतना झा

आठ मार्च यानी महिला दिवस पर हर साल एक सवाल इसके औचित्य पर उठता है. साथ ही पूछा जाने लगता है कि महिलाएं मुक्ति आखिर किनसे चाहती हैं. अपनी शारीरिक-प्राकृतिक विशेषताओं से, पिता, पति, भाई या बेटे से या दुनिया के तमाम पुरुषों से. एक बार फिर दुनिया की तमाम महिलाओं की तरफ से हम एलान करना चाहती हैं कि हमें न पुरुषों से मुक्ति चाहिए और न परिवार, समाज या देश से. हमारी लड़ाई बस पीढ़ी दर पीढ़ी स्थापित कर दी गई उस पुरुषवादी मनोवृत्ति से है, जो महिलाओं को खुद से कमतर समझते हैं. हमारी लड़ाई में भी हमारी जिम्मेदारी छिपी है, क्योंकि हम जानते हैं कि पुरुष कहीं दूसरी दुनिया से आयातित नहीं, बल्कि हमारी ही कोख से आया है. जाहिर है कि जब जन्म हमने दिया है तो उसकी परवरिश में हुई भूल चूक की जिम्मेदारी भी हमारी ही है.

हम जानते हैं कि लाख विरोध, लाख संघर्ष के बावजूद स्त्री और पुरुष की लड़ाई दो देश, दो नस्ल, दो जाति, दो दल या दो वर्ग की लड़ाई नहीं. यहां अमीर-गरीब, सवर्ण-दलित, गोरे-काले या सत्ता पक्ष-विपक्ष की तरह इंट्रेस्ट ग्रुप अलग नहीं. स्त्री और पुरुष में हारे जो कोई, प्रभावित दोनों होते हैं. परिवार और बच्चे पर इसका असर पडता है. शायद यही कारण है कि तमाम कानून से वाकिफ रहने के बावजूद महिलाएं कई बार चुप लगा जाती हैं, पर इस चुप्पी की भी वकालत नहीं की जा सकती. आवाज उठानी होगी.

अक्सर चावल या दाल पकाते समय हम एक दाना निकाल कर देखते हैं कि यह पका या नहीं. कुछ यही हाल है समाज में महिलाओं की अभिव्यक्ति का. अगर आप, आपके परिवार, पड़ोस या गांव में कोई महिला पीड़ित है तो इसका मतलब है कि और भी कई महिलाएं इस दर्द से गुजर रही हैं. अक्सर हम घर परिवार की इज्जत, समाज क्या कहेगा आदि के नाम पर उफ तक नहीं करते. महिला सशक्तीकरण के लिए काम कर रही महिलाओं ने इस सूत्र की पहचान कर अपने अनुभवों का निचोड़ देते हुए कहा है कि पर्सनल इज पॉलिटिकल. एक के प्रतिरोध में दूसरी कई महिलाओं की तकलीफों का इलाज छिपा है.

महिला दिवस पर एक बार फिर हम चीख कर कहना चाहते हैं कि हम महिला दिवस मनाते हैं, फेमिनिस्ट हैं, इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि हम मर्द बनना चाहतीं. हां, अपवाद में हुई है घटना कभी ब्रा बर्निंग की. पर सच यही है कि हमें अपनी प्राकृतिक संरचना पर गर्व है. जो हमारी शारीरिक-मानसिक संरचना है, हमें बेहद प्रिय है. हमें मातृत्व से मुक्ति नहीं चाहिए, मुक्ति चाहिए पुरुषों की उस सोच से, जो हमें जनने की मशीन समझता है. मुक्ति चाहिए उस दानवी सोच से, जो स्त्रियों के शरीर को बस भोग्या समझता है.

महिलाएं समानता के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रही हैं, पर यह सच है कि नारी और समानता नदी के दो छोर की तरह रहे हैं. पुरुषों के बनाए मिथकों का अनंतजाल उन्हें समानता के पायदान पर खड़े होने से रोकता है. स्त्री ही स्त्री की दुश्मन है, त्रिया चरित्रं देवो न जानाति, माया महा ठगनी हम जानी, स्त्रियां सहनशीलता की देवी हैं, स्त्रियां ममता की मूर्ति हैं...ऐसे आधार वाक्य रच दिए गए हैं और इन्हें पुख्ता करने के लिए मिसालों की ढेर लगा दी गई है. साहित्य से लेकर संस्कृति तक में इन आधार वाक्यों को साबित करने के लिए पुरुषों ने अपनी ऊर्जा झोंक दी है. हमारा सवाल है क्या दो पुरुषों में लड़ाई नहीं होती? देश के न्यायालयों के रिकॉर्ड निकाल कर देख लीजिए, मर्द-मर्द की लड़ाई की दास्तानें अधिक हैं या औरतों के झगड़े ये निबटा रहे. सच पूछिए तो महिलाओं को एकजुट होने से रोकने के लिए ये षड्यंत्र पुरुषवादी व्यवस्था ने रची है, ताकि हम एक होकर उनकी सत्ता को चुनौती नहीं दे सकें. इसीलिए तो कहा जाता है कि हिस्ट्री है हिज स्टोरी. दरकार है कलम अपने हाथ में लेकर हम महिलाएं खुद लिखें हर स्टोरी. परवरिश के दौरान सतर्कता बरतें, ताकि जिसे हमने नौ महीने कोख में रखा और बाद में भी शुरुआती बीस-पच्चीस वर्षों तक परवरिश की, वही महिलाओं को कमतर नहीं समझे. दरकार इस बात की है हम काम, गुण और प्रवृत्ति को औरताना मर्दाना खाना में बांटना बंद कर दें. इस संबंध में वर्षों पहले पढ़ा राष्ट्रीय महिला आयोग की तत्कालीन अध्यक्ष विभा पार्थसारथी का इंटरव्यू मुझे अक्सर याद आ जाता है. उन्होंने लिखा था कि नन्हें बेटे के लिए किताब खरीदने गईं तो देखा कि किताब चाहे हिन्दी में लिखी गई हों या इंग्लिश में, पुरुष ही पुरुष छाए हुए थे. उन्होंने कुछ चित्रों पर पेन चलाते हुए उन्हें स्त्री का रूप दिया. छोटी सी बात, पर गहरे असर वाली. ऐसे छोटे-छोटे प्रयास बड़े परिणाम लाएंगे. हम शर्माते हैं, अधिक महत्वाकांक्षा नहीं पालते, चूहों-कॉक्रोच से डरते हैं...दरकार हमारे खुद के इन प्रदर्शनों से मुक्ति की भी है. हम डरते हैं कि क्रोध, साहस, महत्वाकांक्षा के प्रदर्शन से हमें लेस फेमिनाइन मान लिया जाएगा.

अक्सर परिवार में यह तर्क भी दिया जाता है कि बच्चों को उनके लिंग के अनुरूप परवरिश नहीं देने पर आगे एडजस्टमेंट में दिक्कत होगी. मनोविज्ञान हमारी इस आशंका को निर्मूल मानता है. मनोविज्ञान स्पष्ट कर चुका है कि सफल और सुव्यवस्थित जीवन के लिए औरतों के गुण यानी स्नेह, ममता, सहनशीलता, उदारता की जितनी दरकार होती है, उतना ही जरूरी होता है साहस, वीरता, क्रोध जैसा पुरुषों का माने जाने वाला गुण. यानी एक अच्छा और सफल व्यक्तित्व वही है, जिसमें महिलाओं व पुरुषों, दोनों के गुण संतुलित मात्रा में उपलब्ध हों. मनोविज्ञान ऐसे व्यक्तित्व को एंड्रोजेनस कहता है. भारतीय संस्कृति में इसे ही अर्धनारीश्वर का नाम दिया गया है. यह सुखद संयोग है कि इसी अर्धनारीश्वर की आराधना (शिवरात्रि) हम इस महिला दिवस पर कर रहे हैं.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

धर्म का असर

एक व्यक्ति ने साधक से पूछा " क्या कारण है कि आज धर्म का असर नहीं होता?" साधक बोले- यहां से दिल्ली कितनी दूर है?, उसने कहा- दो सौ माईल. तुम जानते हो? मेरे पूछने पर उसने कहा- हां मै जानता हूं. क्या तुम अभी दिल्ली पहूँच गये? पहूंचा कैसे? अभी तो यहां चलूंगा, तब पहुंचूंगा. साधक बोले, यही तुम्हारे प्रश्न का उत्तर है, दिल्ली तुम जानते हो, पर जब तक तुम उस ओर प्रस्थान नहीं करोगे, तब तक दिल्ली नहीं पहुंच सकोगे. यही बात धर्म के लिए है. लोग धर्म को जानते हैं, पर जब तक उसके नियमों पर नहीं चलेंगे, उस ओर गति नहीं करेंगे, धर्म पा नहीं सकेंगे, अंगीकार किये बिना धर्म का असर कैसे होगा? एक शिष्य गुरु के पास आकर बोला, गुरुजी हमेशा लोग प्रश्न करते है कि धर्म का असर क्यों नहीं होता, मेरे मन में भी यह प्रश्न चक्कर लगा रहा है. गुरु समयज्ञ थे, बोले- वत्स! जाओ, एक घडा शराब ले आओ. शिष्य शराब का नाम सुनते ही आवाक् रह गया. गुरु और शराब! वह सोचता ही रह गया. गुरु ने कहा सोचते क्या हो? जाओ एक घडा शराब ले आओ. वह गया और एक छलाछल भरा शराब का घडा ले आया. गुरु के समक्ष रख बोला-आज्ञा का पालन कर लिया. गुरु बोले – यह सारी शराब पी लो. शिष्य अचंभित, गुरु ने कहा- शिष्य! एक बात का ध्यान रखना, पीना पर शीघ्र कुल्ला थूक देना, गले के नीचे मत उतारना. शिष्य ने वही किया, शराब मुंह में भरकर तत्काल थूक देता, देखते देखते घडा खाली हो गया. आकर कहा- गुरुदेव घडा खाली हो गया. तुझे नशा आया या नहीं? पूछा गुरु ने. शिष्य बोला-गुरुदेव! नशा तो बिल्कुल नहीं आया. अरे शराब का पूरा घडा खाली कर गये और नशा नहीं चढा? गुरुदेव नशा तो तब आता जब शराब गले से नीचे उतरती, गले के नीचे तो एक बूंद भी नहीं गई फ़िर नशा कैसे चढता. बस फिर धर्म को भी ऊपर ऊपर से जान लेते हो, गले के नीचे तो उतरता ही नहीं, व्यवहार में आता नहीं तो प्रभाव कैसे पडेगा. पतन सहज ही हो जाता है, उत्थान बडा दुष्कर है. दोषयुक्त कर्म प्रयोग सहजता से हो जाता है, किन्तु सत्कर्म के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता होती है. पुरुषार्थ की अपेक्षा रहती ही है. जिस प्रकार वस्त्र सहजता से फट तो सकता है पर वह सहजता से सिल नहीं सकता. बस उसी प्रकार हमारे दैनदिनी आवश्यकताओं में दूषित कार्य संयोग स्वतः सम्भव है तथा उस कारण अधोपतन सहज ही हो जाता है, लेकिन चरित्र उत्थान व गुण निर्माण के लिए दृढ पुरुषार्थ की आवश्यकता रहती है.

विकास का लाभ वंचितों को भी मिले

• विमर्श

अंजन राय

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने शुक्रवार को जारी सकल घरेलू उत्पाद में चौथी तिमाही में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाकर अर्थशास्त्रियों, विशेषज्ञों और वित्तीय बाजारों को भ्रमित कर दिया है. इन जीडीपी आंकड़ों के जारी होने से अर्थशास्त्रियों और टिप्पणीकारों के बीच यह साबित करने के लिए एक-दूसरे को मात देने का दौर शुरू हो गया है कि वे सांख्यिकीय बाजीगरी और कमियां ढूंढने में कितने अच्छे हैं. इस बार विस्तृत आंकड़ों ने लोगों को चौंका दिया है. आगामी संभावित विकास आंकड़े क्या हो सकते हैं, इस पर अर्थशास्त्री अपना अनुमान और आकलन देते हैं. यह एक स्थापित खेल बन गया है और समाचार पत्र से लेकर समाचार एजेंसियां और अन्य लोग विकास की संभावनाओं पर अपने विचार व्यक्त करते हैं. यह अब एक मानक खेल है. हुआ यह कि कोई भी अपने पूर्वानुमानों में वास्तविक आंकड़ों के करीब नहीं पहुंच सका. लगभग हर अनुमान 6 से 6.5प्रतिशत के बीच था. अब यह अनुमान से कहीं बहुत अधिक 8.4 प्रतिशत हो गया है, जैसा कि एनएसओ ने दिखाया है. अब सवाल यह है कि आंकड़ों में इस अन्तर का समाधान कैसे किया जाये? इससे सवाल उठता है कि एनएसओ की गणना कितनी सही है. यह चुनावी मौसम में सिर्फ एक सांख्यिकीय हेरफेर भी हो सकता है. आखिरकार, अगले दो महीनों में आम चुनाव होने वाले हैं और उस दौरान बढ़ती अर्थव्यवस्था सरकार के लिए सहायक साबित होगी. सरकार भारतीय अर्थव्यवस्था को उच्च विकास पथ पर ले जाने में अपनी सफलता का दावा कर सकती है. इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है. विकास की गति है और यदि आप किसी बाज़ार में जाते हैं तो आप इसे अपने चारों ओर देख सकते हैं. दुकानें भरी हुई हैं और भीड़भाड़ है, लोग सामान खरीद रहे हैं, कुछ वर्गों के बीच खर्च करने की होड़ चल रही है. यदि आप मेट्रो ट्रेनों में यात्रा कर रहे हैं, तो आपको अच्छे कपड़े पहने हुए और अच्छे कपड़े पहनने वाले लोग मिलेंगे. मामले की सच्चाई यह है कि अर्थव्यवस्था अपने दम पर है और कोई भी सरकार वास्तव में विकास पथ को काफी आगे नहीं बढ़ा सकती है. यह निश्चित रूप से इसे पटरी से उतार सकता है और खस्ताहाल अर्थव्यवस्था वाले देश के लिए अभिशाप ला सकता है. ऐसा प्रतीत होता है कि महत्वपूर्ण कारक सरकार के कृत्य और अकृत्य हैं, जो अर्थव्यवस्था की दिशा निर्धारित करते हैं- अल्पावधि के साथ-साथ दीर्घावधि में भी. दो उदाहरण लीजिये. वर्तमान सरकार द्वारा मुद्रा विमुद्रीकरण का अचानक लिया गया कदम अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका था और इससे ऐसी स्थिति पैदा हो गयी, जिसमें खिलाड़ियों का एक बड़ा हिस्सा बुरी तरह प्रभावित हुआ. अर्थव्यवस्था के कुछ हिस्से- मुख्य रूप से अनौपचारिक छोटे पैमाने के खिलाड़ी-रुक गये थे. वह अल्पावधि में था. बाद में अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ, लेकिन बहुत कुछ नुकसान हुआ. दूसरा उदाहरण- दीर्घकालिक नुकसान का-जो अधिक विवादास्पद है और कई लोग इससे इनकार करेंगे. भारत की पूर्व की संरक्षणवादी और अनेक निषेधों वाली अर्थव्यवस्था, जो आर्थिक प्रगति की ऊंचाइयों को सुरक्षित रखने के लिए थी, भी आपदा साबित हुई थी. दूरसंचार क्षेत्र को आरक्षित रखने से पूरा क्षेत्र प्रभावित हुआ. हम सभी को याद है- यानी, जो अब बूढ़े हो गये हैं- एकमात्र टेलीफोन कनेक्शन प्राप्त करना या उसके बाद कॉल करना कितना मुश्किल हुआ करता था. पिछली तिमाही की जीडीपी वृद्धि के तात्कालिक कारोबार से इस तरह के प्रयासों में जाने का कारण यह है कि लंबे समय से भारत के पास काम करने के लिए कमोबेश एक स्थिर ढांचा है और इससे जमीनी स्तर के खिलाड़ियों को अपनी तर्कसंगत निर्णय और बात रखने की कुछ हद तक आजादी मिलती है. इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में एक निश्चित उछाल है, भले ही तिमाहियों में दशमलव बिंदु पर बदलावों में कोई भी बदलाव आया हो. उछाल का एक प्रमुख कारण स्थिर राजकोषीय ढांचा प्रतीत होता है. अतीत के विपरीत, जब हर बजट के साथ उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क और असंख्य अन्य कर बदले जाते थे, अब हमारे पास एक स्थिर कर व्यवस्था है. जीएसटी प्रणाली ने केंद्र द्वारा उत्पाद शुल्क दरों और राज्यों में बिक्री करों में अचानक बदलाव से इंकार कर दिया है. यह भी कम महत्वपूर्ण नहीं है कि उद्योग अपने निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है, औद्योगिक लाइसेंसिंग नीति के अभाव के कारण यह पिछले तीस वर्षों से अबाधित है.

> वर्तमान सरकार द्वारा मुद्रा विमुद्रीकरण का अचानक लिया गया कदम अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका था और इससे ऐसी स्थिति पैदा हो गयी, जिसमें खिलाड़ियों का एक बड़ा हिस्सा बुरी तरह प्रभावित हुआ. अर्थव्यवस्था के कुछ हिस्से- मुख्य रूप से अनौपचारिक छोटे पैमाने के खिलाड़ी-रुक गये थे.

गेहूं उत्पादन में ठहराव खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा

• कृषि

डॉ. वीरेन्द्र सिह

पिछले 6 वर्षों में सरकार द्वारा रिकार्डतोड़ गेहूं उत्पादन के दावों के विपरीत, गेहूं के उत्पादन और उत्पादकता में ठहराव देश की खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है. पिछले 50 वर्षों से, हरित क्रांति दौर की तकनीकों को अपनाने से मुख्य अनाज फसलों गेहूं-धान की पैदावार में लगातार विकास ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को स्थायित्व प्रदान किया है. भारत में गेहूं की खेती परम्परागत तौर पर उत्तरी प्रदेशों पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश आदि के मैदानी क्षेत्रों में भरपूर मात्रा में होती है. लेकिन पिछले 3 दशकों में सिंचाई सुविधाओं में वृद्धि होने से देश के मध्य क्षेत्र के प्रदेश राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात आदि भी गेहूं उत्पादक राज्य बन गये हैं. वर्ष 2022-23 के दौरान, भारत में 110 मिलियन टन गेहूं उत्पादन हुआ और वैश्विक बाज़ार में 11,826.90 करोड़ रुपये की कीमत का कम गेहूं निर्यात किया गया. दुनियाभर में, भारत गेहूं का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है. भारत में 2000 के बाद से, गेहूं उत्पादन करने वाले क्षेत्र में 17 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जबकि गेहूं उत्पादन में 40 फीसदी की वृद्धि हुई है. प्रकृति में, गेहूं की फसल को अच्छी पैदावार के लिए ज्यादा अवधि के सर्दकालीन ठंडे मौसम की ज़रूरत होती है, इसलिए गेहूं फसल की खेती को दक्षिण व तटीय प्रदेशों में बढ़ाना तकनीकी तौर पर सम्भव नहीं है.केन्द्र सरकार के सार्वजनिक सूचना ब्यूरो द्वारा 14 मार्च, 2023 को जारी जानकारी के अनुसार वर्ष 2022-23 में गेहूं लगभग 31.86 मिलियन हेक्टेयर भूमि पर उगाया गया और वर्ष 2014 से 2023 के दौरान देश में गेहूं खेती के क्षेत्रफल में मामूली वृद्धि दर्ज हुई, जो मुख्यतः मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान आदि मध्य क्षेत्र के प्रदेशों में हुई है. जबकि परम्परागत गेहूं उत्पादक प्रदेशों उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा आदि में गेहूं खेती का क्षेत्रफल पहले से कम हुआ और हरियाणा में तो गेहूं की उत्पादकता में भी कमी दर्ज हुई है. देश में पिछले 6 वर्षों से 95 प्रतिशत सिंचित क्षेत्र में होने के बावजूद गेहूं फसल की उत्पादकता 33-35 क्विंटल प्रति हेक्टेयर पर अटकी हुई है. जो देश में गेहूं की उत्पादकता में ठहराव का सूचक है. ऐसे में लगातार बढ़ती जनसंख्या की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए, वर्ष 2050 तक भारत को 140 मिलियन टन गेहूं की आवश्यकता का अनुमान सरकार द्वारा लगाया जा रहा है. लेकिन भविष्य में गेहूं खेती के क्षेत्रफल के बढ़ने की ज्यादा संभावना नहीं है. इसलिये गेहूं फसल की उत्पादकता को मौजूदा 34 से 47 क्विंटल प्रति हेक्टेयर करने का लक्ष्य रखना होगा. जो कि देश में उपलब्ध उन्नत तकनीक के आधार पर असंभव तो नहीं, लेकिन मुश्किल ज़रूर रहेगा. क्योंकि उत्तर भारतीय गेहूं उत्पादक प्रदेशों पंजाब और हरियाणा आदि में गेहूं फसल की औसत पैदावार 45 क्विंटल प्रति हेक्टेयर के आसपास ठहर गई है, और मध्य भारत के प्रदेशों में, गेहूं फसल को कम अवधि के सर्द मौसम मिलने से, गेहूं की औसत पैदावार में एक-तिहाई की कमी रहती है. दुर्भाग्य से, भारत में उपलब्ध फसल उत्पादन के सरकारी आंकड़ों की विश्वसनीयता पर भी गहरा संकट छाया हुआ है. पिछले कुछ वर्षों से, पहले रिकार्डतोड़ फसल उत्पादन का दावा करने के बाद, सरकार स्वयं ही गेहूं जैसी मुख्य फसलों के आंकड़े घटाती रही है. वर्ष 2021-22 में, सरकार ने पहले 111 मिलियन टन से ज्यादा गेहूं उत्पादन का दावा किया था, लेकिन बाद में इन आंकड़ों को लगभग 6 प्रतिशत घटाकर 105 मिलियन टन करना पड़ा था. इन आंकड़ों के कारण ही सरकार वर्ष 2022-23 सीजन में 44.4 मिलियन टन लक्ष्य के मुकाबले मात्र 18.8 मिलियन टन और वर्ष 2023-24 सीजन में 34 मिलियन टन लक्ष्य के मुकाबले मात्र 26 मिलियन टन गेहूं की सरकारी खरीद कर सकी है. इसके दुष्प्रभाव से सरकार को अचानक गेहूं निर्यात पर प्रतिबंध लगाने पड़े थे. अमेरिका के कृषि विभाग के अनुसार, भारत में वर्ष 2018 से 2023 के दौरान, गेहूं का कुल उत्पादन औसतन 107 मिलियन टन और उत्पादकता 3.4 टन प्रति हेक्टेयर के आसपास थम गई है. इसी तरह धान की औसत पैदावार भी लगभग 4.1 टन प्रति हेक्टेयर पर ठहरी हुई है. इसी दौरान भारत के कुल धान उत्पादन में दर्ज हुई वृद्धि, धान क्षेत्र के बढ़ने (44 से 47 मिलियन हेक्टेयर) के कारण से हुई है. वर्ष 2023-24 में चावल उत्पादन 132 मिलियन टन रहा.अनुमान के अनुसार भारत में घरेलू खपत के लिए 105 मिलियन टन गेहूं और 109 मिलियन टन चावल वार्षिक की आवश्यकता होती है.

> देश में पिछले 6 वर्षों से 95 प्रतिशत सिंचित क्षेत्र में होने के बावजूद गेहूं फसल की उत्पादकता 33-35 क्विंटल प्रति हेक्टेयर पर अटकी हुई है. जो देश में गेहूं की उत्पादकता में ठहराव का सूचक है. ऐसे में लगातार बढ़ती जनसंख्या की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए, वर्ष 2050 तक भारत को 140 मिलियन टन गेहूं की आवश्यकता का अनुमान सरकार द्वारा लगाया जा रहा है.

मीडिया में अन्यत्र

महिलाओं को अपनी पहचान चुनने का अधिकार

जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए समान अधिकारों की तलाश में, हर उस कृत्य को पूरी तरह त्याग दिया जाना चाहिए जो पदानुक्रम, अन्यीकरण, और पितृसत्तात्मक मानसिकता को उचित ठहराता है. अपनी खुद की पहचान चुनने का अधिकार पाने के लिए, सुश्री दिव्या मोदी टोंग्या ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी कि उन्हें अपने तलाक के बाद अपना शादी से पहले वाला नाम इस्तेमाल करने की इजाजत दी जाए. वह एक सरकारी अधिसूचना के रूप में बाधा का सामना करने के बाद अदालत पहुंचीं. इस अधिसूचना में कहा गया था कि अगर कोई विवाहित महिला तलाक के बाद अपना शादी से पहले वाला नाम इस्तेमाल करना चाहती है तो उसे तलाक के कागजात या अपने पति से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) पेश करना होगा. दिल्ली हाईकोर्ट ने 28 मई को अगली सुनवाई तक केंद्र सरकार का जवाब मांगा है. अपनी याचिका में, सुश्री मोदी टोंग्या का कहना है कि यह अधिसूचना 'लैंगिक दृष्टि से पक्षपातपूर्ण' है और अनुच्छेद 14, 19 और 21 का उल्लंघन करते हुए, उन महिलाओं पर गैरजरूरी पाबंदियां थोपती है, जो अपना नाम चुनने (अपने मामले में उपनाम बदलने) के लिए संवैधानिक अधिकार का इस्तेमाल करना चाहती हैं. तलाक की कानूनी कार्यवाही चल रही हो या नहीं, एनओसी का पूरा विचार ही आपत्तिजनक है, और गहरी जड़ें जमाये उस स्त्रीद्वेष को दिखाता है जो एक व्यक्ति की तरजीह को नियंत्रित करना चाहता है. सुश्री मोदी टोंग्या जिस भी उपनाम के साथ सहज हैं उन्हें उसे चुनने में समर्थ होना चाहिए और उन्हें इसके लिए लड़ने की जरूरत नहीं होनी चाहिए. महिलाओं ने अक्सर यह शिकायत की है कि जब भी वे लीक छोड़कर चली हैं उन्हें परेशानी झेलनी पड़ी है. मसलन, जिन महिलाओं ने शादी के बाद पति का उपनाम नहीं अपनाने का फैसला किया है, उन्हें बैंक खाता खोलने, या स्कूल में बच्चे के दाखिले, या पासपोर्ट के लिए आवेदन इत्यादि के समय ढेरों गैरजरूरी सवालों और बहुत सारी कागजी कार्रवाई से गुजरना पड़ता है. एक समाज जो पहले ही जाति-आधारित पदानुक्रमों से जूझ रहा है उसे किसी रिश्ते में किसी एक को ज्यादा मजबूत स्थिति प्रदान कर भेदभाव में इजाफा नहीं करना चाहिए, बल्कि लैंगिक पक्षपात, भेद और तिरस्कार से रहित ज्यादा महफूज जगहें बनाने की दिशा में काम करना चाहिए. दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत में, सुस्पष्ट लैंगिक असमानताएं बरकरार हैं, जो राजनीतिक भी हैं और सामाजिक भी. महिलाएं घर के अधिकांश अवैतनिक काम करती हैं, और अक्सर उन्हें विभिन्न वजहों से श्रम बल से बाहर धकेल दिया जाता है. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

मंगल/मंगला/मंगली

मंगल भवन अमंगल हारी, द्रवहुं सो दशरथ अजिर बिहारी. गोस्वामी तुलसीदास द्वारा विरचित यह चौपाई इतना लोकप्रिय है कि विद्वान से लेकर कम पढे लिखे या अनपढ़ तक की जुबान पर यह चौपाई जाने अनजाने आती रहती है. शायद ही कोई ऐसा दिन हो जब दो चार बार यह चौपाई किसी न किसी गायक की आवाज में कान तक नहीं पहुंचती हो. इस चौपाई में गोस्वामी जी अपने आराध्य देव भगवान राम की स्तुति करते हैं, जो मंगल का भवन और अमंगल का नाश करनेवाले हैं, वे महाराज दशरथ के आंगन में विचरण करनेवाले भगवान रामचंद्र जी मुझ पर द्रवित हों. मंगल तत्सम संज्ञा पुलिंग शब्द है. इसका अर्थ है कल्याण, भलाई, सप्ताह का एक दिन मंगलवार, सौर जगत का एक ग्रह, शुभ, आनंद, इच्छापूर्ति. मंगल शब्द का प्रयोग कई प्रकार से किया जाता है. जैसे कोई कहीं जा रहा हो तो हम कहते हैं मंगल यात्रा. शुभचिंतक या हितैषी को मंगलकाम कहते हैं. किसी को आशीर्वाद या बधाई देनी हो तो मंगलकामना करते हैं. जो शुभ है, आनंदप्रद है, कल्याणकारी है, वह मंगलकारक या मंगलकारी कहा जाता है. विवाह आदि शुभ अवसरों पर मंगलगान करते हैं. सुहागिनों के गले के एक अभूषण का नाम मंगलसूत्र है. मंगल शब्द का ही स्त्रीलिंग रूप है मंगला. भगवती दुर्गा की आराधना इस श्लोक से की जाती है- जयंती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी, दुर्गा क्षमा शिवा धातृ स्वाहा स्वधा नमोऽस्तुते. मंगला के और भी कई अर्थ हैं. जैसे दूब, तुलसी, संदर स्त्री, मंगल के दिन जिस बालिका का जन्म हुआ हो. शुभ कार्य से पहले होनेवाले मंगलगान को मंगलाचरण कहा जाता है, वहीं सुख समृद्धि अथवा सदाचार के मार्ग को मंगलायन कहते हैं. विवाह के अवसर पर वर-वधू के कल्याण के लिए मंगलाष्टक का पाठ किया जाता है. ऐसा ही एक शब्द है मंगली, जिसका अर्थ है आनंदकारी, मंगलकारी, ज्योतिष के अनुसार जिसकी जन्मकुंडली के प्रथम, चौथे, आठवें या बारहवें स्थान में मंगलग्रह विराजमान हो.

मूर्खों से भरी पड़ी है यह पूरी दुनिया

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

दुनिया मूर्खों से भरी पड़ी है. एक ढूंढो हज़ारों मिलते हैं. कुछ अक्लमंद लोग मूर्खों से इतना परहेज़ करते हैं कि वे उनकी शक्ल नहीं तक नहीं देखना चाहते. ऐसे लोगों को एक महामूर्ख ने कहा है कि उन्हें अपने को किसी अकेली अंधी कोठरी में बंद कर लेना चाहिए. बल्कि उन्हें तो अपना आईना तक फोड़ देना चाहिए. ऐसा नहीं है कि बुद्धिमान लोग मूर्खता नहीं करते. लेकिन वे बस, शुरू शुरू में ही मूर्खता करते हैं. बाद में संभल जाते हैं. किन्तु बाद में जब वे मूर्खता करते हैं तो वह छोटी-मोटी मूर्खता नहीं होती. वह हिमालयी- मूर्खता होती है. किसी बड़े पद पर यदि कोई मूर्ख बैठा दिया जाता है तो एक पहाड़ पर बैठे इंसान की तरह उसे नीचे सब लोग बौने दिखाई देने लगते हैं. और मज़ा यह है कि नीचे के लोगों को वह भी बौना ही दीखता है! हमारा प्रजातंत्र जनता का राज है. ज़ाहिर है, जनता में बुद्धिमानों की बजाय अधिकतर लोग मूर्ख ही होते हैं. और बुद्धिमान भी मूर्खता करने से बाज़ नहीं आते. हम मूर्खों में से ही अपना नेता चुनते हैं और बाद में खुद ही रोते हैं कि हम बड़े मूर्ख हैं जो ऐसा नेता चुन लिया. ऐसी गलती न करने की हम कसम खाते हैं, लेकिन बार बार यही गलती कर बैठते हैं, क्या किया जाए, मूर्ख जो ठहरे. हमें कोई अधिकार नहीं है कि हम अपने को मूर्ख बनाएं, लेकिन दूसरों को मूर्ख बनाने में हम खुद ही बन बैठते हैं. एक मूर्ख और एक धूर्त में फर्क करना बड़ा कठिन होता है. आदमी मूर्ख पैदा हुआ है और ताउम्र मूर्ख ही बना रहता है. बच्चों की मूर्खताएं बचपना कहलाती हैं, जवानी की मुर्खता दीवानगी होती है (गधा-पचीसी). और बुढापे की नासमझी तो मूर्खता से भी गई-बीती है। मेरा पोता मोबाइल हाथ में लिए मुझसे कह रहा था, बाबा आप तो समझते ही नहीं हैं ! मैंने कहा, तुम ठीक कह रहे हो. जब मैं बच्चा था, मेरे पिता मुझसे कहते थे, इतनी बार बताया तू समझता क्यूँ नही है. बड़ा हुआ तो यही जुमलेबाजी मुझे अपने स्कूल और कालेज के अध्यापकों से सुननी पड़ती थी. विवाह के बाद पत्नी ने मुझे समझाने में कोई कोर-कसर नहीं रखी. पर मैं मूर्ख का मूर्ख. अब मेरा बेटा और मेरे बेटे का बेटा कहता है, आप समझते क्यों नहीं बाबा ! हम तो जन्मजात और ताउम्र मूर्ख ही ठहरे, समझें कैसे?

धर्म अध्यात्म

महाशिवरात्रि : भारत का प्राचीनतम पर्व

शिव हो उतरब पार कओने विधि ना

पुरातात्विक तथा अन्य साक्ष्यों के अनुसार, शैव धर्म विश्व का प्राचीनतम धर्म कहा जा सकता है. शैव धर्म के प्रादुर्भाव के संबंध में अनेक कथाएं विभिन्न वेद पुराणों में वर्णित हैं, पर शिव की पूजा के प्रथम ठोस साक्ष्य हमें हड़प्पा, मोहेन जो-दड़ो आदि स्थानों के पुरातात्विक उत्खनन से प्राप्त हुए हैं. अनेक स्थलों से खुदाईयों में हमें ऐसी सामग्रियां प्राप्त हुई हैं जो निर्विवाद रूप से यह सिद्ध करती हैं कि सिंधु घाटी में शिव की पूजा लगभग 4000 ईसा पूर्व से ही होती आ रही है. झारखंड में भी प्राचीन काल से भगवान शिव की अराधना के प्रमाण मौजूद हैं. पेश है ऐतिहासिक व पौराणिक परिपेक्ष्य में शिव-अराधना व झारखंड के प्राचीन शिवमंदिरों पर पुरातत्वविद और साहित्यकार हरेंद्र सिन्हा का आलेख...

कर्दम ऋषि की तपोभूमि है ध्वजाधारी पहाड़

जलाभिषेक मात्र से प्रसन्न हो जाते हैं यहां भोले बाबा

हिमकर श्याम
साहित्यकार

कोडरमा का ध्वजाधारी पहाड़ धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है. यह स्थल ब्रह्मा के मानस पुत्र कर्दम ऋषि की तपोभूमि के रूप में प्रसिद्ध है. कर्दम ऋषि के नाम पर ही इस जिले का नाम कोडरमा पड़ा. जिला मुख्यालय से करीब 500 मीटर दूरी पर स्थित ध्वजाधारी पहाड़ के पास से एनएच 31 गुजरती है. पहाड़ की तलहटी एवं शिखर पर मंदिर है. इसे ध्वजाधारी धाम के नाम से भी बुलाया जाता है.

777 सीढ़ी चढ़कर भोलेनाथ के दर्शन

शिखर पर बाबा भोलेनाथ विराजमान हैं. 777 सीढ़ी चढ़कर भोलेनाथ के दर्शन होते हैं. शिव के अलावा यहां बजरंगबली, राधाकृष्ण एवं नन्दी बाबा का मंदिर है. धाम परिसर में कर्दम ऋषि व राम संप्रदाय के रामानंदाचार्य की प्रतिमा स्थापित की गई है. यहां यज्ञशाला, विश्रामगृह और गौशाला भी है. पहाड़ की चोटी पर वॉच टॉवर का निर्माण कराया गया है. जहां से प्रकृति की सुरम्य वादियों को निहारना मनोहारी लगता है. अयोध्या के निर्मोही अखाड़ा से यहां महंत की नियुक्ति की जाती है.

यह है कथा

कहा जाता है कि भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए कर्दम ऋषि ने यहां वर्षों तक घोर तपस्या की थी. तब यह क्षेत्र बहुत ही घने जंगलों तथा पहाड़-पठार से घिरा था. कर्दम ऋषि को ब्रह्माजी का मानसपुत्र माना जाता है. सृष्टि की रचना के लिए कर्दम ऋषि की उत्पत्ति बह्मा जी की छाया से हुई थी. उनका विवाह मनु की कन्या देवहूति से हुआ था. देवहूति ने नौ कन्याओं को जन्म दिया, जिनका विवाह प्रजापतियों से किया गया था. सांख्य दर्शन का प्रतिपादन करनेवाले महर्षि कपिल भी कर्दम ऋषि और देवहूती के पुत्र थे.

ध्वज और त्रिशूल अर्पण का महत्व

ध्वजाधारी धाम में ध्वज और त्रिशूल चढ़ाने का विशेष महत्व है. कहा जाता है कि कर्दम ऋषि की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें ध्वजा और त्रिशूल प्रदान किया था. तभी से इस पहाड़ का नाम ध्वजाधारी पड़ गया. यहां आने वाले भक्त भगवान शिव का जलाभिषेक करने के बाद ध्वजाधारी पहाड़ पर ध्वजा और त्रिशूल लगाते हैं और भगवान से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं. मान्यता है कि यहां जो भी भक्त सच्ची आस्था और भक्ति के साथ बाबा भोले का जलाभिषेक करते हैं, उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती है.

शिवरात्रि पर मेला

महाशिवरात्रि के मौके पर ध्वजाधारी धाम में दो दिवसीय मेला लगता है. मेले में पूजन सामग्री, खिलौने, श्रृंगार और खाने-पीने की दुकानें लगाई जाती हैं. बच्चों के मनोरंजन के लिए कई तरह के झूले लगाए जाते हैं. श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी ना हो इसका भी ध्यान रखा जाता है.

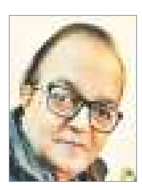

डॉ0 हरेन्द्र सिन्हा
पुरातत्वविद्

शिव पूजा की हमारी यह प्राचीन परंपरा, अर्थात् महाशिवरात्रि आज भी पूरी दुनिया में ही नहीं बल्कि झारखंड सहित देश भर में लोकप्रिय है. महाशिवरात्रि हिंदू धर्म के प्रमुख देवता शिव एवं देवी पार्वती के शुभ-लग्न के उपलक्ष्य में अत्यंत प्राचीन काल से मनाया जाता रहा है. शैव धर्म के प्रादुर्भाव के संबंध में अनेक कथाएं विभिन्न वेद पुराणों में वर्णित हैं, पर शिव की पूजा के प्रथम ठोस साक्ष्य हमें हड़प्पा, मोहेन जो-दड़ो आदि स्थानों के पुरातात्विक उत्खनन से प्राप्त हुए हैं. सिंधु घाटी सभ्यता से संबंधित अनेक स्थलों से खुदाईयों में हमें ऐसी सामग्रियां प्राप्त हुई हैं जो निर्विवाद रूप से यह सिद्ध करती हैं कि सिंधु घाटी में शिव की पूजा लगभग 4000 ईसा पूर्व से ही होती आ रही है. मोहेन जो-दड़ो, हड़प्पा की खुदाईयों में स्टिएटाइट पत्थर तथा पक्की मिट्टी की बनी अनेक ऐसी मोहरें मिली हैं जिस में शिव को विभिन्न रूपों में उत्कीर्ण किया गया है. एक मोहर में एक मानव आकृति को आसन पर बैठा हुआ दिखाया गया है, जिसके चारों ओर चार पशु ; क्रमशः बाघ, हाथी, भैंस, और बंदर बैठे हुए दिखलाए गए हैं. इसके सामने नीचे की ओर दो हिरण भी बैठे हुए अंकित किए गए हैं. इस मानव आकृति के सर पर दो चिन्ह भी प्रदर्शित है जो संभवत आगे चलकर शिव की मूर्तियों में त्रिशूल के रूप में विकसित हुए. इस प्रकार, अब तक प्राप्त साक्ष्यों के अनुसार, पशुपति शिव की ये पहली मूर्ति प्रतीत होती है. इसके अलावा भी मोहेन जो-दड़ो की खुदाई में नृत्य एवं योग मुद्राओं में शिव की, पकी हुई मिट्टी की, अनेक मूर्तियां प्राप्त हुई हैं. पुराणों के अनुसार शिव ने अपने आराधकों के लिए यह घोषणा की थी कि फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की 14वीं तिथि को जो भक्त विधि-विधान पूर्वक उनकी आराधना करेगा, उसे उनकी विशेष कृपा प्राप्त होगी. तब से लेकर आज तक शिव पुराण में वर्णित नियमों का विधिपूर्वक पालन करते हुए शिव भक्त पूर्ण श्रद्धा से महाशिवरात्रि की पूजा कर शिव का आशीष प्राप्त करते हैं.

झारखंड में पग-पग पर शिवधाम

झारखंड में भी शिव पूजा की परंपरा अनादि काल से चली आ रही है और आप झारखंड के अंदरूनी हिस्सों में जब भी यात्रा करेंगे तो गांव-गांव में शिवलिंगों की भरमार दिखाई देगी. जगह-जगह प्राचीन शिव मंदिरों के, मूर्तियों के अवशेष, विभिन्न मुद्राओं में शिव पार्वती की मूर्तियां तथा बड़ी संख्या में शिवलिंग आदि बिखरे पड़े दिखते हैं. विशेष कर खूंटी जिले में एक महादेव मंडा है जहां लगभग 40- 50 प्राचीन शिवलिंग दिखते हैं. इसी प्रकार गुमला जिला के अंजनधाम में भी शिवलिंगों की भरमार है. प्राचीन शिव मंदिर भी झारखंड में सैकड़ों की संख्या में पाये गए हैं, यथा; हर्राडीह, हरिन, देवड़ी, बेनुसागर, टांगीनाथ, खकपरता, देवघर, दुलमी, इटखोरी, उपचुड़िया, अखिलेश्वर, चित्रेश्वर, खुखरागढ़, इचागढ़, महादानी आदि के नामों से विख्यात हैं,जहां महाशिवरात्रि पर बड़े-बड़े मेले लगते हैं.

इस प्रकार, झारखंड के आदिवासी समाज में भी शिव की पूजा लगातार होती आई है, आज भी होती है और यहां के सभी वर्ग के सदस्य, चाहे वो आदिवासी हों, सदान हों या अन्य सनातनी हिंदू हों, सभी मिल-जुलकर शिव की आराधना करते हैं और महाशिवरात्रि का पर्व भी वृहद स्तर पर मनाते हैं.

अखिलेश्वर धाम, अशोक धाम, देवघर आदि आज ऐसे अनेक स्थल हैं, जहां इस बात की पुष्टि होती है कि झारखंड में प्राचीन काल से ही शैव धर्म के ये बहुत महत्वपूर्ण केंद्र थे. झारखंड की कई जनजातियां सिंधु घाटी वासियों को ही अपना पूर्वज मानते हैं. तो संभव है कि शिव की पूजा भी इन्हीं के साथ सिंधु घाटी से झारखंड पहुंची हो और इसी कारण संभवतः समाज के हर क्षेत्र में महाशिवरात्रि को झारखंड के महत्वपूर्ण पर्वों में से एक माना जाता है.

पौराणिक ग्रंथों में शिवरात्रि

जहां तक महाशिवरात्रि पर्व के धार्मिक महत्व का प्रश्न है, तो वेद पुराणों में कई प्रसंग हैं जो हमें इस संबंध में प्रचुर जानकारी देते हैं. ऐसी ही एक कथा के अनुसार, जब देव असुर समुद्र मंथन कर रहे थे तो समुद्र से एक विष-घट निकल आया जो पूरे ब्रह्मांड को समाप्त करने के लिए काफी था. इसके ताप से भयाक्रांत देव-असुर, सहायता के लिए भागे-भागे शिव के पास कैलाश पर्वत पहुंचे और शिव को सारी स्थिति से अवगत कराया. तब इस विष-घट के दुष्प्रभाव से दुनिया की रक्षा के लिए शिव ने विष-घट का पान स्वयं कर लिया, किंतु उसे निगला नहीं बल्कि कंठ में ही रोक लिया. विष के प्रभाव से शिव का कंठ नीला पड़ गया और तभी से वो नीलकंठ कहलाए. कहा जाता है कि शिव द्वारा विश्व की रक्षा की अनुकरणीय इस घटना की स्मृति में ही महाशिवरात्रि मनाई जाती है.

महाभारत के 'शांति-पर्व' में वर्णित एक अन्य कथा में कहा जाता है कि शर-शैय्या पर पड़े भीष्म ने धर्म पर प्रवचन देते हुए राजा चित्रभानु के पूर्व जन्म की कथाएं सुनाईं जिससे महाशिवरात्रि के संबंध में एक अन्य जानकारी मिलती है. कथा के अनुसार, पूर्व जन्म में राजा चित्रभानु एक ग़रीब आदिवासी थे. एक दिन वो जलावन की लकड़ी लाने घने जंगल में गए और राह भूल गए. भटकते हुए रात हो गई. सुरक्षित रात बिताने के लिए वह एक पेड़ पर चढ़कर बैठ गए. चारों तरफ से जंगली जीव-जंतुओं की डरावनी आवाज़ें आ रही थीं. वो काफी डर गए और थोड़ी देर में उन्हें नींद भी आने लगी. नींद आने पर पेड़ से गिर जाने का भय था. अतः जगे रहने के लिए, वो शिव के नाम का जाप करते हुए, पेड़ से एक-एक पत्ता तोड़कर नीचे गिराने लगे. संयोगवश, वह बेल का पेड़ था और पेड़ के नीचे ही एक शिवलिंग भी स्थापित था. नींद तथा भय से बचने के लिए रात भर शिव के नाम का जाप करते हुए वो पत्ते तोड़कर नीचे गिराते रहे. इस प्रकार अनजाने में ही शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाकर की गई इस आराधना से शिव अत्यंत प्रसन्न हुए और उस आदिवासी युवक को उन्होंने वर देकर समस्त सुख समृद्धि प्रदान किया. यह घटना भी फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष के त्रयोदशी को ही घटी बताई जाती है. अतः यह धारणा बलवती हुई कि महाशिवरात्रि को विधि विधान पूर्वक शिव की आराधना करने से शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है. महाशिवरात्रि के संदर्भ में अनेक अन्य प्राचीन ग्रंथों में कई अन्य मनोरंजक कहानियां भी प्रचलित हैं.

हड़प्पन मोहर पर भगवान शिव की प्राचीनतम आकृति.

द्वादश ज्योतिर्लिंग

सभी धर्मावलंबियों ने वेद पुराणों का गहन अध्ययन कर शिव के संबंध में जो जानकारियां प्राप्त कीं, उनके आधार पर देशभर में कुल 12 ज्योतिर्लिंगों की भी स्थापना की गई, जिन्हें द्वादश ज्योतिर्लिंग के नाम से जाना जाता है. इन द्वादश ज्योतिर्लिंगों में श्री सोमनाथ और श्री नागेश्वर (गुजरात); श्री मल्लिकार्जुन (आंध्र प्रदेश), श्री महाकालेश्वर तथा ओंकारेश्वर (मध्य प्रदेश), श्री विश्वनाथ (उत्तर प्रदेश), श्री त्रयंबकेश्वर तथा श्री घुश्मेश्वर (महाराष्ट्र), श्री वैद्यनाथ (झारखंड), श्री केदारनाथ (हिमालय), श्री रामेश्वर (तमिलनाडु) एवं श्री भीमेश्वर (असम) के नाम से विख्यात हैं.

शिवरात्रि पर अर्पित होता बिल्व पत्र-धतूरा

महाशिवरात्रि के दिन शिव की पूजा पूरे धूमधाम से की जाती है. भक्तगण उपवास रखकर सारी रात शिव की आराधना करते हैं. इस पूजा में शिवलिंग पर पवित्र जल, दूध, बिल्व-पत्र, धतूरा एवं अन्य फल आदि चढ़ाए जाते हैं. शिव मंदिरों को भव्य ढंग से सजाकर रात भर कीर्तन-भजन आदि किए जाते हैं.

झारखंड धाम : जहां शिव जी ने अर्जुन को पाशुपत अस्त्र प्रदान किया

युगल किशोर पंडित
साहित्यकार

झारखंड धाम एक ऐसा शिव धाम है जो पुरातन समय से लोक आस्था का केंद्र रहा है. गिरिडीह जिले के जमुआ प्रखंड में अवस्थित इस बाबा धाम को झारखंडी बाबा या बाबा झारखण्ड नाथ के नाम से भी जाना जाता है. इस मंदिर से जुड़ी कई मान्यताएं हैं जिससे इसकी महत्ता परिलक्षित होती है. भक्तों की मुरादें पूरी होने से उनकी आस्था भी बलवती होती रही है. मंदिर में स्थापित शिवलिंग की एक खासियत यह है कि बाबा छत विहीन हैं. कहते हैं भक्तों ने कई बार छत ढलाई की कोशिश की पर शिव जी ने स्वप्न में आकर मना कर दिया. शिव जी यहां खुले में रहना पसंद करते हैं.

अर्जुन ने की थी तपस्या

मान्यता है कि इसी स्थल पर अर्जुन को शिव जी से पाशुपत अस्त्र प्राप्त हुआ था. महाभारत में इस स्थल को खांडव वन कहा गया है. कृष्ण ने इस दिव्य हथियार को प्राप्त करने के लिए तपस्या करने की सलाह अर्जुन को दिया तो अर्जुन ने इसके लिए खांडव वन (झारखण्ड नाथ धाम) को चुना. तपस्या की खबर पाकर दुर्योधन ने अर्जुन को मारने के लिए एक असुर (मुकासुर) को भेजा. मुकासुर ने अर्जुन की पूजा में बाधा डालने के लिए जंगली सूअर का रूप धारण किया. यह जानकर शिव जी उनकी परीक्षा लेने एक शिकारी के रूप में वहां प्रकट हुए. अर्जुन ने सूअर पर तीर चलाया और उसे मार डाला. उसी समय, शिव (किरात भेष में) ने भी अपने धनुष से एक बाण छोड़ा था. दोनों के बीच इस बात को लेकर वाद विवाद होने लगा कि सूअर को किसके तीर ने मारा है. दोनों के बीच तीर से वार होने लगा. अर्जुन ने मन ही मन एक माला चढ़ाई. आंख खोले तो देखा कि वह माला किरात के मुकुट पर थी. तब उन्हें समझ आया कि किरात भेष में ये साक्षात् भगवान शिव हैं. खुशी से अभिभूत होकर अर्जुन उनके चरणों में गिर पड़े. शिव जी प्रसन्न होकर पर्वती सहित अर्जुन को दर्शन दिए और उन्हें पाशुपतास्त्र का आशीर्वाद दिया.

रावण ने भी किया तप

दूसरी मान्यता यह है की लगातार 10 हजार वर्षों तक तपस्या करने के बाद भी जब रावण की मनोकामना पूर्ण नहीं हुई तो कैलाश पर्वत छोड़कर झारखंड नाथ की शरण में आए. यहाँ तपस्या के बाद जब उनकी मनोकामना पूर्ण हुई तो शिवलिंग लेकर लंका की ओर चले.

राजा गिरिवर ने शुरू कराई पूजा

एक किंवदंती यह भी है की रोज बढ़ते झारखंड नाथ शिवलिंग स्वरूप को जंगल में विचरण करनेवाले व्यक्तियों/चरवाहे द्वारा खंडित किया जाता था लेकिन अगले दिन फिर से बढ़ा हुआ मिलता. चूंकि

यह क्षेत्र पूरी तरह जंगलों से घिरा हुआ था सो चरवाहे पेड़ों से बेर तोड़कर इसी शिवलिंग पर बैठकर खाते थे. एक दिन संपूर्ण शिवलिंग को उनलोगों ने तोड़ दिया तो रक्त की धारा प्रवाहित होने लगी. लोग आश्चर्यचकित हो उठे. यह बात क्षेत्र में आग की तरह फैल गई. तत्कालीन समय में राजा गिरवर नारायण देव के पूर्वज के माध्यम से यहां राज्य संचालित हो रहा था. जब यह खबर राजा तक पहुंची तो उन्होंने सैनिकों को भेजा. बाद में राजा सपरिवार स्थिति का जायजा लेने पधारे. वापस लौटने पर रात को स्वप्न में शिवजी उनसे बोले- मैं झारखंड नाथ के नाम से भोलेनाथ ही हूं. मेरे पूजन की व्यवस्था करो राजन. तब करता राम, बोधा राम और जोधा राम (तीनों भाई) पुजारी के रूप में आमंत्रित किए गए. इन पुजारियों को चार गांव दान में मिला. ये चार गांव थे- सिंगारडीह, मुरखारी, सुरही, गोंदाडीह और नावागढ़. इस घटना के बाद लोगों की आस्था बलवती हो गई और शिवलिंग की पूजा होने लगी. तभी से यहां श्रृंगार पूजा की भी परंपरा शुरू हुई.

एक अरघे में है दो शिवलिंग

यहां का शिवलिंग द्वादश ज्योतिर्लिंग से अलग जागृत अवस्था में स्वयंभू के नाम से जाना जाता है. शायद यह एकमात्र उदाहरण है जहां एक अरघे में दो शिवलिंग हैं. एक स्वयंभू लिंग और दूसरा कामना लिंग. कहते हैं यहां कालसर्प का दोष भी कटित होता है. मंगलवर्ती, मंगलवर्ता, शनिवर्ती का दोष भी कटता है. इसे तपोभूमि के नाम से भी जाना जाता है. श्रद्धालु मनोकामना पूर्ति हेतु धरना देने बिहार, बंगाल, उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों से भी आते हैं. मन्दिर के पुजारियों की मानें तो बाबा की कृपा से डबल किडनी फेल हुआ मरीज भी ठीक हुआ है. पुत्र प्राप्ति, रोग मुक्ति, धन-यश प्राप्ति के लिए सालों भर शरणार्थी यहां जुटते हैं. मार्च से जून-जुलाई तक विवाह के लिए लोगों की भीड़ जुटी रहती है. सावन में कांवरियों का जत्था उमड़ता है. सोमवारी एवं पूर्णिमा को 4-5 लाख लोग जलार्पण हेतु उमड़ते हैं जबकि दो लाख के आसपास भक्त शिवरात्रि के अवसर पर जल चढ़ाते हैं. मंदिर परिसर में हनुमान, पंचमुखी महादेव, काली, दुर्गा, सरस्वती सहित अन्य देवी-देवताओं को भी स्थापित किया गया है. इसकी महत्ता को देखते हुए वर्ष 2018 में राज्य सरकार ने झारखण्ड महोत्सव कराने का निर्णय लिया. तब बड़े धूमधाम से महोत्सव का आयोजन भी हुआ था.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

पांचवां टेस्ट : पहली पारी में 218 रन पर सिमटा इंग्लैंड, भारतीय बल्लेबाजों ने की ठोस शुरुआत

धर्मशाला के सर्द माहौल में छायी स्पिनबॉल की गर्मी

भाषा । धर्मशाला

बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव के पांच और 100वां टेस्ट खेल रहे ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के चार विकेट से इंग्लैंड को 218 रन पर समेटने के बाद भारत ने पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन एक विकेट पर 135 रन बनाकर अपना पलड़ा भारी रखा. कप्तान रोहित शर्मा (83 गेंद में नाबाद 52, छह चौके, दो छक्के) और यशस्वी जायसवाल (58 गेंद में 57 रन, पांच चौके, तीन छक्के) ने अर्धशतक जड़ने के अलावा पहले विकेट के लिए 104 रन की तेजतर्रार साझेदारी करके भारत को शानदार शुरुआत दिलाई. दिन का खेल खत्म होने पर शुभमन गिल 26 रन बनाकर रोहित का साथ निभा रहे थे. भारत अब इंग्लैंड से सिर्फ 83 रन से पीछे है जबकि उसके नौ विकेट शेष हैं. कुलदीप (72 रन पर पांच विकेट) ने इससे पहले पारी में चौथी बार पांच या इससे अधिक विकेट चटकाते हुए इंग्लैंड के शीर्ष और मध्य क्रम को समेटा तो वहीं अश्विन (51 रन पर चार विकेट) ने निचले क्रम को ध्वस्त किया. रविंद्र जडेजा (17 रन पर एक विकेट) ने भी एक विकेट चटकाए जिससे सभी 10 विकेट स्पिनरों के खाते में गए.

इंग्लैंड के शीर्ष स्कोरर रहे जैक क्राउली : इंग्लैंड की ओर से सलामी बल्लेबाज जैक क्राउली (108 गेंद में 79 रन, 11 चौके और एक छक्का) शीर्ष स्कोरर रहे. अश्विन की तरह अपना 100वां टेस्ट खेल रहे जॉनी बेयरस्टो (18 गेंद में 29 रन), सलामी बल्लेबाज बेन डकेट (27), जो रूट (26) और बेन फोक्स (24) अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे.

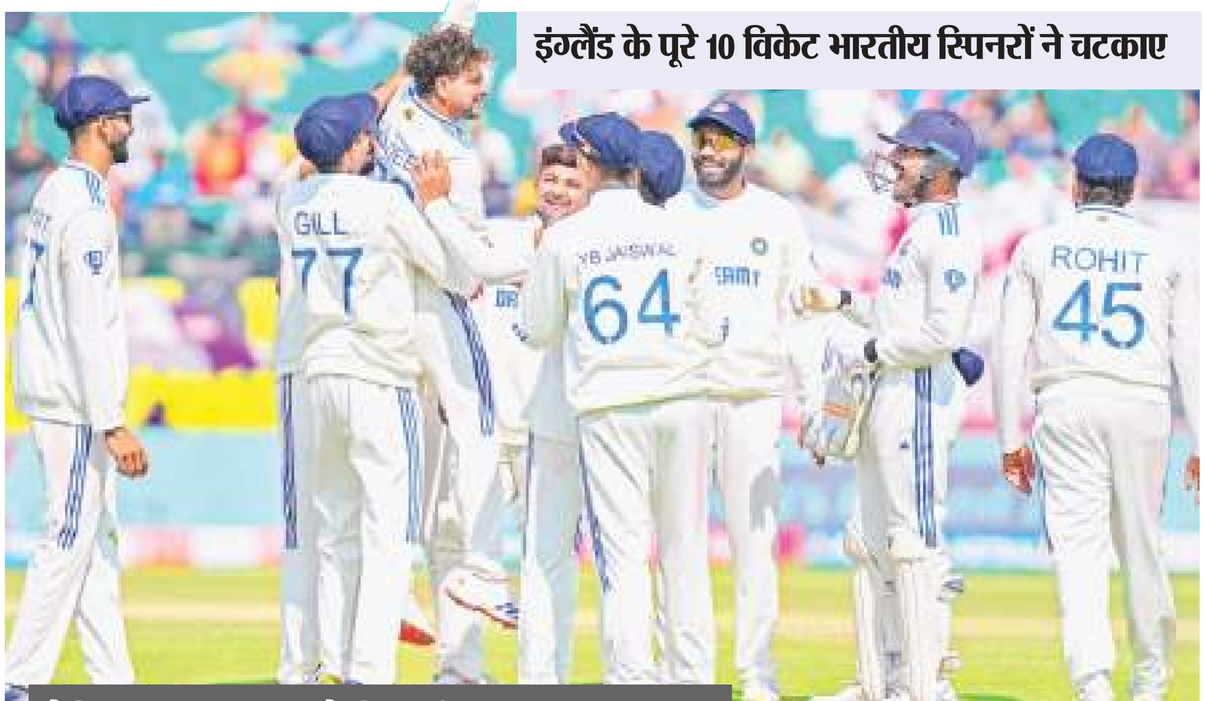

इंग्लैंड के पूरे 10 विकेट भारतीय स्पिनरों ने चटकाए

रोहित व जायसवाल ने दिलायी शानदार शुरुआत

भारत को रोहित और जायसवाल की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई. रोहित ने मार्क वुड पर चौके से खाता खोलने के बाद इस तेज गेंदबाज की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा. रोहित को 20 रन के निजी स्कोर पर जेम्स एंडरसन की गेंद पर मैदानी अंपायर ने विकेट के पीछे कैच आउट करार दिया था लेकिन डीआरएस लेने पर उन्हें अपना फैसला बदलना पड़ा क्योंकि गेंद पैड से लगकर गई थी. जायसवाल ने धीमी शुरुआत के बाद ऑफ स्पिनर शोएब बशीर का स्वागत चार गेंद में तीन छक्कों के साथ किया.जायसवाल ने बशीर पर लगातार दो चौकों के साथ 56 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और 21वें ओवर में टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया.

स्कोर कार्ड

इंग्लैंड पहली पारी :
क्राउली बो कुलदीप 79, बेन डकेट का गिल बो कुलदीप 27
ओली पोप स्टं जुरेल बो कुलदीप 11
जो रूट पगबाधा बो जडेजा 26
जॉनी बेयरस्टो का जुरेल बो कुलदीप 29
बेन स्टोक्स पगबाधा बो कुलदीप 00
बेन फोक्स बो अश्विन 24
टॉम हार्टले का पडिक्कल बो अश्विन 06
मार्क वुड का रोहित बो अश्विन (00)
शोएब बशीर नाबाद 11
जेम्स एंडरसन का पडिक्कल बो अश्विन 0
अतिरिक्त : 05 रन‹, कुल :57 .4 ओवर में सभी विकेट खोकर : 218 रन विकेट पतन : 1-64, 2-100, 3-137, 4-175, 5-175, 6-175, 7-183, 8-183, 9-218 गेंदबाजी : बुमराह 13-2-51-0 सिराज 8-1-24-0, अश्विन 11 .4-1-51-4, कुलदीप 15-1-72-5, जडेजा 10-2-17-1
भारत पहली पारी :
यशस्वी जायसवाल स्टं फोक्स बो बशीर 57
रोहित शर्मा नाबाद 52
शुभमन गिल नाबाद 26
अतिरिक्त : 00‹, कुल :30 ओवर में एक विकेट पर : 135 रन
विकेट पतन : 1-104, गेंदबाजी : एंडरसन 4-1-4-0, वुड 3-0-21-0, हार्टले 12-0-46-0, बशीर 11-2-64-1

तीन खिलाड़ियों के लिए धर्मशाला टेस्ट ऐतिहासिक

स्वास्थ्य समस्याओं से उबरकर पडिक्कल ने किया डेब्यू

बेंगलुरू । देवदत्त पडिक्कल गुरुवार को पदार्पण करते हुए रविचंद्रन अश्विन से भारत की टेस्ट कैप लेते समय काफी मुस्कुराए और इस 23 वर्षीय खिलाड़ी की खुशी ने यहां तक पहुंचने के लिए पिछले दो वर्षों के उनके संघर्ष को छिपा दिया. श्रीलंका के खिलाफ 2021 में टी-20 अंतरराष्ट्रीय के साथ भारत के लिए पदार्पण करने के बाद पडिक्कल के करियर का ग्राफ कोविड-19 संक्रमण और पेट से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उम्मीद के मुताबिक ऊपर नहीं गया. शुरुआती वर्षों में पडिक्कल को कोचिंग देने वाले इरफान सैत ने बताया कि उन दो वर्षों (2021 से 2023 की शुरुआत तक) में वह फिट और स्वस्थ रहने के लिए संघर्ष कर रहा था. उसका वजन भी कम हो रहा था. वह पेट की बीमारी से लगातार परेशान रहा. उन्होंने कहा कि हम एक-दूसरे से फोन पर बात करते रहे और संयोग से मैं भी इसी स्थिति का सामना कर रहा था. हम एक-दूसरे के जाने बिना जैन अस्पताल में एक ही डॉक्टर से सलाह ले रहे थे. पडिक्कल हालांकि बाधाओं से पार पाने को लेकर हमेशा प्रतिबद्ध रहे हैं. उन्होंने कहा कि उसने 2023 सत्र से पहले अपनी फिटनेस और खानपान पर कड़ी मेहनत की क्योंकि वह उस स्थान पर वापस जाना चाहता था जहां 2020-21 में था.

अश्विन व बेयरस्टो ने पूरा किया टेस्ट मैचों का शतक

टेस्ट क्रिकेट ही जीवन है: अश्विन

राहुल द्रविड़ से 100वां टेस्ट कैप प्राप्त करने के बाद अश्विन ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट जीवन के सबसे करीब है. आईपीएल एक बेहद लोकप्रिय टूर्नामेंट रहा है, बहुत सारे बच्चे टी-20 खेलना और आईपीएल में जाना चाहते हैं. मैं सचमुच चाहता हूं कि वे वहां पहुंचें, लेकिन एक बात याद रखें, यह प्रारूप (टेस्ट)... यह कई चीजों में है जो जीवन आपको नहीं सिखाएगा. उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि टेस्ट क्रिकेट ही जीवन है.

100वां टेस्ट कैप मिलने के बाद अपनी मां और बहन के साथ भावुक हुए बेयरस्टो.

चैंपियंस लीग

रियल मैड्रिड व मैनचेस्टर सिटी क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी । मैड्रिड

चैंपियंस लीग में रियल मैड्रिड व मैनचेस्टर सिटी की टीम ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. स्पेन के क्लब रियल मैड्रिड ने दूसरे चरण में आरबी लीपजिंग के साथ 1-1 से ड्रॉ खेलकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. रियल मैड्रिड ने अंतिम 16 के पहले चरण में 1-0 से जीत दर्ज की थी, जिससे कुल 2-1 के स्कोर के साथ रियल मैड्रिड ने अंतिम 8 में प्रवेश किया. मैड्रिड के लिए मैच एक मात्र गोल विनीसियस जूनियर ने किया. मैच में लीपजिंग ने अच्छी शुरुआत की. हालांकि, टीम शुरुआत में मिले मौके को भुनाने में सफल नहीं हो पाई. टीम के फॉरवर्ड लोइस ओपेंडा ने गोल करने के दो अच्छे मौके गंवा दिए. पहला हाफ दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर पाई. दूसरे हाफ के शुरुआत में ही रेफरी के फैसले को लेकर विवाद हो गया. दरअसल मैड्रिड के प्लेयर विनीसियस जूनियर ने आरबी लीपजिंग के विली ओर्बन पर पीछे से अटैक किया और फिर उन्हें धकेल दिया. जिसके बाद रेफरी ने उन्हें येलो कार्ड दिया, जिसको लेकर सवाल उठे. रेफरी विनीसियस को रेड कार्ड देकर बाहर भेज सकते थे.

- रियल मैड्रिड ने दूसरे चरण के मुकाबले में लीपजिंग को 1-1 की बराबरी पर रोका
- पहले चरण के मुकाबले में 1-0 सेजीती थी रियल मैड्रिड की टीम

- 10 मैच से अपराजेय रही है मैनचेस्टर सिटी की टीम
- कुल 6-2 के अंतर से मैनचेस्टर सिटी ने कोपेनहेगन को हराया

लगातार सातवीं बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचा मैनचेस्टर सिटी

मैनचेस्टर । डिफेंडिंग चैंपियन मैनचेस्टर सिटी ने यूईएफए चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल में लगातार सातवीं बार अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है. मैनचेस्टर सिटी ने राउंड 16 मुकाबले के दूसरे चरण में ट्रेबल होल्डर्स को एफसी कोपेनहेगन को 3-1 से हराया. पहले चरण के मुकाबले में मैनचेस्ट सिटी ने कोपेनहेगन को 3-1 से हराया था, जिससे 6-2 के कुल योग के साथ सिटी टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है.

पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण जीतना है लक्ष्य : हरमनप्रीत

भाषा । नयी दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि उनका लक्ष्य तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक को आगामी पेरिस खेलों में स्वर्ण पदक में बदलने का है. रिकॉर्ड आठ बार की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम ने 2021 में तोक्यो में कांस्य पदक के प्लेऑफ में 3-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जर्मनी को 5-4 से हराकर 41 साल के ओलंपिक पदक के सूखे को समाप्त किया था. भारत ने पिछला ओलंपिक स्वर्ण पदक 1980 में मास्को खेलों में जीता था. हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में पेरिस ओलंपिक के लिए भारत के ड्रॉ पर प्रतिक्रिया देते हुए हरमनप्रीत ने कहा

कि तोक्यो में कांस्य पदक जीतना यादगार पल रहा और हम उसी लय को पेरिस ओलंपिक तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं. हमारा लक्ष्य पदक के रंग को बेहतर करके स्वर्ण पदक में तब्दील करना है. उन्होंने कहा कि शुरू में हमारा ध्यान एक समय में एक कदम उठाने का होगा, ग्रुप चरण से अगले दौर में पहुंचने और क्वार्टरफाइनल में जगह सुनिश्चित करने का होगा.

आईपीएल के बाद संन्यास ले सकते हैं दिनेश कार्तिक

धर्मशाला । भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक 22 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2024 सत्र में अंतिम बार इस लुभावनी लीग में खेलने की तैयारी रहे हैं और इस टी-20 लीग के बाद अपने अंतरराष्ट्रीय संन्यास पर फैसला करेंगे. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की ओर से खेलने वाले 38 वर्षीय कार्तिक 2008 से आईपीएल के सभी 16 सत्र में खेले हैं. इस दौरान 16 सत्र में वह सिर्फ दो मैच नहीं खेले. बीसीसीआई के एक सूत्र ने नाम नहीं छापने की शर्त पर पीटीआई को बताया कि 2024 सत्र उनका (दिनेश कार्तिक का) आखिरी आईपीएल होगा. वह आईपीएल के बाद अपने अंतरराष्ट्रीय संन्यास पर फैसला करेंगे.

एशिया लॉन बॉल चैंपियनशिप

भारतीय पुरुष टीम ने जीता स्वर्ण

संवाददाता । रांची

थाईलैंड के पट्टाया में चल रहे एशिया लॉन बॉल चैंपियनशिप में भारतीय टीम ने पुरुष फोर्स स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता. भारतीय टीम ने फाइनल में मलेशिया को 15-10 से हराया. बता दें कि पुरुष 4 की टीम में झारखंड राज्य के (सुनील बहादुर, आलोक लकड़ा और अभिषेक लकड़ा) तीन खिलाड़ी शामिल थे. सुनील बहादुर जैप में कार्यरत हैं वहीं आलोक लकड़ा झारखंड पुलिस में कार्यरत हैं. खिलाड़ियों ने सफलता के लिए कोच डॉ मधुकांत कांत पाठक को श्रेय दिया है. मधुकांत पाठक ने कहा कि लगातार झारखंड के खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे है. अभी के प्रतिभावान खिलाड़ी लगातार अभ्यास कर रहें है. झारखंड में खेल प्रेमीयो में खुशी का लहर है. चंद्रदेव सिंह, शिवकुमार पांडेय, आलोक मिश्र, सशांक भूषण, रामप्रसाद, कृष्ण कुमार, योगेश , रंजीत केशरी समेत अन्य लोगों ने विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी.

प. सिंहभूम ने लातेहार को 201 रन से हराया

अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता

संवाददाता । चाईबासा

झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के तत्वाधान में रांची के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में गुरूवार से शुरू हुए अंतर जिला सीनियर (एलिट ग्रुप) क्रिकेट प्रतियोगिता (एच पी बोधनबाला ट्राफी) के उद्घाटन मैच में पश्चिमी सिंहभूम ने लातेहार को एकतरफा मुकाबले में 201 रनों के भारी अंतर से पराजित किया. टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पश्चिमी सिंहभूम की टीम ने निर्धारित 50 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 429 रनों का पहाड़ सा स्कोर खड़ा किया. शिवम कुमार ने मात्र 42 गेंदों पर दो चौकों एवं ग्यारह छक्कों की मदद से 101 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली. जबकि मयंक पॉल ने 68 गेंदों पर नौ चौकों एवं पांच छक्कों की मदद से 96 रन बनाए और मात्र चार रन से शतक बनाने से चूक गया.

पारी की शुरुआत करने आए बामहस्त विकेटकीपर बल्लेबाज अरविंद कुमार ने भी दस चौकों एवं तीन छक्कों की सहायता से 84 रन, आयुष पाल ने तीन चौकों एवं पांच छक्कों की मदद से नाबाद 55 रन तथा जय प्रकाश राजपूत ने दो चौकों एवं चार छक्कों की सहायता से 42 रनों का योगदान दिया. लातेहार की ओर से हर्ष राणा ने व प्रभात दो-दो विकेट चटकाए जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी लातेहार की टीम ने पूरे 50 ओवर खेलकर नौ विकेट के नुकसान पर 228 रन ही बना सकी.

टेनिस बीएनपी परिबास ओपन से राफेल नडाल ने अपना नाम वापस लिया

'लकी लूजर' के रूप में नागल ने मुख्य ड्रॉ में जगह बनायी

भाषा । इंडियन वेल्स

भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने स्पेन के महान खिलाड़ी राफेल नडाल के बीएनपी परिबास ओपन से हटने पर 'लकी लूजर' के रूप में टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई. शीर्ष स्तर पर खेलने के लिए तैयार नहीं होने का हवाला देकर नडाल टूर्नामेंट से हट गए. छब्बीस साल के नागल क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के दूसरे दौर में हार गए थे लेकिन उस ड्रॉ में शीर्ष खिलाड़ी होने के कारण उन्हें मुख्य ड्रॉ में जगह मिली. वह अभी एटीपी रैंकिंग में 101वें स्थान पर हैं. नागल पहले दौर में 2016 विंबलडन के फाइनल में जगह बनाने वाले मिलोस राओनिक से भिड़ेंगे.

- क्वालीफाइंग के दूसरे दौर में हार गए थे सुमित नागल
- मुख्य ड्रॉ के पहले दौर में राओनिक से भिड़ेंगे नागल

इससे पहले 37 साल के नडाल ने टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया. स्पेन का यह खिलाड़ी चोटों से जूझ रहा है और पिछले सत्र में उन्हें कूल्हे का ऑपरेशन कराने को बाध्य होना पड़ा था. टूर्नामेंट द्वारा जारी बयान में नडाल ने कहा कि यह आसान फैसला नहीं है, यह मुश्किल है लेकिन मैं स्वयं से और अपने हजारों प्रशंसकों से झूठ नहीं बोल सकता. उन्होंने कहा कि मैं कड़ी मेहनत और अभ्यास कर रहा हूं.

एकतरफा मुकबले में एंडी मरे जीते

एंडी मरे ने संभवत: अपने अंतिम बीएनपी परिबास ओपन में आसान जीत के साथ शुरुआत करते हुए पहले दौर में डेविड गोफिन को 6-3, 6-2 से हराया. तीन बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन और दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी मरे ने बुधवार को हुए मुकाबले में तीन बार गोफिन की सर्विस तोड़ी और उन्हें एक बार भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं करना पड़ा. स्कॉटलैंड के 36 साल के मरे ने गोफिन के खिलाफ अब तक सभी आठ मुकाबलों में जीत दर्ज की है. इंडियन वेल्स में 2009 के उप विजेता मरे ने पिछले महीने कहा था कि वह मौजूदा सत्र खत्म होने से पहले संन्यास ले सकते हैं.

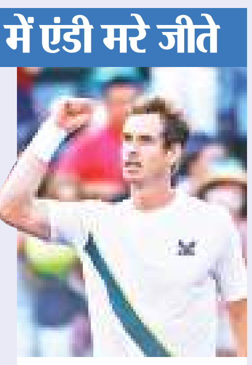

- क्वालीफाइंग के दूसरे दोर में हार गए थे सुमित नागल
- मुख्य ड्रॉ के पहले दौर में राओनिक से भिड़ेंगे नागल

केन विलियमसन और टिम साउदी आज खेलेंगे अपना 100वां टेस्ट

भाषा । वेलिंगटन

शीर्ष बल्लेबाज केन विलियमसन और कप्तान टिम साउथी शुक्रवार से क्राइस्टचर्च में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड के लिए अपना 100वां टेस्ट खेलेंगे जिसे जीतकर मेजबान टीम श्रृंखला ड्रॉ करवाना चाहेगी. विलियमसन और साउथी का न्यूजीलैंड क्रिकेट में योगदान अतुल्नीय है. साउथी 16 जबकि विलियमसन 14 वर्ष से टीम का हिस्सा हैं. विलियमसन न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं. विलियमसन के नाम टेस्ट क्रिकेट में 8,675 रन हैं जो कि देश के अगले सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रोस टेलर से लगभग हजार रन अधिक हैं. उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 18 हजार से अधिक रन हैं. साउथी के नाम 378 टेस्ट विकेट हैं और वह न्यूजीलैंड की सर्वकालिक सूची में रिचर्ड हैडली (431) के बाद दूसरे स्थान पर हैं. वनडे में उनके नाम 221 विकेट हैं जिससे वह डेनियल विटोरी और काइल मिल्स के बाद तीसरे स्थान पर हैं. इस सत्र की शुरुआत में वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में 150 विकेट लेने वाले किसी भी देश के पहले गेंदबाज बने. साउथी इसके साथ ही तीनों प्रारूपों में 100 मैच खेलने वाले दुनिया के चौथे और न्यूजीलैंड के दूसरे खिलाड़ी बन जाएंगे. विलियमसन बेसिन रिजर्व में पहले टेस्ट की पहली पारी में दूसरी गेंद पर शून्य पर रन आउट हो गए और दूसरी पारी में नौ रन बनाए. इस मैच को ऑस्ट्रेलिया ने 172 रन से जीता. इससे पहले उन्होंने अपने पिछले आठ टेस्ट मैचों में से सात में शतक बनाए जिसमें श्रीलंका के खिलाफ दोहरा शतक और इस सत्र की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट की प्रत्येक पारी में शतक भी शामिल है.

खास बातें

- न्यूजीलैंड के सर्वाधिक टेस्ट स्कोरर हैं विलियमसन
- तीनों प्रारूपों में 100 मैच खेलने वाले दूसरे खिलाड़ी बनेंगे साउदी

ब्रीफ खबरें

महिला ने फंदे से लटक कर दे दी जान

दरभंगा । दरभंगा के बिरौल थाना क्षेत्र अगरेडीह गांव में एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. बताया जा रहा है कि विवाहिता का उसके पति के साथ फोन पर विवाद हुआ था. विवाद इतना बढ़ गया था कि कमरे में जाकर उसने सुसाइड कर लिया. मायके वाले का कहना है कि रीना देवी की शादी चार वर्ष पूर्व समस्तीपुर जिला के रहनेवाले मुकेश दास के साथ हुई थी. उसका पति मुम्बई में रहकर मजदूरी किया करता है. वह फोन पर अक्सर विवाद करता रहता था. गुरुवार रात भी दोनों के बीच बातचीत हुई.

बस दुर्घटनाग्रस्त, छह यात्री हुए घायल

बेगूसराय । घटना भगवानपुर थाना क्षेत्र के भगवानपुर हरिचक पथ के जगदीशपुर चौक के समीप की है. बताया जा रहा है कि बुधवार देर रात एक बस बारात में जा रही थी. उसी वक्त बस चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे बने चाय नाश्ते की दुकान से जा टकराई. गनीमत रही की दुकान में सो रहे दुकानदार को शारीरिक क्षति नहीं पहुंची. पीड़ित दुकानदार की पहचान जगदीशपुर निवासी अभिषेक कुमार के रूप में की गई है. वहीं दुकानदारों का कहना है कि तकरीबन 10 लाख की संपत्ति का नुकसान हुआ है. फिलहाल लोगों के द्वारा क्षतिग्रस्त दुकान के लिए मुआवजे की मांग की जा रही है.

जमुई मे सड़क हादसे में वृद्ध की मौत

जमुई । जमुई-सिकंदरा मुख्य मार्ग स्थित बिजली ऑफिस के समीप अपने भतीजे के नवनिर्मित मकान के गृह प्रवेश में आए वृद्ध चाचा को एक बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दिया. जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए. जिसे परिजनों ने एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत नाजुक होने पर डॉक्टर ने उन्हें पटना ले जाने की सलाह दी. जिसके बाद परिजन द्वारा घायल को इलाज के लिए पटना ले जाने के लिए क्लीनिक से निकले लेकिन रास्ते में ही दम तोड़ दिया. मृतक की पहचान खैरा थाना क्षेत्र की चांगोडीह गांव निवासी कार्यानंद सिंह के रूप में हुई है.

लैंड फॉर जॉब स्कैम

भोला सहित 2 के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर

संवाददाता । पटना

नौकरी के बदले जमीन घोटाले मामले में राजद सुप्रीमो लालू यादव की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं. सीबीआई ने नौकरी घोटाले के लिए तत्कालीन रेल मंत्री के विशेष अधिकारी सहित 3 आरोपियों के खिलाफ पूरक आरोप-पत्र दाखिल किया है. सीबीआई ने तीन आरोपितों अशोक कुमार, बबीता कुमारी और भोला यादव के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है. भोला यादव लालू के निजी सचिव थे. विशेष लोक अभियोजक ने कहा कि भोला यादव लालू के सचिव थे, वे ही प्रबंधन कर रहे थे और उनके निर्देश ही अधिकारियों तक जाते थे. भोला के कंप्यूटर से कुछ दस्तावेजी साक्ष्य भी प्राप्त किए गए थे. बता दें कि अदालत ने मामले में बीते वर्ष पूर्व केंद्रीय रेलमंत्री लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और 14 अन्य के खिलाफ समन जारी किया था. सीबीआई ने इस घोटाले में लालू, राबड़ी, उनकी बेटी मीसा भारती और 13 अन्य के खिलाफ अक्टूबर 2022 में मुख्य आरोप पत्र दायर किया था.

सीएम नीतीश कुमार विदेश दौरे पर रवाना

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार सुबह दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं. शुक्रवार को वह यूनाइटेड किंगडम यानी ब्रिटेन के लिए वहां से प्रस्थान करेंगे. एक सप्ताह के लिए विदेश दौरे पर जा रहे हैं. इससे पहले गुरुवार को पटना से दिल्ली के लिए मुख्यमंत्री रवाना हुए.

विदेश जाने के लिए पिछले दिनों ही उन्होंने पटना स्थित रीजनल ऑफिस में जाकर अपना पासपोर्ट रिन्यूअल कराया था. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 7 मार्च से 14 मार्च तक विदेश दौरे पर रहेंगे. बताया जा रहा है कि ब्रिटेन में वह सबसे पहले स्कॉटलैंड जाएंगे. जहां आधुनिक साइंस सिटी का दौरा करेंगे. विदेश जाने से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 5 मार्च को विधान परिषद चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया.

मोतिहारी जिले के पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र में नाबालिग से दरिंदगी

बारात देखने गई लड़की से दो युवकों ने किया दुष्कर्म

संवाददाता । मोतिहारी

जिले में एक नाबालिग के साथ दरिंदगी की गई है. घटना मोतिहारी जिले के पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र की है. यहां के एक गांव की नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप किया गया है. दरअसल, नाबालिग मंगलवार की रात गांव में बारात देखने गई थी. इसी दौरान गांव के ही दो युवक नाबालिग लड़की को नशा सूंघाकर बाइक पर ले गए और फिर उसके साथ गैंगरेप किया. गैंगरेप करने के बाद दोनों युवक बाइक से नाबालिग लड़की को घर छोड़ने आए, तभी नाबालिग लड़की की मां की उस पर नजर पड़ी. युवती को बेहोश हालत में देखकर उसने शोर मचाया, लेकिन तब तक दोनों युवक बाइक से फरार हो गए.

स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ भी घर के पास जमा हो गई. इसके बाद इस घटना की सूचना पकड़ीदयाल थाने को दी गई. सूचना पर पकड़ीदयाल पुलिस घटना स्थल पहुंची. उसके बाद नाबालिग की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे पकड़ीदयाल रेफरल अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया.

लड़की को नशा सूंघाकर बाइक पर ले गए फिर उसके साथ युवकों ने ज्यादती की

लड़की का इलाज चल रहा है

हालांकि, अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां नाबालिग लड़की का इलाज चल रहा है. नाबालिग लड़की अभी बेहोश है. होश में आने के बाद पूरा मामला स्पष्ट हो पाएगा. वहीं पीड़ित नाबालिग लड़की की मां ने बताया कि, गांव में दो-तीन बारात आई थी, जिसे देखने मेरी लड़की गई थी. इसी दौरान दो युवक उसे नशा सूंघा कर मोटरसाइकिल पर कहीं ले गए और उसके साथ गैंगरेप किया. पीड़ित की मां ने बताया कि, गैंगरेप करने के बाद दोनों युवक बेहोशी की हालात में मेरी लड़की को घर पहुंचाने आए, तभी मेरी नजर पड़ी. इसके बाद मैंने हल्ला मचाया, लेकिन जब तक ग्रामीण आते तब तक दोनों युवक मेरी लड़की को छोड़कर फरार हो गए. वहीं, घटना के बारे पकड़ीदयाल थानाध्यक्ष शकुंतला कुमारी ने जानकारी देते हुए बताया कि, घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पुलिस दल बल के साथ पहुंची.

पटना के डाकबंगला चौराहे पर हुई वारदात

ज्वेलर को गोली मारी, सोना लूटा

- लूट का किया विरोध तो चला दी गोली, घायल को अस्पताल में कराया गया है भर्ती

संवाददाता । पटना

पटना के डाक बंगला पर स्वर्ण व्यवसायी को अपराधियों ने गोली मार दी है. उनकी हालत गंभीर है. बताया जा रहा है कि दिनदहाड़े तीन अपराधी स्वर्ण व्यवसायी से लूटपाट कर रहे थे. विरोध करने पर अपराधियों ने गोली चला दी. गोली लगते स्वर्ण व्यवसायी रोड पर गिर गए. इसके बाद तीनों अपराधी ने उनका बैग छीन लिया और फरार हो गए. इधर, घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. आसपास के लोगों की भीड़ लग गई.

इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाया. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. घटनास्थल पर पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही है. सिटी एसपी पश्चिम चंद्र प्रकाश ने बताया कि पुलिस हर पहलुओं पर गहराई से छानबीन कर रही है. अपराधियों की तलाश में छापेमारी चल रही है.

बाइक से तीन युवक पहुंचे थे, सम्राट होटल के नजदीक मारी गोली

बताया जा रहा है कि दिल्ली के करोल बाग निवासी स्वर्ण व्यवसायी एहतेशाम अली डाक बंगला इलाके में ही एक होटल में ठहरे थे. गुरुवार को अपने बैग में सोने के जेवर लेकर किसी व्यापारी के यहां जा रहे थे. इसी क्रम में डाक बंगला स्थित सम्राट होटल के नजदीक तीन युवक उनके पास पहुंचे और बैग को छीनने का प्रयास करने लगे. विरोध करने पर अपराधियों ने स्वर्ण व्यापारी को गोली मार दी और फरार हो गए. आनन-फानन में लोगों ने इसकी सूचना कोतवाली थाने को दी. सूचना मिलते ही सिटी एसपी पश्चिम, डीएसपी विधि व्यवस्था कोतवाली थाना के थाना प्रभारी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे.

मामले की जांच हो रही है

घटना की पुष्टि करते हुए सिटी एसपी ने कहा कि पूरे मामले की पुलिस गहराई से छानबीन कर रही है.

उन्होंने बताया कि पिता और पुत्र किसी व्यापारी से सोने की लेनदेन के लिए डाक बंगला स्थित होटल से निकलकर जा रहे थे. इसी क्रम में अपराधियों के द्वारा उन पर गोली चलाई गई. यह घटना लूटपाट की है या फिर लेनदेन के विवाद की, इसकी जांच की जा रही है. वहीं विधि व्यवस्था डीएसपी ने बताया कि पिता और पुत्र से बातचीत के बाद ही मामला स्पष्ट हो पाएगा.

बिहार में बड़े पैमाने पर आईएएस का तबादला 3 जिलों के डीएम बदले

पटना । लोकसभा चुनाव से पहले बिहार सरकार ने बड़े पैमाने पर आईएएस अधिकारियों का तबादला किया है. कई विभागों के प्रधान सचिव और सचिव बदल दिये गये हैं. वहीं कई को अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है. साथ ही तीन जिलों के डीएम की भी ट्रांसफर-पोस्टिंग हुई है. इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी गयी है. जारी अधिसूचना के अनुसार, दीपक कुमार सिंह भूमि सुधार एवं राजस्व विभाग का अपर मुख्य सचिव बनाया गया है. वहीं, धर्मेंद्र सिंह को खान एवं भूतत्व विभाग का सचिव बनाया गया है. खान एवं भूतत्व विभाग के अपर मुख्य सचिव परमार रवि मनुभाई को मुख्य जांच आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है.

गिरिराज सिंह का लालू यादव पर निशाना

राबड़ी को सीएम बनाया, बिहार में और कोई यादव नहीं थे क्या

संवाददाता । पटना

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने परिवारवाद को लेकर चल रही बयानबाजी के बीच लालू यादव पर पलटवार किया.

सिंह ने कहा कि, लालू यादव ने परिवारवाद का एक ऐसा नमूना पेश किया है जो बिहार की जनता जानती है. लालू ने राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाया और कोई यादव परिवार से बिहार में नहीं था क्या. प्रधानमंत्री की ओर से दिए दिया गए बयान की राजद के लिए उनका परिवार ही सब कुछ है. इस पर सिंह ने कहा, मैं डंके की चोट पर कहता हूं कि लालू परिवार तक ही सीमित हैं. लालू इमोशनल ब्लैकमेल करके वोट ले लें, लेकिन राज्य और देश की जनता जानना चाहती है कि, जब वो जेल जा रहे थे तो उन्हें कोई नहीं मिला. गिरिराज सिंह ने कहा, उन्होंने परिवारवाद को स्थापित कर दिया. राज्यसभा का टिकट दिया तो वो भी अपने ही संबंधी को हरियाणा से लाकर दिया. उन्होंने कहा कि अभी विधानसभा में बेटे और विधान परिषद में अपनी पत्नी को नेता बनाया. इससे बड़ा परिवार का नमूना क्या हो सकता है. जहां-जहां परिवारवाद है, वही लोग आज पीएम मोदी का विरोध कर रहे हैं.

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो शॉर्प शूटर्स मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी बॉर्डर से गिरफ्तार

पटना । लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो शॉर्प शूटर्स को मुजफ्फरपुर डीआईयू (डिस्ट्रिक्ट इम्प्लीमेंटेशन यूनिट) की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार शूटर्स में सुनील बारोलिया और शहनवाज शाहिद का नाम शामिल है. दोनों को पुलिस ने मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी बॉर्डर पर एक बस से धर दबोचा है. सुनील मूलरूप जयपुर का रहने वाला है. जबकि शहनवाज सीतामढ़ी का निवासी है. लेकिन वो भी जयपुर में रह रहा था. सुनील बारोलिया और शहनवाज शाहिद कई मामलों में वांटेड भी हैं. जानकारी के अनुसार, मुजफ्फरपुर डीआईयू की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो शॉर्प शूटर्स नेपाल भागने वाले हैं. सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने चेकिंग अभियान चलाया. इसी दौरान मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी बॉर्डर पर दोनों शॉर्प शूटर को पुलिस ने धर दबोचा. डीआईयू टीम ने हरियाणा पुलिस को इसकी जानकारी दे दी है.

कारोबार

स्पाइसजेट ने एशलॉन के साथ विवाद निपटाया

नयी दिल्ली । मुश्किलों से उबरने की कोशिश में लगी स्पाइसजेट ने गुरुवार को कहा कि उसने विमान पट्टे पर देने वाली कंपनी एशलॉन आयरलैंड मैडिसन वन लिमिटेड के साथ 413 करोड़ रुपये का विवाद सुलझा लिया है. यह पिछले दो हफ्ते में इस तरह का तीसरा विवाद है जिसका स्पाइसजेट ने निपटारा किया है. एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि एशलॉन के साथ कानूनी विवाद का निपटान होने से 4.8 करोड़ डॉलर की बचत होगी. इस विवाद निपटान के तहत स्पाइसजेट दो एयरफ्रेम का अधिग्रहण करेगी.

चीन का व्यापार बेहतर होने की उम्मीद

हांगकांग । साल 2024 के पहले दो महीनों में चीन के निर्यात और आयात आंकड़ों ने पूर्वानुमानों को पीछे छोड़ते हुए मांग में सुधार आने का संकेत दिया है. गुरुवार को जारी सीमा शुल्क आंकड़ों से पता चलता है कि जनवरी-फरवरी की अवधि में चीन का निर्यात एक साल पहले की तुलना में 7.1 प्रतिशत बढ़ा. इसके पहले दिसंबर में निर्यात वृद्धि 2.3 प्रतिशत रही थी. इसी तरह चीन का आयात भी पिछले दो महीनों में एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 3.5 प्रतिशत बढ़ गया. दिसंबर में यह सिर्फ 0.2 प्रतिशत बढ़ा था.

मुक्का प्रोटीन्स का शेयर 57 प्रतिशत चढ़ा

नयी दिल्ली । मछली के तेल और संबद्ध उत्पादों के निर्माण एवं विपणन से जुड़ी कंपनी मुक्का प्रोटीन्स के शेयर बृहस्पतिवार को निर्गम मूल्य के मुकाबले 57 प्रतिशत चढ़कर सूचीबद्ध हुए. बीएसई पर इसके शेयर ने 57.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 44 रुपये के भाव पर कारोबार की शुरुआत की. एनएसई पर भी कंपनी का शेयर 28 रुपये के निर्गम मूल्य से 42.85 प्रतिशत चढ़कर 40 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ. इस तरह सूचीबद्धता के दिन कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1,147.20 करोड़ रुपये रहा. सोमवार को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के अंतिम दिन मुक्का प्रोटीन्स को 136.89 गुना अभिदान मिला था.

दुनिया में क्रेडिट कार्ड रखने वालों की संख्या सबसे तेजी से भारत में ही बढ़ रही है

ग्राहकों को अब मिलेगा मनचाहा क्रेडिट कार्ड

- नया नियम 6 सितंबर 2024 से प्रभावी होगा
- दिसंबर में 19 लाख क्रेडिट कार्ड जारी हुए थे
- अभी देश में पांच अधिकृत क्रेडिट कार्ड नेटवर्क हैं

आरबीआई ने रूपे कार्ड को वर्ष 2012 में लांच किया था

भाषा । नयी दिल्ली

ऑनलाइन वित्तीय लेन-देन जितनी तेजी से बढ़ रहा है, उसी तेजी से क्रेडिट कार्ड का महत्व भी बढ़ रहा है. इससे ग्राहकों की संख्या भी बढ़ रही है. ऐसे में आरबीआई ग्राहकों की सुविधा को लेकर नियम में बदलाव कर रही है. जिसमें क्रेडिट कार्ड ग्राहकों को पसंद के अनुसार दिया जाएगा. आम तौर पर कोई ग्राहक बैंक से जब क्रेडिट कार्ड लेता है, तो उन्हें यह नहीं पूछा जाता है कि किस कार्ड नेटवर्क का कार्ड चाहिए. कस्टमर भी ध्यान नहीं देते हैं कि उन्हें वीजा कार्ड दिया जा रहा है या मास्टरकार्ड या रूपे कार्ड. लेकिन अब बैंकों या क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली कोई भी एजेंसी को ग्राहकों से पहले पूछना होगा कि उन्हें किस नेटवर्क का कार्ड चाहिए. केंद्रीय बैंक ने क्रेडिट कार्ड जारी करने वालों से यह भी कहा है कि वे कार्ड नेटवर्क के साथ कोई भी ऐसा समझौता या व्यवस्था न करें, जो ग्राहकों को दूसरे नेटवर्क की सर्विसेज लेने से रोकता हो. नया नियम 6 सितंबर 2024 से प्रभावी होगा. आरबीआई ने सर्कुलर में कहा कि मौजूदा कार्डहोल्डर्स के लिए यह विकल्प कार्ड का अगला रिन्यूएशन कराते समय दिया जा सकता है. दिसंबर माह में ही 19 लाख क्रेडिट कार्ड जारी किए गए थे. दुनिया में क्रेडिट कार्ड रखने वालों की संख्या सबसे तेजी से भारत में ही बढ़ रही है.

यह निर्देश उन क्रेडिट कार्ड जारीकर्ताओं पर लागू नहीं होगा जिनके द्वारा जारी सक्रिय कार्डों की संख्या 10 लाख या उससे कम है. इसके अलावा खुद के अधिकृत कार्ड नेटवर्क पर क्रेडिट कार्ड जारी करने वाले संस्थानों को निर्देशों से बाहर रखा गया है. कार्ड नेटवर्क लेनदेन को सुरक्षित, सुचारू और कुशल तरीके से संभव बनाने के लिए आपके बैंक, मर्चेंट और आपको जोड़ता है. जब आप अपने कार्ड को स्वाइप या टैप करते हैं तो कार्ड नेटवर्क बैकग्राउंड में चुपचाप काम करते हैं. कार्ड नेटवर्क क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और प्रीपेड कार्ड जैसे कार्ड-आधारित प्रॉडक्ट जारी करने की सुविधा प्रदान करते हैं. फाइनेंशल प्लानर कार्तिक झवेरी कहते हैं कि इस नए नियम से कार्ड जारी करने वाली एजेंसियों के बीच प्रतिस्पर्धा हो सकती है.

क्रेडिट कार्ड के जरिए कर्ज वितरण कर रही हैं

एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और एसबीआई सबसे बड़े क्रेडिट कार्ड जारी करने वाले बैंक हैं. आरबीआई क्रेडिट कार्ड जारी करने वाले उन वित्तीय संस्थानों और फिनटेक कंपनियों पर लगाम लगाना चाहती है जो हाल ही में बाजार में उतरी हैं और क्रेडिट कार्ड के जरिए कर्ज वितरण कर रही हैं. दूसरी बात, कार्ड नेटवर्क कंपनियों का अलग-अलग फाइनैंशल इंस्टिट्यूशन के साथ टाइअप है. इस कारण ग्राहक को अपने पसंद का कार्ड नेटवर्क चुनने का ऑप्शन नहीं मिलता है. अभी देश में पांच अधिकृत क्रेडिट कार्ड नेटवर्क हैं जिन्हें बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ गठजोड़ करने का लाइसेंस है. ये हैं अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉरपोरेशन, डाइनर्स कल्ब इंटरनैशनल, मास्टर कार्ड एशिया व पैसिफिक, एनसीपीआइ-रूपे और वीजा वर्ल्डवाइड. आरबीआई ने रूपे कार्ड को वर्ष 2012 में लांच किया था.

फिक्की फ्रेम्स 2024

गुरुवार को मुंबई में फिक्की फ्रेम्स 2024 के दौरान एक सत्र में तुर्की अभिनेता हांडे एर्सेल

कार्यक्रम

नवविवाहित बॉलीवुड कलाकार रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी गुवाहाटी में एक कार्यक्रम के दौरान.

फरवरी में वाहनों की खुदरा बिक्री 13% बढ़ा

नयी दिल्ली । फरवरी में यात्री और दोपहिया वाहनों समेत सभी खंडों में तगड़ी खरीदारी आने से देश में वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 13% बढ़ गई. संगठन फाडा ने गुरुवार को यह जानकारी दी. पिछले महीने कुल 20,29,541 वाहनों की खुदरा बिक्री हुई जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 17,94,866 इकाई थी. यात्री वाहन खंड में पिछले महीने बिक्री 12% बढ़कर 3,30,107 इकाई हो गई, जो फरवरी, 2023 में 2,93,803 इकाई थी.

निफ्टी मामूली तेजी के साथ हुआ बंद

1.38 लाख करोड़ बढ़ा मार्केट कैप

मुंबई । गुरुवार को कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ है. सेंसेक्स-निफ्टी में मामूली तेजी रही हालांकि एफएमसीजी स्टॉक्स में जोरदार खरीदारी देखने को मिली है. गुरुवार के ट्रेड में मिडकैप और स्मॉलकैप में भी खरीदारी रही है. कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 33 अंकों के मामूली उछाल के साथ 74,119 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 19 अंकों के उछाल के साथ 22,493 अंकों पर क्लोज हुआ है. सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही अपने ऐतिहासिक हाई पर बंद हुआ है.

गुरुवार के ट्रेड में एफएमसीजी, आईटी, पीएलयू बैंक, फार्मा, मेटल, मीडिया, कमोडिटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर सेक्टर के स्टॉक्स में उछाल देखने को मिला है. जबकि बैंकिंग, ऑयल एंड गैस, एनर्जी, रियल एस्टेट और इंफ्रा स्टॉक्स गिरकर क्लोज हुए.

2024 की तीसरी तिमाही की रिपोर्ट आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस

क्लेम सेटलमेंट का उद्योग-अग्रणी अनुपात कायम रखा

एजेंसी । नई दिल्ली

वित्तीय नियोजन की अगर बात करें, तो जीवन बीमा इसका एक अनिवार्य घटक है, जो परिवार और आश्रितों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है. यह पॉलिसीधारक की असामयिक मृत्यु की स्थिति में परिवार की वित्तीय भलाई सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा किया गया एक वादा है. इन अर्थों में यह किसी प्रियजन को खोने के कारण उत्पन्न वित्तीय संकट को कम करने का एक बेहतर तरीका है. जीवन बीमा के मामले में क्लेम एक सच्चाई है और इसलिए किसी को उसी ब्रांड से पॉलिसी खरीदना चाहिए, जिस पर वे भरोसा करते हैं. क्लेम सेटलमेंट अनुपात और दावा निपटान में लगने वाले औसत समय के मूल्यांकन के आधार पर ग्राहक अपने अनुकूल जीवन बीमाकर्ता का चुनाव कर सकते हैं. क्लेम सेटलमेंट के मामले में टर्नअराउंड समय भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह सुनिश्चित करता है कि लाभार्थियों को दावे की राशि शीघ्र प्राप्त हो.

हालांकि, जिम्मेदारी पूरी तरह से बीमा कंपनी की नहीं है. ग्राहक खरीदारी के समय सभी प्रकार की जानकारी का सच्चाई से खुलासा करने की जिम्मेदारी भी निभाते हैं, इससे नामांकित लोगों के लिए त्वरित और परेशानी मुक्त दावा अनुभव सुनिश्चित किया जा सकता है. नियमों के अनुसार, जीवन बीमाकर्ता तिमाही आधार पर अपने दावा निपटान अनुपात की घोषणा करते हैं. आखिरकार व्यक्ति यह सुनिश्चित करने के लिए जीवन बीमा खरीदते हैं कि किसी भी स्थिति में उनके आश्रित वित्तीय रूप से सुरक्षित रहें. खास बात यह है कि आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के पास लगातार दावा निपटान अनुपात ट्रैक रिकॉर्ड है, जिसमें वित्त वर्ष 2024 के शुरुआती नौ महीनों के लिए उल्लेखनीय 98.6 प्रतिशत दावा निपटान अनुपात शामिल है.दावा निपटान अनुपात में निरंतरता भी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह पॉलिसीधारक को मानसिक शांति प्रदान करता है कि जब वे आसपास नहीं होंगे, तो उनका परिवार आर्थिक रूप से कमजोर नहीं होगा.

वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ का दावा निपटान अनुपात 98.10 फीसदी था, दूसरी तिमाही में यह 98.14 प्रतिशत रहा और तीसरी तिमाही में अनुपात 98.52 फीसदी था. उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2023 को समाप्त नौ महीनों की अवधि के लिए, सभी प्रासंगिक दस्तावेज जमा करने के बाद गैर-जांच किए गए दावों के लिए औसत दावा निपटान समय केवल 1.3 दिन था.

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ ने 'क्लेम फॉर श्योर' सेवा पहल भी शुरू की है, जिसके तहत यह सुनिश्चित किया जाता है कि सभी दस्तावेज प्राप्त होने के बाद सभी योग्य मृत्यु दावों का एक दिन में निपटान किया जाए. यदि इस पहल के तहत दावे को प्रोसेस करने में कोई देरी होती है, तो आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ लाभार्थी को दावे की राशि पर अर्जित ब्याज के साथ मुआवजा देती है.

10 ग्राम का भाव 65,049 रुपये

सोना पहली बार 65 हजार के पार

नयी दिल्ली । सोने का भाव गुरुवार को पहली बार 65,000 रुपए के पार पहुंच गया. इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की वेबसाइट के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 556 रुपए महंगा होकर 65,049 रुपए हो गया है. वहीं, चांदी में भी गुरुवार को बढ़त देखने को मिल रही है. ये 411 रुपए महंगी होकर 72,121 रुपए प्रति किलो ग्राम पर पहुंच गई है. इससे पहले ये 71,710 रुपए पर थी.

चांदी ने बीते साल 4 दिसंबर को 77,000 का ऑलटाइम हाई बनाया था. आने वाले दिनों में सोने में तेजी जारी रह सकती है. इसके चलते इस साल के आखिर तक सोना 67 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है. साल 2023 की शुरुआत में सोना 54,867 रुपए प्रति ग्राम पर था जो 31 दिसंबर को 63,246 रुपए प्रति ग्राम पर पहुंच गया था. यानी साल 2023 में इसकी कीमत में 8,379 रुपए (16%) की तेजी आई. वहीं, चांदी भी 68,092 रुपए से बढ़कर 73,395 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई.

चांदी 72,121 रुपए प्रति किलो बिक रही

ब्रीफ खबरें

स्कूल में आग लगने से 4 वर्षीय बच्ची की मौत

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल बीजापुर जिले में एक सरकारी आवासीय विद्यालय में आग लगने से चार साल की एक बच्ची की मौत हो गई. अधिकारियों ने बताया कि बालिका की पहचान लिपाक्षी के रूप में हुई है, जो स्कूल की छात्रा नहीं थी और वह पिछले कुछ दिनों से अपनी बड़ी बहन के साथ रह रही थी. लिपाक्षी की बड़ी बहन स्कूल की छात्रा है. घटनास्थल के दृश्य और तस्वीरों से जानकारी मिली है कि केबिन की संरचना आग से पूरी तरह से जल गई है.

हाथी ने किसान को कुचलकर मार डाला

इरोड (तमिलनाडु)। इरोड जिले में स्थित सत्यमंगलम बाघ अभयारण्य (एसटीआर) के अंतर्गत आने वाले कदंबूर जंगल में एक हाथी ने 65 वर्षीय किसान को कुचलकर मार डाला. पुलिस के अनुसार, 65 वर्षीय मरप्पन बुधवार शाम को एसटीआर के अंतर्गत आने वाले कदंबूर जंगल के कदगनल्ली में अपनी भेड़ें चरा रहा था. उसी दौरान एक हाथी झाड़ी से बाहर आया और उसने मरप्पन पर हमला कर उसे कुचलकर मार डाला. कदंबूर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

डीयू के पूर्व प्रो. साईबाबा नागपुर जेल से रिहा

नागपुर। माओवादियों से कथित संबंध के मामले में बंबई उच्च न्यायालय द्वारा बरी किए गए दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर जी. एन. साईबाबा को गुरुवार को नागपुर केंद्रीय कारागार से रिहा कर दिया गया. अदालत ने साईबाबा को मंगलवार को बरी किया था. उन्हें कथित माओवादी संबंध मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी. महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले की एक अधीनस्थ अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने के बाद साईबाबा 2017 से यहां जेल में बंद थे.

मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के लिए पोज देतीं मॉडल

गुरुवार को 71वीं मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता की प्रतियोगी मुंबई के जियो कन्वेंशन सेंटर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के जश्न के दौरान तस्वीरों के लिए पोज देती हुईं. -फोटो : पीटीआई

आर्टिकल 370 हटने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पहला कश्मीर दौरा

पीएम ने किया परियोजनाओं का उद्घाटन

भाषा। कश्मीर

जम्मू-काश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त किये जाने के बाद कश्मीर घाटी की पहली यात्रा पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6,400 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया. इस दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सैंकड़ों समर्थक राष्ट्रीय ध्वज के तीन रंगों वाली पगड़ी पहनकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे.

वहीं, इस स्थिति में सुरक्षाकर्मियों को भीड़ को संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी. अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री के आगमन पर वहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है, लेकिन लोगों की आवाजाही पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगाया गया है. अधिकारियों ने कहा कि पूरी कश्मीर घाटी में जनजीवन सामान्य है और यहां अधिकांश दुकानें एवं अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठान खुले हैं.

1400 करोड़ के पर्यटन से जुड़े प्रोजेक्ट

पीएम मोदी श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में विकसित भारत विकसित जम्मू कश्मीर कार्यक्रम में शामिल हुए और केंद्र शासित प्रदेश में कृषि-अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए लगभग 5,000 करोड़ रुपये की योजनाओं का उद्घाटन किया. इसमें 'स्वदेश दर्शन' और 'प्रशाद' (तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन ड्राइव) योजनाओं के तहत 1,400 करोड़ रुपये से अधिक की पर्यटन क्षेत्र से संबंधित राष्ट्रव्यापी परियोजनाएं शामिल हैं, जिसमें एकीकृत विकास के लिए एक परियोजना भी शामिल है.

सरकारी कर्मचारियों को सौंपें नियुक्ति पत्र

पीएम मोदी ने चैलेंज बेस्ड डेस्टिनेशन डेवलपमेंट (सीबीडीडी) योजना के तहत चयनित पर्यटन स्थलों की घोषणा करने के अलावा 'देखो अपना देश पीपुल्स चॉइस टूरिस्ट डेस्टिनेशन पोल' और 'चलो इंडिया ग्लोबल डायस्पोरा' अभियान भी लॉन्च किया. इसके अलावा पीएम ने जम्मू-कश्मीर में लगभग 1,000 नए भर्ती हुए सरकारी कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया और महिलाओं, किसानों और उद्यमियों सहित विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के लाभार्थियों के साथ बातचीत भी की.

कई स्कूल बंद, बोर्ड परीक्षा भी स्थगित

श्रीनगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के मद्देनजर श्रीनगर में प्रधानमंत्री के दौरे वाले रास्ते में पड़ने वाले कई स्कूल बुधवार और गुरुवार के लिए बंद कर दिए गए हैं, जबकि बुधवार को होने वाली बोर्ड परीक्षाएं अगले महीने तक के लिए स्थगित कर दी गई हैं.

श्रीनगर में ड्रोन उड़ाने पर लगा अस्थाई बैन

पीएम मोदी की यात्रा के मद्देनजर श्रीनगर शहर में ड्रोन और क्वाडकॉप्टर की उड़ान पर अस्थायी रूप से बैन लगा दिया गया. बुधवार को लागू हुए श्रीनगर पुलिस के निर्देश में कहा गया है कि शहर में सभी अनधिकृत ड्रोन चलाने पर सख्त कार्रवाई की जा सकती है.

पीएम उज्ज्वला योजना की सब्सिडी की समय सीमा बढ़ी

भाषा। नयी दिल्ली

पीयूष गोयल ने बताया कि गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में छह फैसलों पर मुहर लगी है. केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि आज कैबिनेट ने निर्णय लिया है कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 300 रुपये प्रति सिलेंडर की सब्सिडी दी जाती है, जिसकी अवधि 31 मार्च 2024 तक तक थी उसे 1 वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है. अब 300 रुपए प्रति सिलेंडर सब्सिडी का लाभ एक वर्ष में 12 सिलेंडर की सीमा तक 10 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को मिलेगा. साथ ही कच्चे जूट का न्यूनतम समर्थन मूल्य को बढ़ाया गया है. इसमें 285 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है. वहीं, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 10,372 करोड़ रुपये के व्यय के साथ पांच साल के लिए 'इंडिया एआई मिशन' को मंजूरी दे दी है. केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि इस राशि का इस्तेमाल बड़े कंप्यूटिंग ढांचे के सृजन पर किया जाएगा.

गोवा के समुद्र तटों पर को-वर्किंग बनाने की तैयारी

पणजी। गोवा आने वाले पर्यटकों के लिए राज्य के मोरजिम और अश्वेम समुद्र तटों पर जल्द ही सह-कार्यस्थल (को-वर्किंग स्पेस) बनाए जाएंगे, जहां पर वे पर्यटन के साथ काम भी कर सकेंगे. राज्य के पर्यटन सचिव संजीव आहूजा ने यात्रा व्यापार प्रदर्शनी 'आईटीबी बर्लिन' में कहा कि गोवा सरकार न केवल अपने समुद्र तटों बल्कि अन्य गतिविधियों के लिए भी राज्य को एक पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देना चाहती है. उन्होंने कहा कि हम खासकर यूरोप से और अधिक खर्च करने वाले पर्यटकों को समग्र अनुभव देकर ज्यादा संख्या में गोवा बुलाना चाहते हैं. इसी क्रम में गोवा के समुद्र तटों पर सह-कार्यस्थल की अवधारणा पेश की गई है.

अदालत ने केजरीवाल को 16 मार्च को किया तलब

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी घोटाले से संबंधित धनशोधन मामले में कथित रूप से समन का पालन नहीं करने पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा फिर से की गई शिकायत पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बृहस्पतिवार को समन जारी किया. अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट दिव्या मल्होत्रा ने केजरीवाल को 16 मार्च को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया. प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन जांच में समन का पालन नहीं करने के लिए केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने का अनुरोध करते हुए अदालत में बुधवार को नयी शिकायत दर्ज कराई थी.

भारतीय युद्धपोत ने बचाई चालक दल की जान

नयी दिल्ली। भारतीय युद्धपोत 'आईएनएस कोलकाता' ने अदन की खाड़ी में बारबाडोस के ध्वज वाले मालवाहक जहाज पर मिसाइल हमले के बाद उस जहाज से एक भारतीय नागरिक सहित चालक दल के 21 सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया है. मिसाइल हमले के कारण बुधवार को वाणिज्यिक जहाज 'एमवी ट्रू कॉन्फिडेंस' में आग लग गई थी. नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने बताया कि अदन की खाड़ी में समुद्री सुरक्षा अभियानों के लिए तैनात आईएनएस कोलकाता घटनास्थल पर पहुंचा और एक भारतीय नागरिक सहित चालक दल के 21 सदस्यों को बचा लिया.

पीएम 'ना बताऊंगा, ना दिखाऊंगा' पर अड़े: कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा चुनावी बॉन्ड का ब्यौरा देने के लिए उच्चतम न्यायालय से और समय की मांग किए जाने को लेकर गुरुवार को आरोप लगाया कि 'न्यू इंडिया' (नए भारत) में लुका-छिपी का खेल चल रहा है जिसमें देश ढूंढ रहा है तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'छिपा रहे हैं.' पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा' की बात करने वाले प्रधानमंत्री अब 'ना बताऊंगा, ना दिखाऊंगा' पर अड़े हुए हैं.

शिवरात्रि विशेष

Shree Construction
Near Plaza Chowk, East Jail Road
and Beside Debuka Nursing Home
Burdhwan Compound, Lalpur, Ranchi
Dayanand Complex, Main Road, Ranchi
Ph : 9334965657/ 9155817899

धन्वन्तरि क्लीनिक

डॉ. सचिन
B.A.M.S. (D.U.) Reg. 130897
जनरल आयुर्वेदिक फिजिसियन
नोट : गठिया, चर्म एवं यौन रोग विशेषज्ञ
फोन : 9431173568

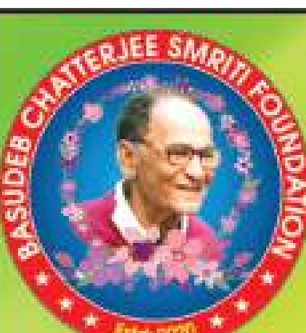

स्वर्गीय बासुदेब चटर्जी के
शाश्वत स्मृति में
उनके सुपुत्र
श्री राजीब चटर्जी
द्वारा साल 2020
में स्थापित संस्था
"बासुदेब चटर्जी स्मृति फाउंडेशन",
विगत दो वर्षों से आम जन मानस के लिए हर स्तर
पर अपना यथासंभव योगदान करते आ रही है. यह
संस्था समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व निष्पादित
करने के लिए सदैव कर्तव्यबद्ध है.

Chotanagpur Sanskritik Sangh
HI-98, Harmu Housing Colony
Doranda Ranchi-834002
Phone - 9504900583

Dr. Sachi Kumari
Chief Executive
Chotanagpur Sanskritik Sangh

महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. ए. के. वर्मा
हड्डी जोड़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
उदय ऑर्थो डे केयर
हरमू हाउसिंग कॉलोनी
सम्पर्क करें :
9386257021, 7903827479
HOSPITAL TIMING
9:30 AM TO 11:30 AM
SUNDAY & THURSDAY OFF
यहां एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध है

सभी झारखंडवासियों को महाशिवरात्रि
की हार्दिक शुभकामनाएं

एएस देओल उर्फ बटर सिंह
प्रवक्ता झारखंड मुक्ति मोर्चा, जिला रांची

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)